Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 59
लखनऊ, सोमवार, 16 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

पायनियर

Established 1865

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत अग्रणी

अमेरिका ने एचएएल, रेलवे, आईओसी को रिश्वत देने वाली कंपनियों पर लगाया 300% से अधिक जुर्माना

जे गोपीकृष्णन। नई दिल्ली

संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के न्याय विभाग द्वारा अडाणी समूह पर भारत में कई सौर ऊर्जा कंपनियों को 265 मिलियन (2650 लाख) अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने के आरोप लगाने के बाद उठे विवाद के बीच, अमेरिकी अधिकारियों के हालिया आदेशों से पता चलता है कि भारत और अन्य देशों में रिश्वत देने वाली कई अमेरिकी फर्मों ने अभियोजन (मामले) से बचने के लिए 300 प्रतिशत से अधिक जुर्माना देकर मामले को सुलझा लिया है। अमेरिका स्थित अनुसंधान और डिजाइन फर्म मूग इंक को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और भारतीय रेलवे को आधे मिलियन (पांच लाख) डॉलर से अधिक की रिश्वत देने के मामले में पकड़ा था, इस मामले में मूग इंक ने 1.68 मिलियन (16.8 लाख) डॉलर से अधिक का भुगतान करके अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग के साथ अपना मामला सुलझा लिया।

भारतीय रेलवे, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और तुर्की के संगठनों में 6.8 मिलियन (86 लाख) डॉलर से अधिक के भ्रष्ट आचरण और रिश्वतखोरी के आरोपों में पकड़ी गई दिग्गज आईटी फर्म ओरेकल कॉरपोरेशन ने अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग के आदेश के अनुसार अमेरिकी ट्रेजरी को 23 मिलियन (230 लाख) डॉलर का जुर्माना देकर मामला सुलझा लिया है। अमेरिका स्थित रासायनिक निर्माण कंपनी अल्बेमर्ले कॉरपोरेशन को अमेरिकी न्याय विभाग ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडोनेशिया और वियतनाम की कंपनियों को 63.5 मिलियन (635 लाख) डॉलर से अधिक की रिश्वत देने के आरोप में पकड़ा था, जिसने अभियोजन से बचने के लिए 198 मिलियन (1980) डॉलर से अधिक का भारी जुर्माना देकर मामला सुलझा लिया।

11 अक्टूबर, 2024 के आदेशों के अनुसार, प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी), मूग इंक अगस्त 2020 में, एजेंट ए को नियुक्त करने के तुरंत बाद, मूग ब्रांड को आगामी दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) निविदा नोटिस के लिए आपूर्तिकर्ता सूची में जोड़ा गया था। फिर निविदा नोटिस में एससीआर निविदा में एक विशिष्ट भाग के लिए संभावित आपूर्तिकर्ता के लिए मूग के साथ-साथ एक अतिरिक्त आपूर्तिकर्ता को सूचीबद्ध किया गया। सितंबर 2020 में, मूग इंक की भारत की सहायक कंपनी एमएमसीपीएल ने 34,323 डॉलर में एससीआर अनुबंध प्राप्त किया। अप्रैल 2022 में, एजेंट ए ने एमएमसीपी को कमीशन शुल्क के लिए चालान भेजा, जिसके बारे में कई एमएमसीपीएल कर्मचारियों को पता था कि इसमें प्रतिस्पर्धा को खत्म करने और अनुबंध पुरस्कार जीतने के लिए सरकारी अधिकारियों को अनुचित भुगतान शामिल है। भुगतान को गलत तरीके से वैध ठेकेदार सेवाओं के रूप में दर्ज किया गया था। एसईसी आदेश में कहा गया है, जिसमें कहा गया है कि रेलवे अनुबंध में 10 प्रतिशत रिश्वत कमीशन था।

एचएएल में रिश्वतखोरी का ब्यौरा देते हुए एसईसी के आदेश में कहा गया कि नवंबर 2021 में, मूग ने अप्रैल 2021 के अनुबंध टेंडर से संबंधित भागों और सेवाओं के लिए 1,399,328 डॉलर मूल्य का अनुबंध हासिल किया। जांच में पाया गया कि एचएएल के एक अधिकारी द्वारा रिश्वत के रूप में 2.5 प्रतिशत कमीशन प्राप्त किया गया था। आठ पेज के आदेश के अनुसार, मूग इंक ने एचएएल और रेलवे में अनुबंध प्राप्त करने के लिए रिश्वत के रूप में पांच लाख डॉलर से अधिक का भुगतान किया। 28 सितंबर, 2023 को अमेरिकी न्याय विभाग के आदेश में कहा गया कि अल्बेमर्ले कॉर्पोरेशन ने भ्रष्ट आचरण और 63.5 मिलियन (635 लाख) डॉलर से अधिक की रिश्वत देकर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडोनेशिया और वियतनाम की कंपनियों में बड़े अनुबंध हासिल किए। अल्बेमर्ले दुनिया भर में 700 से ज़्यादा रिफ़ाइनरियों को रिफ़ाइनिंग समाधान की आपूर्ति करती है और 2009 से 2017 तक इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के साथ डील कर रही है। 46 पेज के ऑर्डर में कहा गया कि अल्बेमर्ले ने 2009 में इसे 'हॉलिडे लिस्ट' से हटवाने के लिए आईओसी अधिकारियों को रिश्वत देना शुरू किया।

ऑर्डर में कहा गया, अल्बेमर्ले ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के कारोबार से जुड़ी भारतीय मध्यस्थ कंपनी को करीब 1.14 मिलियन (11.4 लाख) डॉलर का कमीशन दिया और 2009 से 2011 के बीच उस कारोबार से करीब 11.14 मिलियन (111.4 लाख) डॉलर का मुनाफ़ा कमाया। अल्बेमर्ले को 2017 में अमेरिकी अधिकारियों ने 63.5 मिलियन (635 लाख) डॉलर की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था और फिर अभियोजन (केस) से बचने के लिए सितंबर 2023 में 198 मिलियन (1980 लाख) डॉलर से ज़्यादा का भारी जुर्माना भरकर मामले को सुलझा लिया था। अल्बेमर्ले पर जुर्माना लगाने वाले 46 पेज के ऑर्डर में कहा गया है कि अमेरिकी कंपनी ने एक भारतीय निजी रिफ़ाइनरी के साथ भी भ्रष्ट व्यवहार किया। हालांकि, आदेश में निजी रिफाइनरी का नाम नहीं बताया गया है। 27 सितंबर, 2022 को प्रतिभूति और विनिमय आयोग के आदेश में कहा गया है कि आईटी दिग्गज ओरेकल कॉर्पोरेशन भारत, यूएई और तुर्की में भ्रष्ट आचरण और रिश्वतखोरी में लिप्त थी। 2019 में, ओरेकल इंडिया के बिक्री कर्मचारियों ने एक परिवहन कंपनी के संबंध में अत्यधिक छूट योजना का भी इस्तेमाल किया, जिसका अधिकांश स्वामित्व भारतीय रेल मंत्रालय के पास था, लेन-देन में शामिल बिक्री कर्मचारियों में से एक ने एक स्प्रेडशीट बनाए रखी, जिसमें संकेत दिया गया कि 67,000 एक विशिष्ट भारतीय एसओई (राज्य के स्वामित्व वाली इकाई) अधिकारी को संभावित रूप से भुगतान करने के लिए उपलब्ध 'बफर' था। प्रतिभूति और विनिमय आयोग के 10-पृष्ठ के आदेश में कहा गया है कि, कुल लगभग 330,000 डॉलर एक ऐसी इकाई को दिए गए, जिसकी एसओई अधिकारियों को भुगतान करने की प्रतिष्ठा है और अन्य 62,000 डॉलर बिक्री कर्मचारियों द्वारा नियंत्रित एक इकाई को दिए गए। 6.8 मिलियन (68 लाख) डॉलर की रिश्वत राशि के लिए पकड़े गए ओरेकल पर 23 मिलियन (230 लाख) डॉलर का भारी जुर्माना लगाया गया।

इनको मिली सजा

- एचएएल, रेलवे में आधे मिलियन (पांच लाख) डॉलर से अधिक की रिश्वतखोरी मामले में पकड़े गए मूग इंक ने 1.68 मिलियन (16.8 लाख) डॉलर से अधिक का जुर्माना देकर संयुक्त राज्य प्रतिभूति और विनिमय आयोग के साथ मामला सुलझा लिया है।
- वहीं भारतीय रेलवे, यूएई और तुर्की में 6.8 मिलियन (68 लाख) डॉलर से अधिक की रिश्वतखोरी मामले में पकड़े गए ओरेकल कॉर्पोरेशन ने 23 मिलियन (230 लाख) डॉलर का जुर्माना देकर मामला सुलझा लिया है।
- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडोनेशिया और वियतनाम की कंपनियों में 63.5 मिलियन (635 लाख) डॉलर से अधिक की रिश्वतखोरी मामले में पकड़े गए अल्बेमर्ले कॉर्पोरेशन ने अभियोजन से बचने के लिए 198 मिलियन (1980 लाख) डॉलर से अधिक का जुर्माना देकर मामला सुलझा लिया है।

शांत हुआ तबला, उस्ताद जाकिर हुसैन का 73 साल की उम्र में निधन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का रविवार को अमेरिका में निधन हो गया है। वह 73 साल के थे। हुसैन को हृदय संबंधी समस्याओं के कारण सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था, उनके मित्र और बांसुरी वादक राकेश चौरसिया ने रविवार को पीटीआई को यह जानकारी दी। हुसैन को तबला वादन को वैश्विक मंच पर ले जाने वाले उस्ताद के रूप में जाना जाता है। हुसैन की मैनेजर निर्मला बच्चानी ने बताया कि उन्हें रक्तचाप की समस्या थी। महान तबला वादक अल्लाह रक्खा के सबसे बड़े बेटे हुसैन ने अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए भारत और दुनिया भर में तबला वादक के रूप में एक बड़ा नाम बन गए। हुसैन ने अपने करियर में पांच ग्रैमी पुरस्कार जीते हैं, जिनमें से तीन इस साल की शुरुआत में 66वें ग्रैमी पुरस्कार में मिले थे। अपने छह दशकों के करियर में, संगीतकार ने कई प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया है। लेकिन 1973 की उन्होंने संगीत की जुगलबंदी जिसमें अंग्रेजी गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन, वायलिन वादक एल शंकर और तालवादक टीएच 'विक्कू' विनायकराम ने भारतीय शास्त्रीय और जैज़ के तत्वों को एक ऐसे फ्यूजन में एक साथ लाया जो अब तक अज्ञात था। उनको 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

इंडिया गुट के खिलाफ उमर ने भी दिखाए तेवर

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

कांग्रेस की अगुवाई वाले विपक्षी इंडिया गुट में सब कुछ ठीक नहीं है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर कांग्रेस की आपत्ति को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस को ईवीएम पर रोना बंद कर देना चाहिए और अपनी हार को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब आप चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम ठीक है, लेकिन जब आप हारते हैं तो ईवीएम का रोना रोने लगते हैं।

उमर इंडिया गठबंधन के महत्वपूर्ण सहयोगियों में से एक हैं और कांग्रेस के खिलाफ उनकी नाराजगी एक सप्ताह के भीतर सामने आई है, जबकि शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), लालू यादव के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) जैसे अन्य घटकों ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए और कहा कि कांग्रेस को अपने बड़े भाई के रवैये पर पुनर्विचार करना चाहिए और उसे त्याग देना चाहिए, क्योंकि पार्टी ने हाल ही में संपन्न हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जहां पार्टी को क्रमशः अपने प्रमुख सहयोगी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) से मात खानी पड़ी थी।

राष्ट्रीय राजधानी में अब्दुल्ला ने कहा, जब संसद के सौ से ज्यादा सदस्य एक ही ईवीएम का इस्तेमाल कर रहे हों और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के तौर पर मना रहे हों, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि हमें ये ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव के नतीजे उस तरह नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर के सीएम ने कहा कि अगर राजनीतिक दलों को मतदान प्रणाली पर भरोसा नहीं है तो उन्हें चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। अगर आपको ईवीएम से समस्या है, तो आपको उन समस्याओं में निरंतरता बनाए रखनी चाहिए। इंडिया गुट की विचारधारा के विपरीत जाकर उमर ने नए संसद भवन और आने वाले सेंट्रल विस्टा को लेकर अपना रुख दोहराया। उन्होंने कहा, सेंट्रल विस्टा परियोजना(**शेष पृष्ठ 9**)

भाजपा के पास सीएम चेहरा नहीं : केजरीवाल

संजय राय। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी चौथी और अंतिम 38 उम्मीदवारों की सूची रविवार को जारी कर दी है। इसके साथ ही पार्टी ने सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इसमें पार्टी के कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल हैं। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से अरविंद केजरीवाल चौथी बार चुनाव मैदान में उतरे हैं। कालकाजी सीट से मुख्यमंत्री आतिशी, ग्रेटर कैलाश से सौरभ भारद्वाज, ओखला से अमानतुल्लाह खान, मालवीय नगर से सोमनाथ भारती, राजेंद्र नगर से दुर्गेश पाठक, तिलक नगर सीट से जरनैल सिंह, बाबरपुर से गोपाल राय, बल्लीमारान से इमरान हुसैन बुराड़ी से संजीव झा, शकूरबस्ती से सत्येंद्र जैन को उम्मीदवार बनाया हैं। इस सूची में दो नाम नए हैं। कस्तूरबा नगर सीट से मदन लाल की जगह रमेश पहलवान और उत्तम नगर विधानसभा क्षेत्र से नरेश बाल्यान की पत्नी पूजा बाल्यान प्रत्याशी बनाया हैं। रमेश पहलवान रविवार को ही भाजपा से पार्षद पत्नी कुसुम लता के साथ आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हुए थे।

भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। चर्चा है कि भाजपा नई दिल्ली सीट पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को उतारने की योजना बना रही है। इस बीच, कांग्रेस ने 21 उम्मीदवारों की घोषणा की है जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित भी शामिल हैं। वह नई दिल्ली (**शेष पृष्ठ 9**)

पारा गिरा, प्रदूषण बढ़ा

राजेश कुमार। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में सर्दी का सितम बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही आबोहवा भी खराब हो गई है। भारत मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस कम है। शनिवार को तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस था। इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि रविवार रात नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवतता सूचकांक 313 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में है। 15.005 प्रतिशत के साथ, परिवहन क्षेत्र वायु प्रदूषण में मुख्य योगदानकर्ता रहा, इसके बाद 8.8 प्रतिशत के साथ उद्योग रहे। जामा मस्जिद और एम्स जैसे इलाकों में लोग ठिठुरन के बीच मोटे कंबल के नीचे दुपके रहे।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार शीत लहर की कोई स्थिति नहीं बनी। दिल्ली के सफदरजंग वेधशाला में रविवार को न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो इस मौसम के लिए सामान्य से तीन डिग्री कम है। पूर्वानुमान बताते हैं कि मंगलवार तक दिल्ली का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है, जिससे ठंड बनी रहेगी। आया नगर में 5.2 डिग्री सेल्सियस और रिज में 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम वेधशाला में आज सुबह 8.30 बजे न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के सामान्य तापमान से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। 24 घंटे में तापमान में गिरावट 0.2 डिग्री सेल्सियस है। राजधानी के निवासी तब से ठिठुर रहे हैं, बुधवार को भी सफदरजंग में तापमान 4.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम(**शेष पृष्ठ 9**)

फडणवीस ने मंत्रिमंडल का किया महा विस्तार

टीएन रघुनाथ। मुंबई

नागपुर में राजभवन में राज्य मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान कैबिनेट मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और एकनाथ शिंदे व अन्य। पीटीआई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को अपने मंत्रिमंडल का पहला विस्तार किया। उन्होंने अपने और दो उपमुख्यमंत्रियों के शपथ लेने के दस दिन बाद 39 मंत्रियों को मंत्रिमंडल में शामिल किया, जिनमें 33 उच्च पद के मंत्री शामिल हैं। उन्होंने भाजपा के सुधीर मुनगंटीवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता छगन भुजबल समेत महायुति के 10 वरिष्ठ नेताओं को मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया। नागपुर के राजभवन में 1981 के बाद दूसरी बार आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले छह राज्य मंत्रियों समेत 39 मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई।

मजे की बात यह है कि देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल में 25 नए चेहरे शामिल किए गए हैं। दिवंगत भाजपा नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे, जो अपने करियर में दूसरी बार राज्य मंत्री के रूप में वापसी कर रही हैं, राज्य मंत्रिमंडल में चार महिला मंत्रियों में से एक हैं। 39 मंत्रियों के शामिल होने के साथ, राज्य मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कुल संख्या 42 हो गई है, जो निर्धारित 43 सदस्यीय मंत्रिमंडल से एक कम है, जो राज्य विधानसभा में कुल 288 सदस्यों का 15 प्रतिशत है। राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किए गए 39 मंत्रियों में से 19 भाजपा से, 11 शिवसेना से और 9 एनसीपी (एपी) से हैं। मुनगंटीवार और भुजबल के अलावा, महायुति के आठ अन्य वरिष्ठ नेता, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (एपी) शामिल हैं जिन्हें फडणवीस मंत्रिमंडल से हटा दिया गया है। मंत्रिमंडल से हटाने वालों में विजय कुमार गावित, सुरेश खाड़े, तानाजी सावंत, अदबुल सत्तार, दीपल केसरकर, दिलीप वालसे-पाटिल, अनिल पाटिल और संजय बनसोडे के नाम शामिल हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि उन 25 मंत्री चेहरों को शामिल किया गया है जो पिछली सरकार में नहीं थे, जिनमें चन्द्रशेखर बावनकुले, गणेश नाइक, पंकजा मुंडे, आशीष शेलार, जयकुमार रावल, नितेश राणे (सभी भाजपा से), प्रताप सरनाईक, संजय राठौड़, दादा भुसे, संजय शिरसाट (सभी शिवसेना से), मकरंद पाटिल, हसन मुशर्रफ, नरहरि हिरवाल और दत्ताराय भरणे (सभी अजीत पवार एनसीपी से) शामिल हैं। पंकजा मुंडे के अलावा, राज्य मंत्रिमंडल में जगह बनाने वाली तीन अन्य महिलाएं भाजपा की माधुरी मिसाल, मेघना बोर्डिकर और एनसीपी (**शेष पृष्ठ 9**)

जस्टिस यादव जल्द सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के समक्ष होंगे पेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद के एक समारोह में कथित तौर पर विवादित बयान देने वाले न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव इस विवाद पर अपना रुख स्पष्ट करने के लिए जल्द ही उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के समक्ष पेश हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर को बयानों से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों का संज्ञान लेते हुए पूरे मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से एक रिपोर्ट तलब की थी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया, उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव द्वारा दिए गए भाषण को लेकर समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लिया है। इस बारे में विवरण और ब्यौरा उच्च न्यायालय से तलब किया गया है और यह मामला विचाराधीन है। स्थापित प्रथाओं के अनुसार, जिस न्यायाधीश के खिलाफ किसी विवादास्पद मुद्दे पर शीर्ष अदालत कॉलेजियम द्वारा संबंधित उच्च न्यायालय से रिपोर्ट मांगी जाती है, उसे भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के नेतृत्व वाले उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के समक्ष अपना पक्ष रखने का एक अवसर दिया जाता है। शीर्ष अदालत के सूत्रों ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को स्थापित प्रथाओं के अनुसार उपस्थित होने और अपना पक्ष रखने के लिए कहा जा सकता है।

न्यायमूर्ति यादव ने आठ दिसंबर को विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में कहा था कि समान नागरिक संहिता का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है। वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय में विहिप के कानूनी प्रकोष्ठ और उच्च न्यायालय इकाई के एक प्रांतीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। बहुमत के अनुसार काम करने वाले कानून सहित विभिन्न मुद्दों पर न्यायमूर्ति यादव के वीडियो एक दिन बाद व्यापक रूप से प्रसारित हो गए। इस पर विपक्षी दलों ने (**शेष पृष्ठ 9**)

रेलवे ट्रैक पर आराम फरमा रहे आठ शेर किस्मत से बचे

- **सतर्क लोको पायलट ने समय रहते ब्रेक लगाकर शेरों की बचायी जान**

एजेंसी। भावनगर

गुजरात के भावनगर जिले में पिछले दो दिनों से 8 शेर भटक गए थे। ये शेर भटकते-भटकते रेलवे ट्रैक पर आ गए थे। एक मालगाड़ी और एक यात्री ट्रेन के सतर्क लोको पायलटों ने समय रहते ब्रेक लगा दिए, जिससे शेरों की जान बच गई। रेलवे के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। भावनगर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक माशूक अहमद ने बताया कि पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल के लोको पायलटों की सतर्कता और वन विभाग के ट्रैकर्स की मदद से इस वित्तीय वर्ष में अब तक 104 शेरों को बचाया गया है। बृहस्पतिवार को हापा से पीपावाव बंदरगाह की ओर जा रही मालगाड़ी चला रहे लोको पायलट धवलभाई पी ने राजुला शहर के पास पांच शेरों को रेल पटरी पार करते देखा। सतर्क लोको पायलट ने ट्रेन को रोकने और शेरों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाए।

वन रक्षक के मौके पर पहुंचने और सभी स्थितियां सामान्य पाए जाने के बाद ट्रेन को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। इसी तरह शुक्रवार को यात्री ट्रेन चला रहे लोको पायलट सुनील पंडित ने चलाला-धारी खंड में दो बच्चों के साथ एक शेरनी को रेल की पटरी पार करते देखा और आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। सूचना मिलने पर एक वन रक्षक मौके पर पहुंचा। उसने देखा कि शेर रेल पटरी से दूर चले गए हैं। जब सभी स्थितियां सामान्य पाई गईं, तो वन रक्षक ने लोको पायलट को रवाना होने के लिए कहा।

जमाने वाली ठंड

जम्मू और कश्मीर के बारामुल्ला जिले में एक ठंडी सुबह में पर्यटक द्रुंग क्षेत्र में जमे हुए झरने का दौरा करते हैं। पीटीआई

भारत की विरासत के प्रति बोलने वालों को मिलती है धमकीः योगी

● महाकुम्भ में 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था कर रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ के 45 दिन (13 जनवरी से 26 फरवरी) में 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, लेकिन तैयारी 100 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए होगी। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर मुख्य मुहूर्त में प्रयागराज में छह करोड़ श्रद्धालु स्नान करेंगे, लेकिन तैयारी 10 करोड़ की होगी। 12 किमी. के घाट तैयार किए जा रहे हैं। 10 हजार एकड़ क्षेत्रफल में कुम्भ का विस्तार किया गया है। यहां चार धाम के भी दर्शन होंगे। द्वादश ज्योतिर्लिंग व अन्य प्रमुख ज्योतिर्लिंग के भी दर्शन होंगे।

प्रयागराज कुम्भ, खोया-पाया के बारे में एआई टूल, भाषिणी ऐप के माध्यम से भारत की 11 भाषाओं को समाहित करते हुए हर व्यक्ति अपनी भाषा में जानकारी प्राप्त कर सकेगा। कुम्भ में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की काउंटिंग भी सरकार के पास होगी। जीरो लिक्विड डिस्चार्ज, 1.50 लाख शौचालय, सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री कुम्भ होगा। महाकुम्भ यूपी के आर्थिक समृद्धि के रोडमैप को आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक होगा। सीएम योगी ने कहा कि कल संसद में चर्चा संविधान पर हो रही थी और मुद्दा संभल का उठ रहा था।

इन्हीं के समय में 46 वर्ष पहले संभल में जिस मंदिर को बंद कर दिया गया, वह मंदिर फिर से सबके सामने आ गया और इनकी वास्तविकता को सबके सामने प्रस्तुत कर दिया। संभल में इतना प्राचीन मंदिर, बजरंग बली की प्राचीन मूर्ति व ज्योतिर्लिंग रातों रात तो नहीं आई। उन्होंने कहा कि 46 वर्ष पहले जिन दरिंदों ने संभल के अंदर नरसंहार किया था, उन्हें आज तक सजा क्यों नहीं मिली।

संभल में जिनकी निर्मम हत्या हुई, उन निर्दोषों का क्या कसूर था। जो भी सच बोलेगा, उसे धमकी दी जाएगी, मुंह बंद कराने का प्रयास होगा। यह लोग कुम्भ के बारे में भी दुष्प्रचार का कुत्सित प्रयास करेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि जिसने भी 2019 का कुम्भ देखा, उन्हें लगा होगा कि यहां लीक से हटकर कार्य हुआ है। पहली बार प्रयागराज में स्वच्छ-सुरक्षित व सुव्यवस्थित कुम्भ देखने को मिला।

जो कुम्भ गंदगी, भगदड़, अव्यवस्था, असुरक्षा का प्रतीक बन गया था, वही प्रयागराज कुम्भ 2019 में दिव्य-भव्य बना। सुरक्षा, सुव्यवस्था और स्वच्छता का मानक गढ़ा था। स्वच्छता इस कदर रही कि पीएम मोदी ने स्वच्छता कर्मियों का पाद प्रक्षालन भी किया। यह भारत की विरासत है कि जिसने भी कार्य किया है, उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करें। महाकुम्भ-2025 में आस्था व आधुनिकता का संगम भी दिखाई देगा।

सीएम ने इशारों में कांग्रेसियों व विपक्षी दलों पर प्रहार किया। बोले- जो लोग भारत का ठेका लेकर घूमते हैं और डिस्कवरी ऑफ इंडिया को भारत का सबसे प्राचीन ग्रंथ मानते हैं। सीएम ने कहा कि 9 नवंबर 2019को उच्चतम न्यायालय ने श्रीराम जन्मभूमि से संबंधित फैसला दिया, जिससे विवाद सर्वदा समाप्त हो गया पर वे लोग आज भी जज को धमकी देते हैं। यह वही लोग हैं, जो संविधान के नाम पर पाखंड कर रहे हैं। राज्यसभा के सभापति (उप राष्ट्रपति) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उनकी आवाज को दबाना चाहते हैं।

सभापति ने कर्तव्यों के निर्वहन की बात की और कहा कि सदन चलना चाहिए। जनता से जुड़े मुद्दे सदन में रखे जाने चाहिए। इस पर इन लोगों (विपक्षियों) ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव की नोटिस दी। निष्पक्ष चुनाव कराने के कारण चुनाव आयोग और सच कहने के कारण इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति को कटघरे में खड़ा किया गया। यह लोग उच्च सदन में महाभियोग का प्रस्ताव लेकर आ जाते हैं यानी सच बोलने और भारत की विरासत की चर्चा करने वाले हर व्यक्ति को यह लोग धौंस-धमकी दिखाएंगे।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनता तो एयरपोर्ट, रेल की डबल लाइन, कनेक्टिविटी नहीं हो पाती। आमजन खुश है, श्रद्धालु कृतज्ञता ज्ञापित करता है, लेकिन देश के संविधान का गला घोंटकर इसमें चोरी से सेक्युलर शब्द डालने वाले लोग अपने घर में शोक मना रहे हैं। उन्हें काशी, अयोध्या के आध्यात्मिकता व विकास से परेशानी है। उन लोगों ने दशकों तक शासन किया, लेकिन कुछ कर नहीं पाए। अब अपने निकम्मेपन पर हम लोगों को कोस रहे हैं। अपनी कर्मण्यता का दोष हमारी सफलता को कोसकर दे रहे हैं। हमें इनकी मानसिकता को देखना होगा।

सीएम ने कहा कि प्रयास है कि इसी बहाने प्रयागराज का कायाकल्प हो। पहली बार संगम में पक्के घाट के दर्शन होंगे। पहली बार गंगा नदी पर रिवर फ्रंट देखने को मिलेगा। संगम का जल निर्मल व अविरल भी होगा। अक्षयवट कॉरिडोर में श्रद्धालु वर्ष भर दर्शन कर सकेंगे।

सरस्वती कूप का कॉरिडोर बनकर तैयार हो गया है। बड़े हनुमान जी मंदिर, महर्षि भारद्वाज आश्रम कॉरिडोर बनकर तैयार हो गया। श्रृंगवेरपुर में भी भगवान राम व निषादराज की गले मिलते हुए 56 फीट ऊंची मूर्ति व कॉरिडोर का लोकार्पण पीएम के करकमलों से हो चुका है।

प्रयागराज के एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन का कायाकल्प हो रहा है। 216 से अधिक मार्ग हैं, जो सिंगल से डबल, डबल से फोरलेन, फोर लेन से सिक्सलेन कराए जा रहे हैं।

सदन में स्वस्थ चर्चा से होता है विकास और समाधानः सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सर्वदलीय बैठक की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की मौजूदगी में हुई बैठक में सीएम योगी ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा से प्रदेश का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान होता है।

हम सभी जनप्रतिनिधि हैं, हमें जनता के मुद्दों, उनकी समस्याओं को लेकर सदन में सुचारू रूप से चर्चा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री व विधानसभा ने सदन के कुशल संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग मांगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि सदन सार्थक चर्चा का माध्यम होता है। इससे ही प्रदेश के विकास कार्यों को रफ्तार मिलती है। साथ ही समस्याओं का समाधान होता है। सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न हो, सभी को इसका ध्यान रखना चाहिये। सदन को ज्यादा से ज्यादा समय तक संचालित किया जाए, इसके लिए सभी का सहयोग जरूरी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान देने के लिए सभी दलों के नेताओं को भी प्रयास करने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्यों को पूरा करायेगी।

इसके लिए युद्धस्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। साथ ही, प्रत्येक दिन-प्रत्येक कार्य की समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 के इस तीसरे सत्र में भी हम सभी सकारात्मक मुद्दों पर चर्चा करेंगे, यह विधान सभा के डॉक्यूमेण्ट का पार्ट बनेगा। इस सत्र में प्रदेश सरकार, अनुपूरक बजट भी लेकर आयेगी। विधान सभा का यह सत्र बहुत महत्वपूर्ण होगा।

विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधान भवन में आहूत सर्वदलीय बैठक में विधान सभा के शीतकालीन सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही सदन चलता है।

सकारात्मक वातावरण में तार्किक, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण संवाद से जनसमस्याओं का सार्थक समाधान किया जा सकता है।

संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। उत्तर प्रदेश सुशासन की ओर बढ़ रहा है। पक्ष और विपक्ष के सहयोग से ही सदन को सुचारु रूप से चलाया जा सकता है। प्रदेश सरकार संवेदनशील है। सदन के सदस्यों द्वारा कही गई बातों पर सरकार द्वारा संज्ञान लिया गया है।

बैठक में नेता प्रतिपक्ष समाजवादी पार्टी के माता प्रसाद पाण्डेय, अपना दल (सोनेलाल) के राम निवास वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल सिंह बालियान, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के बेदी, निर्बल इण्डियन शोषित हमारा आम दल के अनिल कुमार त्रिपाठी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', तथा जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के रघुराज प्रताप सिंह ने सदन की कार्यवाही के निर्बाध संचालन हेतु अपने-अपने दलों की ओर से पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मत्स्य मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद भी उपस्थित थे।

कांग्रेस मुख्यालय में मनाई गई सरदार पटेल की पुण्यतिथि

लखनऊ। भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय जी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के पश्चात देशी रियासतों का एकीकरण कर देश के निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलय कर मजबूत भारत की नींव रखी।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल के मुख्य संगठक डॉ प्रमोद कुमार पाण्डेय, सुशील तिवारी सोनू पंडित, अनिल देव त्यागी, लल्लन कुमार, रामबरन गौतम, केडी शुक्ला, जमाल खान दयानंद शुक्ला, आलेख पांडे, शिफा खान, बबीता एडवोकेट, अनिल शुक्ला, अमर सिंह राणा, कनिष्का राफेल, उमर खान बाबा, सिरी खान सहित भारी संख्या में कांग्रेसजन ने भी सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भाजपा की नीतियों के विरोध में कांग्रेस 18 को करेगी विधान भवन का घेराव

● पूर्व मंत्री अजय राय के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेसजनों के एकत्र होने का दावा

● भीम फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिया घेराव को अपना समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा के खिलाफ बुधवार 18 दिसंबर को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेसजनों द्वारा विधानभवन का घेराव किया जायेगा। भाजपा की जनविरोधी नीतियों के चलते प्रदेश की जनता के साथ-साथ राजनीतिक दलों में भी आक्रोश व्याप्त है और वह भी कांग्रेस पार्टी द्वारा किये जा रहे विधानभवन घेराव कार्यक्रम में शामिल होकर भाजपा सरकार को ललकारने की मंशा बना चुके हैं।

इसी क्रम में भीम फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शास्त्री ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह को अजय राय को सम्बोधित पत्र सौंपकर 18 दिसंबर को कांग्रेस पार्टी द्वारा किये जा रहे विधानसभा घेराव को अपना समर्थन दिया और अधिक से अधिक संख्या में लोगों को लाकर प्रदर्शन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

कांग्रेस द्वारा किये जा रहे विधानसभा घेराव में विनोद कुमार शास्त्री के साथ पार्टी के मंडल प्रभारी संजीत कुमार (नेता कांग्रेस पार्टी) गोरखपुर एवं उनकी टीम के सदस्य गंधर्व कुमार सिंह, नीरज कुमार सिंह, रणधीर सिंह अध्यक्ष पूर्वांचल छठ पूजा सेवा समिति, लखनऊ, अजय कुमार गौतम, जिलाध्यक्ष- जौनपुर, धर्मेन्द्र कुमार चौधरी मण्डल अध्यक्ष- जिला सीतापुर, कमलेश भारती जिलाध्यक्ष-संतकबीर नगर, रामू गौतम जिलाध्यक्ष-बस्ती, दया शंकर जिलाध्यक्ष- अयोध्या, शिखर खेतान जिलाध्यक्ष-अम्बेडकर नगर, अनुज कुमार जिलाध्यक्ष- आजमगढ़, रोहित कुमार जिलाध्यक्ष-मऊ, अजय कुमार जिलाध्यक्ष-बलिया, करन कुमार गौतम जिलाध्यक्ष-कुशीनगर, अंशु मिश्रा जिला अध्यक्ष-देवरिया, अनुप्रास गौतम जिला- महराजगंज, नरेन्द्र कुमार जिलाध्यक्ष-वाराणसी, अनिल गौतम जिला-प्रयागराज, जनारदन मिश्र जिलाध्यक्ष-कन्नौज, अशोक कुमार जिलाध्यक्ष-संभल, केदार यादव प्रधान जिलाध्यक्ष - हाथरस आदि मौजूद रहेंगे।

एक देश-एक चुनाव का मायावती ने किया समर्थन अन्य दलों से भी समर्थन देने का आग्रह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए रविवार को कहा कि उन्हें आरक्षण पर नहीं बोलना चाहिए। क्योंकि जब कांग्रेस नीत संप्रग सत्ता में था, तब उन्होंने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को पदोन्नति में आरक्षण देने वाले विधेयक का विरोध करने के लिए सांठगांठ की थी। इस दौरान मायावती ने एक देश-एक चुनाव का समर्थन करते हुए कहा कि इससे खर्च कम होगा और जनहित के कार्य ज्यादा नहीं रुकेंगे। उन्होंने अन्य दलों से भी इसका समर्थन करने का आग्रह किया।

मायावती ने मांग की कि एससी, एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए ताकि इससे किसी भी तरह की छेड़छाड़ को रोका जा सके। नौवीं अनुसूची में सूचीबद्ध केंद्रीय और राज्य कानून न्यायिक समीक्षा से मुक्त हैं। उन्होंने कहा कि इस बार संसद में संविधान पर हुई चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष की तरफ से, खासकर, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने देश के एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के आरक्षण को लेकर काफी कुछ हवा-हवाई बातें कहीं हैं, जिसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है।

मायावती ने कहा कि यदि इस मुद्दे पर ये दोनों पार्टियां (कांग्रेस-सपा) संसद में चुप ही रहती तो ज्यादा उचित होता, क्योंकि केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय मेंइसी पार्टी (कांग्रेस) की मिलीभगत से सपा ने एससी, एसटी वर्गों के पदोन्नति में आरक्षण से संबंधित संवैधानिक संशोधन विधेयक का काफी विरोध किया था। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को सपा ने संसद में ही फाड़ के फेंक दिया था...जो यह विधेयक अब तक संसद में लटका पड़ा है। बसपा सुप्रीमों ने सत्तारूढ़ भाजपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इससे भाजपा की भी आरक्षण विरोधी मानसिकता साफ झलकती है जो इसे पारित कराने के मूड में नहीं है।

मायावती ने कहा कि संसद में 'भारत के संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर गरमागरम चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इस चर्चा की उपयोगिता तभी संभव है, जब खुले मन से स्वीकार किया जाए कि क्या शासक वर्ग मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान की पवित्र मंशा के हिसाब से देश के करोड़ों लोगों को रोजगार व न्याय, आत्मसम्मान और स्वाभिमान का जीवन दे पाया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान विफल नहीं हुआ है, बल्कि देश पर शासन करने वाले लोगों और दलों ने अपनी संकीर्ण सोच और जातिवादी राजनीति से देश के संविधान को विफल कर दिया है। मायावती ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार द्वारा जो संकल्प लिए जा रहे हैं, उनसे अब देश की जनता को कोई विशेष लाभ होने वाला नहीं है।

उन्होंने कहा कि अगर सरकार किसी पार्टी या किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को लाभ पहुंचाने के लिए संविधान में संशोधन करती है तो हमारी पार्टी इसका कड़ा विरोध करेगी।

मायावती ने कहा कि गरीबों और मजलूमों की पार्टी होने के नाते बसपा एक देश-एक चुनाव को लेकर भाजपा सरकार द्वारा लाये जाने वाले विधेयक का स्वागत करती है।

भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल हैः अखिलेश यादव

● समस्याओं को हल करने के बजाए नफरत फैलाने एवं सौहार्द बिगाड़ने का किया जा रहा प्रयासः सपा प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश अपहरण प्रदेश बन गया है। किडनैपरों के हौसले बुलन्द हैं। हत्या, लूट अपहरण की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। साइबर क्राइम भी फलफूल रहा है। लोगों में डर और दहशत का माहौल है।

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराधी अपहरण और फिरौती का व्यापार कर रहे हैं। सरकार कानून व्यवस्था को सुधारने के बजाय खुद अपराधियों को संरक्षण दे रही है। दंगाफसाद को बढ़ावा दे रही है। सत्ता के दुरूपयोग में पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ झूठे मुकदमें दर्ज करा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले दिनों मेरठ में हास्य कलाकार सुनील पाल का अपहरण हुआ। उसके बाद अभिनेता मुश्ताक अहमद का अपहरण हुआ। अपहरणकर्ताओं ने सुनील पाल से आठ लाख रू. और मुस्ताक खान से दो लाख रुपये की वसूली की बात सामने आयी है। जब भाजपा की सरकार ही जनता के वोटों के अपहरण से बनती है तो फिर भाजपा सरकार में अपहरण उद्योग पनपेगा ही।

यादव ने कहा कि लखनऊ के बीबीडी इलाके से होम्योपैथिक डॉक्टर का अपहरण हुआ और उनसे अपहरणकर्ताओं ने लाखों रुपए की फिरौती ली हैं। डॉक्टर को कई दिनों तक बंधक बनाकर उनको डराकर वसूली की गयी। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में साइबर ठगों का जाल फैला हुआ है।

अखिलेश यादव ने कहा कि हर दिन लोग साइबर ठगी के भी शिकार हो रहे हैं। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। डिजिटल अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं को रोकने में पूरी तरह से अक्षम है, अपराधी नए-नए तरीकों से तमाम लोगों को लूट रहे हैं और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट' जैसे ठगी के तरीक़े से कोई नकली वर्दी में पुलिस बनकर बात ही नहीं करता है बल्कि वीडियो पर झूठा थाना बनाकर, दिखाकर और धमकाकर ऑनलाइन पैसे भी वसूल लेता है। भाजपा सरकार क्या इसी 'डिजिटल इंडिया' को विकसित करने की बात करती है?

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। भाजपा को आम आदमी की कोई चिंता नहीं है, ना लोगों की जान की चिंता है ना उनके गाढ़ी कमाई की चिंता है। भाजपा सरकार में सब कुछ असुरक्षित है। भाजपा सरकार लोगों की समस्याओं को हल करने के बजाय समाज में नफरत फैलाने, भाईचारा और सौहार्द को खत्म करने में लगी हुई है। अखिलेश यादव ने कहा कि अब इस नाकारा सरकार को जनता सन् 2027 के चुनावों में सत्ता से बेदखल करके राहत की सांस लेगी।

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह व दिनेश प्रताप सिंह ने महाकुंभ के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को किया आमंत्रित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के जलशक्ति, बाढ़ नियंत्रण, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मध्य प्रदेश का दौरा कर महाकुंभ 2025 के आयोजन के लिए गणमान्य लोगों और जनप्रतिनिधियों को औपचारिक आमंत्रण दिया। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और अन्य प्रमुख हस्तियों से भेंट की और प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में सम्मिलित होने का आग्रह किया।

मंत्रियों ने भोपाल में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की। इस भेंट के दौरान उन्होंने महाकुंभ 2025 का औपचारिक निमंत्रण पत्र सौंपा। मंत्रियों ने बताया कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्यपाल से आग्रह किया कि वे स्वयं इस महायोजना का हिस्सा बनें और राज्य के लोगों को भी कुंभ में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

स्वतंत्र देव सिंह और दिनेश प्रताप सिंह ने मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से भेंट कर महाकुंभ 2025 में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि उनके माध्यम से मध्य प्रदेश के सभी विधायकों को इस भव्य आयोजन में आमंत्रित किया जाए। मंत्रियों ने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता का अद्भुत प्रतीक भी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से प्रयागराज महाकुंभ 2025 में शामिल होने के लिए मध्य प्रदेश के संगठन महामंत्री हितानंद जी को औपचारिक निमंत्रण दिया गया। मंत्रियों ने बताया कि संगठन महामंत्री का कुंभ में शामिल होना आयोजन की भव्यता और गरिमा को बढ़ाएगा। उत्तर प्रदेश के मंत्रियों ने भारत सरकार के केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से विशेष भेंट की। इस अवसर पर उन्हें महाकुंभ 2025 का औपचारिक आमंत्रण दिया गया। मंत्रियों ने कुंभ की तैयारियों और प्रयागराज में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि यह आयोजन देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करेगा। मध्य प्रदेश दौरे के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में स्वतंत्र देव सिंह और दिनेश प्रताप सिंह ने महाकुंभ 2025 की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में आधारभूत संरचना, स्वच्छता, सुरक्षा और श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसके अलावा, पूरे आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है।

मंत्रियों ने कहा कि महाकुंभ 2025 के आयोजन में देश-विदेश के धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के दिग्गजों को आमंत्रित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के लोगों से विशेष अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे तीर्थराज प्रयाग में आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें और भारतीय संस्कृति की इस अद्वितीय विरासत को साझा करें।

सीएम डैशबोर्ड की नवंबर माह की रिपोर्ट में महराजगंज नंबर वन पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश के विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने एवं राजस्व के मामलों के निपटारे को लेकर हमेशा गंभीर रहती है। यही वजह है कि प्रदेश में विकास कार्यों के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट गुणवत्ता के साथ ससमय पूरे हो रहे हैं। इसके अलावा राजस्व के मामलों को भी तेजी से निस्तारित किया जा रहा है। इसकी मॉनीटरिंग सीएम डैशबोर्ड द्वारा की जाती है। सीएम डैशबोर्ड की नवंबर माह की रिपोर्ट में महराजगंज ने विकास कार्यों और राजस्व के मामलों के निपटारे में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि बहराइच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया है।

महराजगंज जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जिले में विकास कार्यों को तेज रफ्तार से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इसके साथ सीएम योगी के निर्देश पर प्राथमिकता के आधार पर राजस्व के मामलों का खास कर 5 साल पुराने मामलों का तेजी से निस्तारण किया जा रहा है। यही वजह है कि महराजगंज ने योगी सरकार के विकास कार्यों और राजस्व के मामलों के निस्तारण में नवंबर माह में पूरे प्रदेश में 89.20 प्रतिशत अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया है।

डीएम ने बताया कि पिछले पांच माह से महराजगंज सीएम डैशबोर्ड की रिपोर्ट में टॉप फाइव जिलों में अपना स्थान बनाए हुए है। बहराइच जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि बहराइच ने 89.10 प्रतिशत अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि बहराइच लगातार प्रशासनिक सुधारों और योगी सरकार की योजनाओं को ज़मीन पर उतारने के लिए तेजी से काम कर रहा है। राजस्व मामलों का त्वरित निस्तारण, किसानों और छोटे व्यापारियों को सहूलियत देने के प्रयासों ने बहराइच को यह स्थान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

इसी तरह हमीरपुर ने 88.80 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा, अम्बेडकर नगर ने 88.30 प्रतिशत अंक और बुलंदशहर ने 88.30 प्रतिशत अंक हासिल कर क्रमशः चौथे और पांचवे स्थान पर अपनी जगह बनाई है। वहीं कुशीनगर ने 88.20 प्रतिशत अंक हासिल कर छठा, संभल ने 88 प्रतिशत अंक हासिल कर सातवां, शामली ने 87.80 प्रतिशत अंक हासिल कर आठवां, बस्ती ने 87.70 प्रतिशत अंक हासिल कर नौवा और बांदा ने 87.10 प्रतिशत अंक हासिल कर दसवां स्थान प्राप्त किया है।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के विकास कार्यों, सरकार की योजनाओं का लाभ लाभार्थी तक पहुंचाने एवं राजस्व के मामलों के निस्तारण की मॉनीटरिंग करने के लिए सीएम डैशबोर्ड की स्थापना की थी।

राष्ट्र को समर्पित था सरदार वल्लभ भाई पटेल का सारा जीवनः योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल वर्तमान भारत के शिल्पी थे। उनका पूरा जीवन राष्ट्र व भारत मां के चरणों में समर्पित था। 1946 में देश के संविधान सभा का गठन हुआ। उसके प्रमुख सदस्य और स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री के रूप में सरदार पटेल ने न केवल देश के एकीकरण के वर्तमान अभियान को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं, बल्कि 563 से अधिक रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया।

आज जो भारत देख रहे हैं, यह सरदार पटेल की सूझबूझ का परिणाम है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत, सुरक्षित भारत की पृष्ठभूमि में सरदार पटेल की सोच, प्रयास व परिश्रम है। मुख्यमंत्री ने रविवार को भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शिरकत की। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सीएम योगी ने कहा कि सरदार पटेल ने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तत्कालीन नेतृत्व के साथ बढ़-चढ़कर भाग लिया। गुजरात के आणंद के पास छोटे गांव में सामान्य किसान परिवार में उनका जन्म हुआ। प्रारंभिक शिक्षा भी मां के सानिध्य में घर पर संपन्न हुई। इंग्लैंड से लॉ की शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे भारत आए। सरदार पटेल का देहावसान 15 दिसंबर 1950 को हो गया। उनके नेतृत्व में भारत नई ऊंचाइयों को छूता। उनकी संकल्पनाओं को मूर्त रूप देने के लिए जो अभियान चल रहा है, वह एक भारत-श्रेष्ठ भारत की पीएम मोदी की परिकल्पना को साकार करेगा।

सीएम योगी ने कहा कि सरदार पटेल ने चंपारण आंदोलन, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन समेत आजादी से जुड़े सभी महत्वपूर्ण आंदोलनों में भाग लिया। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें जेल की यातना भी झेलनी पड़ी थी। सरदार पटेल ने अन्नदाता किसानों की समृद्धि व उत्थान के लिए जनजागरण के अनेक अभियान भी चलाए। गुजरात में सहकारिता के मजबूत आंदोलन की पृष्ठभूमि में भी सरदार पटेल का विजन है। उन्होंने हर अन्नदाता किसान को समृद्धि की नई ऊंचाई तक पहुंचाया।

सीएम योगी ने कहाकि एक तरफ भारत मां के इस महान सपूत ने देश के एकीकरण के लिए अभियान को आगे बढ़ाया तो दूसरी तरफ गुलामी के कालखंड में जिन मानबिंदुओं का अपमान हुआ था, उनकी पुनर्स्थापना का भी कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न कराया। सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार को हाथों में लेकर सांस्कृतिक भारत की स्थापना का जो अभियान चलाया था, उसी का परिणाम है कि सरदार पटेल के प्रति श्रद्धा व कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि सरदार पटेल होते तो कश्मीर में धारा-370 कभी लागू नहीं हो पाती। छद्म रूप से जिन लोगों ने धारा-370 को डालकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के मार्ग में बैरियर खड़ा किया, उसे पीएम मोदी ने 5 अगस्त 2019 को हटाकर आतंकवाद की नींव को समाप्त कर दिया।

अयोध्या में राम मंदिर भी नए सांस्कृतिक भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिसका शुभारंभ 1948 में लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर से किया था। इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक शशांक वर्मा, अमरेश कुमार, आशीष सिंह आशु, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, इंजी. अवनीश कुमार सिंह, रामचंद्र प्रधान, उमेश द्विवेदी, आयोजन समिति की अध्यक्ष राजेश्वरी देवी वर्मा, डीएम कटियार, दिनेश सचान, डॉ. इंद्रेश्वर वर्मा आदि मौजूद रहे।

उच्च न्यायालय ने दिया विजिलेंस के निदेशक को एलडीए अधिकारियों की जांच का आदेश

● लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रॉपर्टी रजिस्टर में हेराफेरी का मामला

विधि संवाददाता। लखनऊ

प्रॉपर्टी फ्रॉड के एक मामले में कथित तौर पर शामिल एलडीए के अधिकारियों की जांच करने का आदेश हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने विजिलेंस (स्थापना) के निदेशक को दिया है। पीठ ने अपने इस आदेश की प्रति विजिलेंस के निदेशक के साथ ही अपर मुख्य सचिव, नगर विकास को भी भेजने का आदेश दिया है।

जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश इस मामले के एक अभियुक्त रंजीत यादव की जमानत याचिका को मंजूर करते हुए दिया है। उसकी इस याचिका पर वकील प्रांशु अग्रवाल ने बहस की। उनका कहना था कि 14 दिसंबर 2021 को प्रकाश चंद्र उत्प्रेति ने थाना गोमती नगर विस्तार में इस मामले की एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप है कि एलडीए का एक प्लाट दिखाकर नामजद अभियुक्तों ने उसका बैनामा कराने की बात कही। उत्प्रेति ने जब दस्तावेजों के पड़ताल की इच्छा जाहिर की तो अभियुक्तों ने एलडीए के बाबू मुसाफिर सिंह से उसकी मुलाकात कराई।

मुसाफिर सिंह ने सम्बंधित भूखंड का आवंटन पत्र, कब्जा पत्र तथा एलडीए द्वारा निष्पादित बैनामे की प्रति दिखाई। जिसके पश्चात अभियुक्त संतोष कुमार यादव ने 70 लाख रुपए में उसके पक्ष में बैनामा निष्पादित कर दिया। बाद में जब वह उक्त प्लॉट पर गया तो पता चला कि वह विवादित है और एलडीए ने किसी को भी उक्त प्लॉट आवंटित नहीं किया है।

एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान एलडीए का प्रॉपर्टी रजिस्टर तलब किया। पता चला कि इस रजिस्टर में एलडीए द्वारा पुष्पा श्रीवास्तव के पक्ष में बैनामा किए जाने का उल्लेख है। जिस पर एलडीए के तमाम अधिकारियों के हस्ताक्षर भी हैं। लेकिन निबंधक के कार्यालय में जांच करने पर पाया गया कि ऐसा कोई बैनामा कभी हुआ ही नहीं।

कहना था कि एलडीए उन अधिकारियों जिनकी 70 लाख रुपए की कथित धोखाधड़ी में मुख्य भूमिका है, उन्हें बचाकर जांच अधिकारी ने रंजीत को फंसा दिया। जबकि उस पर सिर्फ धमकी देने का आरोप है। पीठ ने सभी तथ्यों पर गौर करने के पश्चात रंजीत यादव को जमानत दे दी। साथ ही विजिलेंस को इस मामले की विस्तृत जांच का आदेश भी दिया।

गोष्ठी का आयोजन आज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग द्वारा सोमवार 16 दिसंबर को अपराह्न 1 बजे गो सेवा आयोग सभागार, आँठवा तल, इंदिरा भवन , हजरतगंज में गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी गुप्त जी की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का विषय 'गो आधारित उत्पादों का ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान रू अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर मुख्य अतिथि डॉ' कमल टावरी एवं निरंजन गुरु (कुलपति, पंचगव्य विद्यापीठम विविद्यालय, चेन्नई) अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। हमारे समाज को गोवंशों की महत्ता एवं गो उत्पादों का हमारे दैनिक जीवन में उपयोग कितना प्रासंगिक हो गया है, इसे आज के परिवेश में समझने की आवश्यकता है। अतः जनमानस को गोवंश आधारित उत्पादों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इसके योगदान की संकल्पना को साकार करने तथा अवसर एवं चुनौतियों पर चर्चा करने हेतु इस संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा हैं।

भाजपा लखनऊ महानगर में 25 मण्डलों पर नामांकन की प्रक्रिया सम्पन्न हुई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा लखनऊ महानगर के सभी 25 मंडलों पर एक साथ मंडल अध्यक्ष नामांकन प्रकिया सम्पन्न हुई जिसमें सभी मंडलों मैं सुनिश्चित स्थान पर मंडल अध्यक्ष पद के लिए 278 नामांकन पत्र दाखिल हुए । जमा हुए नामांकन फार्म और प्रपत्र की जांच मंडल चुनाव अधिकारियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा करके लिस्ट शीर्ष नेतृत्व को भेजी जाएगी।

चुनाव अधिकारी नवीन जैन और भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने विभिन्न मंडलों पर जाकर मंडल नामांकन स्थल पर नामांकन प्रक्रिया का निरक्षण किया । उन्होंने ने बताया कि सभी मंडलों पर चुनाव अधिकारियों की उपस्थिति में नामांकन सम्पन्न कराया गया। सबसे ज्यादा 20 नामांकन फार्म पश्चिम मण्डल चार, पूर्व पांच से 18 नामांकन फार्म, पश्चिम दो से 17 नामांकन फार्म तथा उत्तर तीन, चार, पांच, सरोजनी नगर दक्षिण एक, मध्य तीन से छः नामांकन प्राप्त हुए।सभी मंडलों से आए 278 फार्मों की गहनता से जांच की जाएगी।

भाजपा लखनऊ महानगर कार्यालय पर चुनाव अधिकारी राज्यसभा सांसद नवीन जैन, लखनऊ प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, उत्तर विधानसभा विधायक डॉ नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र राय, मध्य उपविजेता रजनीश गुप्ता, पश्चिम उपविजेता अंजनी श्रीवास्तव, मान सिंह, राम अवतार कनौजिया, राकेश सिंह ने मण्डल अध्यक्ष नामांकन की प्रक्रिया के बाद समीक्षा बैठक की।

सरोजनीनगर में सड़क खोदने से नाराज लोगों ने मेयर से लगाई गुहार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरोजनीनगर द्वितीय में जल निगम द्वारा सड़क की खुदाई से खासे परेशान है। तीन माह पूर्व जल निगम द्वारा पाइपलाइन पानी की डालने के लिए खोदा गया, लेकिन सड़क दोबारा नहीं बनाई गयी। वहीं लाखों रुपये की सड़क खोदने का क्षेत्रीय पार्षद द्वारा विरोध कर महापौर और नगर आयुक्त से बनवाने की गुहार लगायी गयी है।

रविवार को वार्ड सरोजनी नगर सेकेंड में जल निगम द्वारा पानी पाइप लाइन दि माडल स्कूल के पास सड़क को खोदकर डाली जा रही है। लाखों रुपए की बनी सड़क को बर्बाद कर दिया। पूरी सड़क तीन महीने से ऐसे ही खुदी हुई पड़ी हुई है। सरोजनीनगर वार्ड के पार्षद राम नरेश रावत ने बताया कि विभाग का कोई कर्मी बनाने नहीं आया है। जनता परेशान है नालिया सब तोड़ दी गई है। ठेकेदार अपनी मनमानी कर रहा है जब हम लोग कहते है तो कहते है सब की सेंट्रल सरकार का कार्य है हम अपनी मर्जी से कार्य करेंगे।

हम पाइप लाइन डालेंगे सड़क नहीं बनाएंगे जनता बहुत दुखी है परेशान है अस्पताल स्कूल लोग नहीं जा पा रहे है। पार्षद ने महापौर और नगर आयुक्त से निवेदन है कि इस सड़क को बनवाने का कष्ट करें।

कूड़ा उठाने वाली क्रेन गिरने से युवक की दर्दनाक मौत

लखनऊ। कृष्णानगर क्षेत्र में कूड़ा उठाने के दौरान नगर निगम की क्रेन से गिरने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। युवक की पहचान असम के निवासी के रूप में हुई है, जो हाल ही में लखनऊ में कूड़ा उठाने का काम कर रहा था।

रविवार को नगर निगम में कार्यरत कर्मी के मृत्यु की घटना कृष्णानगर क्षेत्र के कूड़ा घर की है, जहां नगर निगम की क्रेन कूड़ा उठाते समय अचानक पलट गई, जिससे युवक क्रेन के नीचे दब गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक को मरणासन हालत में लोक बंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक युवक के परिवार में उसकी पत्नी और दो बच्चे हैं, जिनकी स्थिति बेहद खराब है। मृतक युवक को अपने परिवार का अकेला सहारा बताया जा रहा है। इस घटना ने न केवल परिवार को गहरा सदमा पहुँचाया है, बल्कि इलाके के लोगों के बीच भी इस हादसे को लेकर चिंता और गुस्सा उत्पन्न किया है।

मौके पर नगर निगम के अधिकारी पहुंचे, लेकिन घटना के बाद मुआवज़ा की घोषणा नहीं की गई। अधिकारियों ने इस मामले को जल्दी निपटाने के प्रयास किए, लेकिन मृतक के परिवार और स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग की है।

कृष्णानगर थाना क्षेत्र में हुई इस दुखद घटना के बाद स्थानीय लोग नगर निगम से कड़ी कार्रवाई और उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके और दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय सुनिश्चित किए जा सकें।

गो आधारित प्राकृतिक खेती में निहित है सभी समस्याओं का समाधानः श्याम बिहारी गुप्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग और मॉडल बायोगैस समूह के संयुक्त तत्वाधान में गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय 'एक किसान एक गाय अभियान' और 'गो आधारित प्राकृतिक खेती- प्राकृतिक खेती आधारित कुटीर उद्योग' था।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. कमल टावरी, निरंजन गुरु (कुलपति, पंचगव्य विद्यापीठम विश्वविद्यालय, चेन्नई), और पी. एस. ओझा (पूर्व सलाहकार, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश, एवं पूर्व मेम्बर, उत्तर प्रदेश बायोएनर्जी डेवलपमेंट बोर्ड) ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि अगर हर किसान एक गाय को गोद ले लें तो उत्तर प्रदेश में गोवंशों की समस्या का समाधान हो जाएगा। गोवंश आधारित प्राकृतिक खेती न केवल मिट्टी के बायो मास को बढ़ा कर कृषि भूमि को सुधारने में मदद करेगी बल्कि यह साथ ही साथ ग्रामीण क्षेत्रों में गोपालन से जुड़े अन्य कुटीर उद्योगों को भी बढ़ावा भी देगी।

गोवंश आधारित प्राकृतिक खेती न केवल कृषि क्षेत्र में सुधार लायेगी बल्कि यह हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योग को भी प्रोत्साहित कर किसान एवं गोपालकों की जीविकोपार्जन का नया अध्याय भी जोड़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि प्राकृतिक खेती द्वारा हम अपने समाज को रसायन मुक्त भोजन भी उपलब्ध करवा सकेंगे जिससे न केवल किसानों का कल्याण होगा, अपितु समग्र समाज को स्वस्थ और सुरक्षित आहार मिलेगा।

डॉ. कमल टावरी ने गोशालाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि गोशालाओं को तब तक आत्मनिर्भर नहीं बनाया जा सकता जब तक गोवंश से उन्हें आर्थिक लाभ नहीं प्राप्त होगा। गोशालाओं को अनुदान पर आश्रित रखने के बजाय हमें उन्हें एक ठोस बिजनेस मॉडल के तहत चलाने की दिशा में काम करना होगा।

उन्होंने सुझाव दिया कि हमें गोशालाओं को एक स्वावलंबी इकाई के रूप में विकसित करना होगा, जिससे वे गोवंश से प्राप्त उत्पादों जैसे दूध, गोबर, गोमूत्र एवं अन्य पंचगव्य उत्पादों से भी आर्थिक लाभ कमा सकें। डॉ. टावरी ने कहा कि जब तक गोशालाओं में आर्थिक स्वावलंबन नहीं होगा, तब तक वे अनुदान पर निर्भर रहेंगी। इस समस्या को हल करने के लिए हमें एक उपयुक्त बिजनेस मॉडल जल्द से जल्द प्रदेश में लागू करना होगा, जो गोशालाओं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बना सके।

गो सेवा आयोग अध्यक्ष ने कान्हा गौशाला का किया निरीक्षण

लखनऊ। रविवार गौ सेवा आयोग अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, रिटायर्ड आईएएस डॉ कमल टावरी, पंचगव्य पीठ कांचीपुरम आचार्य निरंजन वर्मा, गो सेवा आयोग के सचिव डॉ प्रतीक सचान और भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने नगर निगम के सचालित नादरगंज अमौसी स्थिति कान्हा उपवन गौशाला का औचक निरीक्षण किया। गौशाला में गौपूजन किया और बाड़ों में जाकर गायों को गुड़ भी खिलाया गया।

अध्यक्ष ने सभी बाड़ों का निरीक्षण किया, जहां पर भूसे और चोकर सभी नांदों में मिला और सभी बाड़ों में स्वच्छ शीतल जल की उपलब्धता मिली और सम्पूर्ण परिसर की सफाई व्यवस्था उच्च कोटि की मिली, ठण्ड में अलावा की व्यवस्था देखकर उनके ने नगर निगम के निराश्रित गोवंश के लिए किये जा रहे प्रयास की भूरि भूरि प्रशंसा की, सभी गोवंशो का स्वास्थ्य अच्छा पाया और देखा कि कुछ बाड़ों में पर्दों की भी व्यवस्था की जा रही है। उनके द्वारा गौशाला में कुछ स्थानो पर शेड के विस्तार के लिए निर्देश दिए। यही नहीं गौशाला से दूध और गोबर की बिक्री की जानकारी ली। निरंजन वर्मा आचार्य पंचगव्य पीठ कांचीपुरम ने गायों में पॉलीथिन निकालने की शल्य क्रिया रूमनोटॉमी की भी जानकारी ली और गायों का जीवन बचाने के प्रयासों की सराहना की।

श्याम बिहारी ने गायों कों आत्मसात करने के लिए प्रेरित भी किया और किसानों कों जोड़ते हुए गोबर की खाद के बदले हरा चारा लेने की बात कही गयी। गौमूत्र कों एकत्रित कर उसकी मार्केटिंग और गो आधारित तकनीक का प्रयोग करने के साथ पंचगव्यओं के निर्माण के निर्देश देने के साथ साथ किसानों कों कान्हा उपवन से जोड़ने, कान्हा उपवन कों एक उच्च कोटि का गौ पर्यटन स्थल बनाने, पर जोर दिया।

ट्राफी व प्रशस्ति पत्र देकर खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

● विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का पूरा हो रहा सरोजनीनगर को स्पोर्ट्स हब बनाने का संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

खेल कूद में प्रतिभाग करने से युवाओं को शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक विकास, सामाजिक कौशल, अनुशासन और टीमवर्क जैसी कई महत्वपूर्ण फायदें मिलते हैं, जो उनके समग्र विकास में काफी मदद करते हैं। इसी विचारधारा साथ ही युवाओं को खेल संसाधन, अवसर और सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से सरोजनीनगर में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। जिसके 6ठवें चरण में आयोजित क्रिकेट चैंपियनशिप में इंटर स्कूल और इंटर क्लब की 200 से अधिक टीम के खिलाड़ी हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल को और बेहतर बना रहे हैं।

रविवार को खेले गए इंटर स्कूल और इंटर क्लब क्रिकेट चैंपियनशिप के 4 लीग मुकाबले में खिलाडियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, दिन का पहला मुकाबला निलमथा वैरिसय और गौरी क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया, जिसमें निलमथा वैरिसय ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 49 रनों से शानदार जीत दर्ज की। दुसरा मैच डीएसडी टीम और कल्ली पश्चिम यूथ क्लब के बीच रहा, जिसमें कल्ली पश्चिम यूथ क्लब 43 रनों से मुकाबला अपने नाम किया। क्रिकेट चैंपियनशिप का तीसरा मैच सैनिक सुपर किंग और विरिन्दावन किंग क्लबस के बीच खेला गया, जिसमें सैनिक सुपर किंग ने जबरदस्त खेल प्रदर्शन करते हुए 78 रनों से मुकाबला जीता। वहीं दिन का आखिरी और चौथा मैच सैनिक और टीम अंडर के बीच रहा, इस रोमांचक मुकाबले में सैनिक ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। बता दें चारों मैच के दौरान खिलाडियों के साथ दर्शक दीर्घा में मौजूद लोगों में भी खाशा उत्साह रहा। मैच के अंत में सभी विजेता-उपविजेता टीम को विधायक डॉ राजेश्वर सिंह की ओर से ट्राफी और सभी खिलाडियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागी बच्चों ने विधायक डॉ राजेश्वर सिंह के इस अभिनव पहल की सराहना की और उन्हें खेल का यह अवसर प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

डॉ. राजेश्वर सिंह का कहना है कि देश में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें प्रोत्साहन, संसाधन व मंच दिलाने की, जिसके लिए यह लीग अनवरत संचालित रहेगी, डॉ सिंह ने ऊर्जा, उत्साह और खेल भावना से भरपूर खिलाड़ियों तारीफ़ की साथ ही सभी खिलाडियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खेल की असली भावना जीत में नहीं, बल्कि टीम वर्क, समर्पण और सहयोग में है, उन्होंने विजेता टीमों को अग्रिम मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी संपत्तिः प्रो. आलोक कुमार राय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग ने रविवार को अपने 15वें वार्षिक पूर्व छात्र सम्मेलन लुग्डा 2024 का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन विभाग और इसके पूर्व छात्रों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने, सीखने और स्मृतियों को ताजा करने का अवसर बना। कार्यक्रम में विभाग के पूर्व छात्र, शिक्षाविद, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शिक्षा में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए पूर्व छात्रों और उद्योग के अनुभवों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में विशिष्ट प्रोफेसर (प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस) के पद पर उद्योग जगत के अनुभवी व्यक्तियों को नियुक्त करने पर ज़ोर दिया, ताकि पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों की व्यावसायिक विशेषज्ञता का लाभ विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को मिल सके। अपने संबोधन में प्रो. राय ने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उनकी विशेषज्ञता और अनुभव शैक्षणिक गुणवत्ता को सुधारने और विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। विभागों को पाठ्यक्रम निर्माण, अतिथि व्याख्यान और परियोजनाओं में पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान भूविज्ञान विभाग ने प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक और पूर्व छात्र प्रो. अशोक साहनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रो. साहनी, जिन्हें नेशनल जियोसाइंस अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है, ने भूविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं इस वर्ष डॉ. धीरेज पांडे और डॉ. संजय गोपाल भारथरिया को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए गौरवशाली पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

किसान मसीहा के जन्म दिन पर बड़ी संख्या में अनुयायी रालोद से जुड़ेंगे

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने रालोद पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से भारत रत्न स्व चौधरी चरण सिंह के विचारों और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने का आहवान करते हुए कहा कि चौधरी साहब के जन्मदिवस 23 दिसम्बर तक उनके अनुयायियों को रालोद से जोड़ने का अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान में बड़ी संख्या में चौधरी साहब के अनुयाई रालोद से जुड़ेंगे। दुबे आज लखनऊ उत्तर विधानसभा के फैजुल्लागंज में रालोद के सदस्यता ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे । इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सत्य प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में सैकड़ों साथियों अधिवक्ताओं महिलाओं को रालोद की सदस्यता ग्रहण कराई। उन्होंने देश में आंदोलन कर रहे किसानों की मांगो को जायज ठहराते हुए कहा है कि सरकार किसानो से बातचीत करके उनकी मांगो का समाधान निकाले।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 16 दिसंबर, 2024

भाजपा का एक नारा केजरीवाल हटाओ : आप प्रमुख

बोले, दिल्ली की जनता काम करने वालों को वोट देंगे, ना कि गाली देने वालों को

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2025 के लिए अपने सभी 70 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस तरह आप पहली पार्टी बन गई है जिसने दिल्ली सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

वहीं कांग्रेस अपने 21 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा की पहली लिस्ट का अभी इंतजार है।

इस पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भगवा पार्टी पर निशाना साधते हुए हुए कहा कि आज आम आदमी पार्टी ने सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। पार्टी पूरे आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा गायब है। उनके पास ना मुख्यमंत्री का चेहरा है, ना टीम है, ना प्लानिंग है और ना राष्ट्रीय राजधानी के लिए कोई विजन है। उनका केवल एक ही नारा है, केवल एक ही नीति है और केवल एक ही मिशन है, केजरीवाल हटाओ। उनसे पूछो 5 साल क्या किया, तो वो जवाब देते हैं, केजरीवाल को खूब गाली दी।

केजरीवाल ने रविवार को आप की 38 प्रत्याशियों की चौथी सूची जारी होने के बाद सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आम आदमी पार्टी के बाद पास दिल्ली वालों वालों के विकास के लिए विजन है, प्लान है और उसे लागू करने के लिए पढ़े लिखे लोगों की एक अच्छी टीम है। पिछले दस सालों में किए कामों की लंबी सूची है। दिल्ली वाले काम करने वालों को वोट देंगे, ना कि गाली देने वालों को।

इस बीच मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि कालकाजी से आम आदमी पार्टी का विधानसभा प्रत्याशी बनाकर उन पर एक बार फिर विश्वास दिखाने के लिए पार्टी के नेतृत्व और अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद। यह मेरे लिए गर्व की बात है और वह यह जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगी।

अरविंद का दावा हास्यास्पद : सचदेवा

- कहा, केजरीवाल का भ्रष्ट विजन एवं टीम वर्क है, इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है शीशमहल एवं शराब घोटाले जैसे भ्रष्टाचार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की चौथी लिस्ट जारी होने पर प्रदेश भाजपा अध्यच वीरेंद्र सचदेवा ने निशाना साधा है। उन्होंने कह कि केजरीवाल ने चौथी लिस्ट में अपने गैंगेस्टर, आराजक, भ्रष्ट, महिला उत्पीड़क, चुनाव टिकट विक्रेता, फर्जी डिग्री धारक, जल माफिया ही नही कुरान विरोधी नवरत्नों को टिकट देकर दिखा दिया की वह राजनीति में परिवर्तन के नहीं भ्रष्टाचार एवं कुशासन के प्रतिक हैं। केजरीवाल कल भी दुशासन कुशासन का चेहरा थे और कल भी रहेंगे। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए अरविंद केजरीवाल ने जब पहले 32 प्रत्याशी घोषित किए तो ऐसा लगा की वह बहुत सोच कर आगे बढ़ रहे हैं और अपनी सरकार की सत्ता विरोधी लहर का टिकरा विधायकों पर डाल रहे हैं पर आज जो उनकी चौथी लिस्ट सामने आई है उसने साफ कर दिया है की पहली तीन लिस्ट में वह ही विधायक आऊट हुए जो पार्टी से सौदेबाजी नहीं कर पाये। इस संदर्भ में केजरीवाल की जनकपुरी विधायक राजेश ऋषि का वाइरल विडिओ साफ करता है की केजरीवाल के चुनाव सर्वे अंत में पैसे के हाथों बिक जाते हैं। रविवार को आप की सूची में आप संयोजक ने गैंगस्टर नरेश बालयान, आराजक संजीव झा, भ्रष्ट अमानतुल्लाह खान, महिला उत्पीड़क सोमनाथ भारती, चुनाव टिकट विक्रेता अखिलेश त्रिपाठी, जल माफिया दिनेश मोहनिया के साथ मुसलामानों की कुरान की बेदबी के दोषी नरेश यादव को पुरस्कृत किया। सचदेवा ने कहा कि यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह केजरीवाल का भ्रष्ट विजन एवं टीम वर्क है की दिल्ली जल एवं वायु प्रदूषण, सड़कों, सीवर की बदहाली, चरमराई परिवहन व्यवस्था, स्वास्थ एवं शिक्षा व्यवस्था का मॉडल बन गई है और इस टीम वर्क की सबसे बड़ी उपलब्धि है शीशमहल एवं शराब घोटाले जैसे भ्रष्टाचार। विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और उसके मुखिया अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता राजनीतिक सबक सिखाने का मन बना चुकी है।

रमेश पहलवान और पार्षद पत्नी कुसुम लता आप में हुई शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता रमेश पहलवान अपनी पत्नी और दो बार की पार्षद कुसुम लता के साथ रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। रमेश पहलवान कस्तूरबा नगर सीट से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं जहां से मदन लाल तीन बार के विधायक हैं।

कुसुम लता दक्षिण दिल्ली के कोटला मुबारकपुर वार्ड से दो बार की दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की पार्षद हैं। दोनों नेताओं का पार्टी में स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे कुसुम लता जी के फिर से शामिल होने पर खुशी है। रमेश जी 2013 में पार्टी में शामिल हुए थे।

आज सात साल बाद वे घर लौट रहे हैं। रमेश जी और कुसुम लता जी दिन में 24 घंटे लोगों के सुख-दुख में उनके साथ रहते हैं। उन्होंने कुश्ती में भी अच्छा काम किया है। मैं उनका फिर से स्वागत करता हूं। रमेश पहलवान ने कहा, मैं आज घर लौट रहा हूं। पूरी दुनिया दिल्ली को केजरीवाल की नजर से देखती है। चाहे विदेश जाने वाले बच्चों की बात हो या फिर किसी बच्चे के विश्व मंच पर फ्रेंच बोलने की बात हो, यह सब केजरीवाल की वजह से है। मेरे पिता एक सरकारी कर्मचारी थे।

दिल्ली आगे बढ़ेगी। कुसुम लता ने कहा, मैं दो बार नगर निगम पार्षद हूं। मैंने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। मैं केजरीवाल की विचारधारा से प्रभावित होकर आप में शामिल हो रही हूं।

मदन लाल और कुसुम को पार्टी में शामिल करते केजरीवाल। फोटोः रंजन डिमरी

आप के इन विधायकों के कटे टिकट

कस्तूरबा नगर सीट से पार्टी ने मौजूदा विधायक मदन लाल का टिकट काट दिया है। आम आदमी पार्टी ने उनकी जगह रमेश पहलवान को टिकट दिया है। नरेला सीट से आम आदमी पार्टी के मौजूदा विधायक शरद कुमार का टिकट कट चुका है। पार्टी ने उनकी जगह दिनेश भारद्वाज को प्रत्याशी बनाया है। तिमारपुर सीट के विधायक दिलीप पांडेय को भी इस बार मौका नहीं दिया गया है। आदर्शनगर से विधायक पवन शर्मा पर भी पार्टी ने भरोसा नहीं जताया। पवन के स्थान पर इस बार वरिष्ठ पार्षद मुकेश गोयल को मौका दिया है। मुंडका से धर्मपाल लाकड़ा की भी छुट्टी कर दी गई है। लाकड़ा की जगह इस बार जसबीर कराला को उतारा है। मादीपुर सीट से इस बार गिरीश सोनी की जगह पार्टी की वरिष्ठ नेता राखी बिड़लान की सीट बदलकर उन्हें मादीपुर से उम्मीदवार बनाया। जनकपुरी से राजेश ऋषि का भी टिकट कट गया है। इस बार उनकी जगह प्रवीण कुमार को टिकट दिया गया है। बिजवासन से 2020 में भूपिंदर सिंह जून ने आप को जीत दिलाई थी। लेकिन इस बार उनकी जगह सुरेंदर भारद्वाज पर भरोसा जताया है। पालम से आम आदमी पार्टी की विधायक भावना गौड़ की विधायकी भी छिन गई है। इस बार उनकी जगह जोगिंदर सिंह सोलंकी को मौका दिया गया। जंगपुरा से प्रवीण कुमार को हटाकर मनीष सिसोदिया को टिकट दिया गया है। मनीष सिसोदिया तीन बार पटपड़गंज सीट से विधायक चुने गए। देवली से दो बार जीत चुके प्रकाश जारवाल की जगह इस बार प्रेम कुमार चौहान, त्रिलोकपुरी सीट से मौजूदा विधायक रोहित कुमार की जगह अंजना परचा, शाहदरा से विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल भी इस बार आप के उम्मीदवार नहीं है। इस बार गोयल की जगह पदमश्री जितेंद्र सिंह शंटी को उम्मीदवार बनाया गया है। मुस्तफाबाद से हाजी यूनुस की जगह इस बार आदिल अहमद खान को टिकट दिया गया है। सीलमपुर से अब्दुल रहमान की जगह चौधरी जुबैर अहमद को टिकट दिया गया है। अब्दुल रहमान ने टिकट कटने से नाराज होकर पार्टी छोड़ दी। अब वह कांग्रेस के उम्मीदवार बन चुके हैं। मटियाला से गुलाब सिंह की जगह कांग्रेस से आए पूर्व विधायक सुमेश शौकीन पर दांव लगाया है।

केंद्र ने रोहिंग्या को दिल्ली में बसायाः सीएम

- मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र, बोली हजारों किमी दूर राजधानी कैसे पहुंचे घुसपैठियें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को रविवार को पत्र लिखकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर शहर के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में अवैध रोहिंग्या को बसाने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी (आप) ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर उनके ट्वीट को लेकर निशाना साधते हुए दावा किया है कि इन शरणार्थियों को यहां बसाना भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का एक सोचा-समझा फैसला है।

फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले सत्तारूढ़ आप और भाजपा राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी लोगों के मुद्दे पर एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। भाजपा निर्वाचन आयोग से पहले ही शिकायत कर चुकी है कि आप के इशारे पर दिल्ली में अवैध रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को मतदाता के रूप में पंजीकृत किया गया है। आतिशी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के 2022 में किए गए दो ट्वीट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने दिल्ली के लोगों और सरकार को अंधेरे में रखकर बड़ी संख्या में अवैध रोहिंग्या शरणार्थियों को राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों में बसाया है। उन्होंने शाह को लिखे पत्र में कहा, ऐसा लगता है कि यह पिछले कई साल से जारी है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने 17 अगस्त, 2022 को दो ट्वीट किए थे जिनसे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि इन शरणार्थियों को दिल्ली में बसाना भाजपा सरकार का सोचा-समझा निर्णय और नीति है। आतिशी ने कहा, पुरी के पोस्ट से ऐसा लगता है कि उन्हें बक्करवाला के कई ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग) फ्लैट में बसाया गया था।

आतिशी आधा अधूरा सच बता रहीः हरदीप पुरी

पुरी ने पलटवार करते हुए रविवार को एक्स पर लिखा, आम आदमी पार्टी ध्यान भटकाने, झूठे विमर्श और आधा अधूरा सच बताने की अपनी राजनीति कर रही है। अवैध रोहिंग्या प्रवासियों के बारे में तथ्य और वास्तविक स्थिति को उसी दिन एक ट्वीट के माध्यम से स्पष्ट कर दिया गया था, जिसे उन्होंने चुनिंदा रूप से नजरअंदाज किया और वे लगातार ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, किसी भी रोहिंग्या प्रवासी को दिल्ली में सरकारी घर नहीं दिया गया है। आप के झूठे दावों के विपरीत, वास्तव में वे (आप) ही दिल्ली में अवैध रोहिंग्याओं को शरण देते हैं, उन्होंने ही बड़ी संख्या में उन्हें बसाया है।

आप-भाजपा घड़ियाली आंसू बहा रहे : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि आप-भाजपा घड़ियाली आंसू बहा रहे है। आप ने अपने 11 वर्षों के शासन में दिल्ली की झुग्गी झोपड़ियों के कल्याण और विकास के लिए काम नहीं किया और भाजपा के साथ मिलकर दिल्ली से हजारों झुग्गियों को उजाड़ने में बराबर की भूमिका निभाई है। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली की झुग्गी बस्तियां और झुग्गी झोपड़ियों में मौलिक सुविधाएं देने वाली कांग्रेस पार्टी ने इन्हें पक्के मकान, स्थाई प्लॉट देकर और जहां झुग्गी वहीं मकान पॉलिसी के तहत दिल्ली में हजारों फ्लैट बनाने की शुरु करके इनके जीवन स्तर को उपर उठाने और जीवन शैली को बेहतर बनाने के लिए जो 15 वर्षों के शासन में अभूतपूर्व काम किए थे।

विशेष सत्र बुलाकर दिल्ली में लागू करें एनआरसी : विजेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष ने इन रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों की पहचान कर इन्हें देश से बाहर करने के लिए एनआरसी लागू करने की मांग की है ।

भाजपा नेता ने कहा कि आप सरकार फर्जी कागजात के आधार पर रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को वोटर आईडी कार्ड जारी करती है और वोटर लिस्ट में उनका नाम डलवाती है।जब भाजपा इसका विरोध करके इन फर्जी नामों को वोटर लिस्ट से बाहर निकलवाती है तो आप का घड़ियाली आंसू बहा कर इन लोगों की सहानुभूति बटोर कर राजनीतिक रोटियां सेंक रही है।

केजरीवाल ने समस्याओं को बढ़ाने का काम किया : प्रवेश

- बोले, नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा के पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने नई दिल्ली विधानसभा में कार्यकर्ता स्नेह मिलन समारोह में पिछले 10 वर्षों से अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार के कुशासन को, आप सरकार की वादा खिलाफी, भ्रष्टाचार के बारे में लोगों को बताया। वर्मा ने कहा जनता को राहत देने और वादों को पूरा करने की जगह केजरीवाल ने भ्रष्टाचार करने और समस्याओं को बढ़ाने का काम किया है। दिल्ली की जनता अब एकजुट होकर केजरीवाल की सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिल्ली और नई दिल्ली को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए कमर कस चुकी है। जनता एक स्वर में बोल रही है अब नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे आप सरकार को। प्रवेश साहिब सिंह ने एक शिकायत पेटी अभियान भी चलाया , जिसमें लोगों की समस्या उनकी राय ली जाएगी , उनके काम जो करवाने हैं सब इस अभियान के माध्यम से चलाया जाएगा। साथ ही प्रवेश ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय डॉ. साहिब सिंह ने दिल्ली को संवारा था लेकिन कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया, कोरोना में अरविंद केजरीवाल ने लोगों को बचाने की जगह शराब के घोटाले की नीति बना रहीं थे तब भाजपा ने दिल्ली को बचाया था। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर एनजीटी का केंद्र को नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने राष्ट्रीय राजधानी में पेड़ों की कथित कटाई के संबंध में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है।

एनजीटी जिंदपुर के छज्जू राम बाग में एक निजी बिल्डर द्वारा गोदाम एवं वाणिज्यिक गोदाम बनाने के लिए हजारों पेड़ों की कथित अवैध कटाई के बारे में सुनवाई कर रहा था। नौ दिसंबर के एक आदेश में, एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि उत्तरी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट ने न्यायाधिकरण के पहले के आदेश के अनुसार अपना जवाब दाखिल नहीं किया, जिसमें सही स्थिति का पता लगाने के लिए छज्जू राम बाग के पिछले 20 वर्षों के प्रासंगिक खसरा प्रविष्टियां और राजस्व रिकॉर्ड पेश करने के लिए कहा गया था।

पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ये सेंथिल वेल भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने एक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की है, इसमें एक आदेश संलग्न है, जिसके तहत संबंधित वन अधिकारियों ने 15 पेड़ों की अवैध कटाई के लिए नौ लाख रुपए का जुर्माना लगाया था।

गोलीबारी के बाद झपटमार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रोहिणी के अमन विहार इलाके में मुठभेड़ के बाद एक झपटमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अमन विहार में झपटमारी की दो घटनाओं के बाद यह गिरफ्तारी की गई।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान राज कुमार के रूप में की गई है। अधिकारी ने कहा, उसके एक साथी रोहित को गिरफ्तार किए जाने के बाद पुलिस को घटना में राज कुमार की संलिप्तता के बारे में पता चला और उसने उसके ठिकानों का पता लगाना शुरू किया। पुलिस ने बताया कि छापेमारी के लिए एक टीम बनाई गई और जाल बिछाया गया। राज कुमार चोरी की गई एक मोटरसाइकिल से जब वहां पहुंचा था।

अंतरराष्ट्रीय ब्रांड की सिगरेट जब्त, 4 धरे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ब्रांड की सिगरेट के अवैध कारोबार में लिप्त एक गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। पुलिस ने इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 66 लाख रुपए मूल्य की 6.50 लाख सिगरेट भी जब्त कीं।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अनस (32), साकिब (32), समीर उर रहमान (23) और सागर हसवानी (45) के रूप में की गई है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा के उपायुक्त संजय कुमार सैन ने कहा, अभियान से उनके विस्तृत नेटवर्क का पता चला, जो गुवाहाटी से सिगरेट लाकर दिल्ली में वितरित करते थे और युवाओं और किशोरों को निशाना बनाते थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस के दलों ने बृहस्पतिवार को लाहौरी गेट क्षेत्र के पास दो छापे मारे।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पहली छापेमारी में एक अंतरराष्ट्रीय ब्रांड की 4.70 लाख सिगरेट और दूसरे ब्रांड की 80,000 सिगरेट बरामद हुईं। अनस और साकिब द्वारा संचालित यह परिसर एक प्रमुख भंडारण बिंदु के रूप में कार्य करता था। उन्होंने बताया कि दूसरी छापेमारी समोसे वाली गली स्थित एक इमारत पर की गई, जहां समीर उर रहमान की दुकान से एक लाख सिगरेट जब्त की गईं। सैन ने बताया कि स्टॉक में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वैधानिक चेतावनी का अभाव था और इस सिलसिले में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

डीपीसीसी ने डेयरी फार्मों पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने शहर में गौशालाओं और डेरी फार्मों को 15 दिनों के भीतर प्रदूषण नियंत्रण सहमति प्राप्त करने का निर्देश दिया है। डीपीसीसी ने निर्देशों का पालन नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। डीपीसीसी ने रविवार को एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर दिल्ली में 15 या उससे अधिक मवेशियों वाली सभी गौशालाओं और डेरी फार्मों तथा डेरी कॉलोनियों में संचालित सभी डेरियों को जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम-1974 और वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम-1981 के तहत अनिवार्य सहमति के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की ओर से यह निर्देश न्यायालय के हाल के आदेशों के अनुपालन में जारी किया गया है और इसका पालन नोटिस के 15 दिनों के भीतर किया जाना चाहिए अन्यथा कानूनी कार्वाई शुरू की जाएगी। यह नोटिस राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 20 मई, 2020 के आदेश के अनुसार केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी डेरी फार्मों और गौशालाओं के पर्यावरण प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश का अनुसरण करता है।

'आप' सरकार हमेशा डॉक्टर्स के साथ : आतिशी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार हमेशा दिल्ली के डॉक्टर्स के साथ खड़ी थी, खड़ी है और भविष्य में भी खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा कि डॉक्टर्स के साथ हिंसा को लेकर अगर जरूरत पड़ी तो दिल्ली में हमारी सरकार डॉक्टर्स के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए डॉक्टर्स प्रोटेक्शन एक्ट लाने के साथ ही, अन्य जरूरी कदम भी उठाएंगी। दिल्ली स्टेट मेडिकल एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सीएम आतिशी ने कहा कि हमारी सरकार ने जब भी डॉक्टर्स के लिए कोई पॉलिसी बनाई, हमने बिना भेद किए सरकारी और निजी क्षेत्र के डॉक्टरों को उसमें शामिल किया। हमारी सरकार ने सरकारी-प्राइवेट क्षेत्र के डॉक्टर्स, नर्सिंग और ब्लड बैंक स्टाफ सभी कोविड वॉरियर्स को एक करोड़ रुपए की सम्मान राशि दी। हमारी शिक्षा और स्वास्थ्य सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

स्मृति कार्यक्रम के बीच जामिया में कक्षाएं स्थगित

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ 2019 में हुए प्रदर्शनों के पांच साल पूरे होने के मौके पर एक स्मृति कार्यक्रम आयोजित करने की छात्रों की योजना के बीच, रविवार को कक्षाएं निलंबित कर दीं और पुस्तकालय व कैंटीन को भी बंद कर दिया। वाम समर्थित छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों को कार्यक्रम में भाग लेने से रोकने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया। ऑनलाइन प्रसारित वीडियो में छात्रों को परिसर के बाहर पुलिस कर्मियों की भारी तैनाती के विरोध में दिल्ली पुलिस वापस जाओ जैसे नारे लगाते हुए देखा गया।

डीयू की ई-लाइब्रेरी की सुविधा सभी एनसीडब्ल्यूईबी छात्राओं को मिलेगी

कुलपति प्रो. योगेश सिंह

- डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने छात्राओं से वार्ता के दौरान जानी पुस्तकालय की आवश्यकता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय की 50 करोड़ रुपये की लाइब्रेरी सुविधाओं को नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) की छात्राओं के उपयोग के लिए सुगम बनाया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने एनसीडब्ल्यूईबी छात्राओं के साथ बातचीत के दौरान इन छात्राओं की लाइब्रेरी की आवश्यकताओं के बारे में जाना। जिसके बाद विश्वविद्यालय ने लाइब्रेरी की सुविधाओं को इन छात्राओं के लिए सुगम बनाने का प्रयास किया।

डीयू ई-लाइब्रेरी सुविधा एनसीडब्ल्यूईबी की उन छात्राओं की मदद करेगी जो दिल्ली विश्वविद्यालय के 26 कॉलेजों में स्थित एनसीडब्ल्यूईबी केंद्रों पर सप्ताहांत और शैक्षणिक अवकाश के दौरान कक्षाओं में भाग लेती हैं। नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड वर्ष 1944 से दिल्ली विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण घटक है। डीयू ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म वर्ष 2021 में शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ना और उन्हें कीं से भी किसी भी डिवाइस पर डीयू द्वारा सब्सक्राइब किए गए एवं लाखों और ओपन एक्सेस, ई-रिसोर्स उपलब्ध कराना है। 35 करोड़ रुपये की लागत वाले ई-लाइब्रेरी संसाधन अब नॉन-कॉलेजिएट छात्रों के लिए उपलब्ध होंगे।

इस सुविधा में शीर्ष भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों की 1,41,000 से अधिक ई-पुस्तकें, 3000 से अधिक प्रकाशनों के ई-समाचार पत्र, शीर्ष भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों के 1,50,000 से अधिक वीडियो लेक्चर, अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में 1000 से अधिक विशेषज्ञ वार्ता और साहित्यिक रचनाएं नॉन-कॉलेजिएट छात्राओं के लिए उपलब्ध होंगी।

डीयू ई-लाइब्रेरी सुविधा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से स्मार्ट फोन पर भी उपलब्ध है, जो उन छात्राओं के लिए फायदेमंद होगी जो बड़े पैमाने पर कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आती हैं। यह सुविधा छात्राओं को भविष्य के लिए संदर्भ सामग्री को सहेजने के लिए, व्यक्तिगत पठन सूची सुविधा भी प्रदान करती है, इनबिल्ट रिमोट प्रमाणीकरण प्रक्रिया द्वारा सभी सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को छात्रों के लिए 24×7 सुलभ बनाती है। इस सुविधा से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की 33,000 से अधिक छात्राएं लाभान्वित होंगी।

विश्वविद्यालय ने एनसीडब्ल्यूईबी केन्द्रों पर नियमित कॉलेज की लाइब्रेरी की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। नियमित कॉलेज की लाइब्रेरी सुविधा एनसीडब्ल्यूईबी छात्राओं के लिए आगामी सेमेस्टर, जनवरी 2025 से उपलब्ध रहेगी।

लेवल रेल क्रासिंग पर बन रहे हैं आरओबी और आरयूबी

ट्रेनों के सुरक्षित और सुगम परिचालन के साथ शहरवासियों को मिलेगा ट्रैफिक जाम से छुटकारा रेलवे और राज्य सेतु निगम के संयुक्त प्रयास से ये कार्य हुआ संभवः डॉ अमित कुमार मालवीय महाकुम्भ से पहले डबल इंजन की सरकार की प्रयागराज को बड़ी सौगात

मनीष द्विवेदी। महाकुम्भ नगर

महाकुम्भ के आयोजन को लेकर प्रयागराज में तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। एक ओर त्रिवेणी संगम के तट पर महाकुम्भ नगरी ने आकार लेना शुरू कर दिया है। साधु संन्यासी अखाड़े लाव लश्कर के साथ मेला क्षेत्र में प्रवेश करने लगे हैं। वहीं दूसरी ओर प्रयागराज शहर भी महाकुम्भ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए तैयार है। इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने राज्य सेतु निगम के साथ मिलकर प्रयागराज वासियों को बड़ी सौगात दी है। महाकुम्भ के पहले प्रयागराज शहर पूरी तरह से लेवल रेल क्रांसिग से मुक्त हो जाएगा। इससे ट्रेनों के परिचालन में सुविधा और दुर्घटनाओं में तो कमी होगी ही साथ ही शहरवासियों को घंटों के जाम से भी मुक्ति मिल जाएगी। प्रयागराज की लगभग सभी लेवल रेल क्रासिंग पर आरओबी या आरयूबी बन कर तैयार हैं। जिन पर महाकुम्भ के पहले आवागमन पूरी तरह से शुरू हो जाएगा। महाकुम्भ का प्रयागराज में आयोजन न केवल शहरवासियों के लिए, गौरव और सम्मान का विषय होता है। साथ ही यह आयोजन उन्हें कई तरह की सौगात भी दे जाता है। महाकुम्भ की तैयारियों के चलते शहर में कई तरह के स्थाई और अस्थाई निर्माण कार्य हो रहे हैं जो महाकुम्भ के बाद भी शहरवासियों की सुविधाओं में इजाफा करेंगे। इसी क्रम में प्रयागराज शहर को रेलवे और राज्य सेतु निगम के संयुक्त प्रयास से लेवल रेल क्रासिंग से मुक्ति की एक बड़ी सौगात मिल रही है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार के निर्देशन में ट्रेनों के बाधारहित परिचालन और सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति के लिए महत्वपूर्ण सुविधा प्रदान की गई है। प्रयागराज रेल मण्डल के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी डॉ अमित कुमार मालवीय ने बताया कि प्रयागराज शहर के अंदर ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों की भी लगभग सभी लेवल रेल क्रासिंगों पर जरूरत के मुताबिक आरओबी या आरयूबी का निर्माण हो रहा है।

प्रयागराज और आसपास के लेवल रेल क्रासिंगों पर आरओबी और आरयूबी का हो रहा निर्माण

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी डॉ अमित कुमार मालवीय ने बताया कि बेगम बजार बमरौली छिवकी दीन दयाल उपाध्याय प्रयागराज प्रयाग.फाफामऊ और प्रयाग प्रयागराज जंक्शन के बीच सात रेल ओवर ब्रिज आरओबी का निर्माण लगभग 375 करोड़ रुपए की लागत से हो रहा है। इसके साथ ही प्रयाग यार्ड झूंसी और अंदावा कनिहार मार्ग पर लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से तीन रेल अंडर ब्रिज आरयूबी का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। महाकुम्भ से पहले यह सभी आरओबी और आरयूबी से यातायात का परिचालन शुरू हो जाएगा। जिससे न केवल महाकुम्भ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी बल्कि महाकुम्भ के बाद भी शहरवासियों को घंटों के जाम से भी मुक्ति मिल जाएगी। इसके साथ ही लेवल क्रांसिग की समाप्ति ट्रेनों के बाधारहित और सुरक्षित परिचालन को सुनिश्चित करती है। जिससे महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज मण्डल से चलने वाली लगभग दस हजार ट्रेनों का परिचालन भी सुविधाजनक तरीके से किया जा सकेगा।

ग्रामीण और शहरी युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में है उद्यमिता व रोजगार की अपार संभावनाएं

गाजीपुर। जनपद के स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कृषि संकाय द्वारा बी0एस.सी0 ;कृषिद्ध सातवें सेमेस्टर के छात्रों के पाठ्यक्रम के अंतर्गत चलाये जा रहे ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव ;त्तंस ।हतपबनसजनतंस ॅवता म्गचमतपमदबम. त्ॅम्द्ध के ओरिएंटेशन प्रोग्राम में बोलते हुए पी0 जी0 कॉलेज के प्राचार्य प्रोफे0 ;डॉ0द्ध राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि रावे कार्यक्रम कृषि शिक्षा को व्यवहारिक और समाजोपयोगी बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह कृषि स्नातकों को भविष्य के कृषि वैज्ञानिकए सलाहकार और नीति.निर्माता बनने में मदद करता है। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो कृषि के विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव और ग्रामीण जीवन की समझ प्रदान करता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्रामीण समुदायों के साथ जुड़ाव कराना और कृषि की जमीनी समस्याओं को समझाना है। इसके अंतर्गत कृषि स्नातक कृषि के विभिन्न पहलुओंए जैसे फसल उत्पादनए पशुपालनए मिट्टी परीक्षणए जल प्रबंधनए और कृषि यंत्रों के उपयोग का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं। प्रोफेसर पाण्डेय ने कहा कि कृषि में रोजगार की अपार संभावनाएं है और ये संभावनाएं न केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित हैंए बल्कि शहरी युवाओं को भी इस क्षेत्र में उद्यमिता के नए अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने ने कहा कि कृषि स्नातकों द्वारा सही प्रशिक्षणए तकनीकी ज्ञान और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर कृषि क्षेत्र में सफल करियर बनाया जा सकता है। प्रोफेसर पाण्डेय ने कहा कि आने वाला समय युवाओं का है और कुशल एवं दक्ष युवाओं के बदौलत ही भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा। ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव ;त्ॅम्द्ध कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर प्रोफे0;डॉ0द्ध जी0 सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एव इसकी रूपरेखा पर बोलते हुए कहा कि छात्रों को कृषि एवं ग्रामीण विकास में वर्तमान और उभरते अवसरों व चुनौतियों से छात्रों को अवगत कराए जाने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कृषि स्नातक पाठ्यक्रम में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव ;त्ॅम्द्ध शामिल किया है जिसके अंतर्गत छात्रों को 20 सप्ताह तक प्रशिक्षण लेना होगाए जिसमें एक सप्ताह अपने कॉलेज कैम्पस में प्रशिक्षण लेना होगाए 5 सप्ताह तक कृषि विज्ञान केंद्र मेंए 3 सप्ताह तक प्लांट हेल्थ क्लिनिक मेंए 8 सप्ताह तक गाँव में किसानों के साथ व्यवहारिक प्रशिक्षणए 3 सप्ताह तक एग्रो इंडस्ट्री में प्रशिक्षण और एक सप्ताह तक प्रोजेक्ट तैयार करने व प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण लेना होगा। डॉ0 के0 के0 पटेल ने कहा कि कृषि शिक्षा और कौशल का महत्व तेजी से बढ़ रहा हैए क्योंकि आधुनिक कृषि में वैज्ञानिक तकनीकों और प्रबंधन का समावेश हो चुका है।

प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के सहयोग से इलीट सॉफ्टवेयर सॉल्युशनस प्राइवेट लिमिटेडए लखनऊ द्वारा जनपद.बाराबंकीए तहसील.रामनगरए ब्लाक.सूरतगंज में रामसरन वर्मा स्मारक हायर सेकेण्डरी स्कूल, ममतामऊ में कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किया गया था। इसमें कुल 108 बच्चों मे से 104 बच्चों ने 70 प्रतिशत से ऊपर की उपस्थिति पूर्ण कर ली है जो प्रशिक्षण के मानक के अनुरूप है ।अतः अब कम्पनी द्वारा 70 प्रतिशत से ऊपर की उपस्थिति पूर्ण करने वाले सभी प्रशिक्षार्थीयों को प्रशिक्षण के उपरान्त परीक्षा आयोजिन की गई। परीक्षा में पास सभी प्रशिक्षार्थीयों को प्रमाण पत्र आज वितरित किये गये। पार्टनर एजेन्सी के सेन्टर मैनेजर अनुज कुमार द्वारा बताया गया कि सेन्टर से प्रशिक्षित सभी पास बच्चों को सेन्टर पर आज सुबह 10 बजें बुलाया गया था फिर सभी प्रशिक्षार्थीयों को बैच वार प्रमाण पत्र वितरित किये गये।प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में पार्टनर एजेन्सी के प्लेसमेन्ट अफिसर रमाकान्तए सेन्टर मैनेजर अनुज कुमार ट्रेनर गोमती देवी, ट्रेनर रवि, मोबिलाइजर.पूजा वर्मा मोबिलाइजर.सौरभए छात्र.छात्राए उपस्थित रहे।

आईसीएआर किसानों को करेगा सशक्त, जनपद को दिलाएगा राष्ट्रीय स्तर पर पहचानः डीएम

गाजीपुर। जनपद में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत मिलेट्स प्रसंस्करणए पैकिंग एवं विपणन केंद्र की स्थापना भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के दिशा.निर्देशों के तहत आईसीएआर कृषि विज्ञान केंद्रए पी0जी0 कॉलेज में की जा रही है। इसका शिलान्यास एवं भूमि पूजन समारोह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आज कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी आर्यका अखौरी और अजीत कुमार सिंहए अपर महाधिवक्ताए उत्तर प्रदेश शासन तथा कृषि विज्ञान केंद्र के चेयरमैनए पी0जी0 कॉलेज ने समारोह की अध्यक्षता की। इस केंद्र की स्थापना माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की प्रेरणा से प्रदेश के किसानों के समग्र उत्थान के लिए की जा रही है। इसे जनपद में अजीत कुमार सिंह के अथक प्रयासों से स्थापित किया गया है। यह केंद्र प्रदेश का पहला मिलेट्स प्रसंस्करणए पैकिंग एवं विपणन केंद्र हैए जो जनपद के लिए गर्व का विषय है।इस केंद्र के माध्यम से जिले के किसानए महिलाएंए युवक एवं युवतियां सीधे लाभान्वित होंगे। मिलेट्स के उत्पादनए बिक्री और इसके उत्पादों का विपणन अब अधिक सुगम होगाए जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।शिलान्यास समारोह में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने केंद्र के प्रयासों की सराहना की और सभी किसानोंए विशेष रूप से महिला किसानोंए को श्री अन्नध्मिलेट्स के उत्पादन के लिए प्रेरित किया। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने किसानों को इस योजना के महत्व और इसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने वैज्ञानिकों को निर्देश दिया कि वे किसानों के साथ मिलकर उनके खेतों में श्री अन्न की अधिकाधिक खेती को बढ़ावा देने में सहयोग प्रदान करें। इस दौरान जिलाधिकारी ने कृषि विज्ञान केंद्र में स्थापित मिनी सीड प्रोसेसिंग इकाई का निरीक्षण किया और उसकी कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रगतिशील महिला किसान अंजू चतुर्वेदी ने मिलेट्स से बने उत्पादों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में संजीव सिंहए राणा प्रताप सिंहए कृपाशंकर सिंहए प्रो0 बालेश्वर सिंहए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 विनोद कुमार सिंहए डॉ0 धर्मेंद्र कुमार सिंहए डॉ0 शिव कुमार सिंहए डॉ0 ओमकार सिंहए आशीष कुमार बाजपेयीए मनोज कुमार मिश्राए डॉ0 प्रमोद कुमार सिंहए डॉ0 अमित प्रतापए आशुतोष सिंहए सुनील कुमार आदि गणमान्य व्यक्तियों सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

अवैध संचालित वाहनों के विरूद्ध हो कड़ी कार्यवाही-जिलाधिकारी

सोनभद्र। जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने रविवार को टोलप्लाजा के पास ओवरलोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने के दृष्टिगत वाहनों की जॉच किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ओवरलोडिंग वाले वाहनों का स्वयं प्रपत्रों को देखा, उन्होंने कहा कि ओवर लोडिंग व अवैध वाहनों का परिचालन हर हाल में बन्द किया जाये और मानक के अनुरूप नम्बर प्लेट भी लगाया जाये, इस तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। मौके पर मौजूद ज्येष्ठ खान अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की ओवर लोडिंग व अवैध संचालित वाहनों के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जाये, इसमें किसी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। इस मौके पर 01 वाहन ओवरलोडिंग करते हुए पकड़े गये, जिसे चालान की कार्यवाही करने के निर्देश खान अधिकारी को दियें गये। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि टैम्पर्ट नम्बर बिना लगे प्लेटों का प्रयोग न किये जाये और नम्बर प्लेट फिक्स अवस्था में रहें, इसकी विशेष जॉच की जाये, अगर इस तरह के कोई वाहन पाये जाते हैं तो उनके विरूद्ध नियमानुसार चालान की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

सलखन फासिल्स पार्क का होगा सौन्दर्यीकरण

सोनभद्र। जनपद न्यायाधीश रवीन्द्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा रविवार को फासिल्स पार्क सलखन का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अमूल्य धरोहर के रूप में फासिल्स पार्क को संरक्षित करने, पर्यटन के दृष्टि से पर्यटको के लिए बेहतर ढंग से विकसित करके पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु बन सकें, इसके लिए बेहतर तरीके से कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया की फासिल्स पार्क के सौन्दर्यीकरण हेतु पर्यटन विभाग द्वारा डेढ़ करोड़ की धनराशि स्वीकृति की गयी है, जिसके माध्यम से पर्यटकों के बैठने हेतु दो ग्लोवर, नेचर ट्रेलर, प्रकृति चित्रण केन्द्र, सुरक्षा व्यवस्था के आवश्यक प्रबन्ध, गेट का निर्माण आदि कार्य कराये जाने की कार्ययोजना तैयार की गयी है। फासिल्स पार्क के प्रचार-प्रसार करने हेतु छोटे-छोटे वीडियो क्लीप बनाकर उसे प्रकृति चित्रण केन्द्र में चलाये जायेगा, जिससे कि अधिक से अधिक संख्या में लोग फासिल्स पार्क के इतिहास को जान सकेगें और उसे देखने हेतु जनपद में आयें।

न्यायाधीश, डीएम व एसपी ने किया जिला कारागार का गहन निरीक्षण

सोनभद्र। जनपद न्यायाधीश रवीन्द्र विक्रम सिंह जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने रविवार को जिला कारागार गुरमा का निरीक्षण किया, इस दौरान जनपद न्यायाधीश व जिलाधिकारी ने जिला कारागार के कैदियों से मिलकर उनसे वार्ता किये और उनको उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारे में बारी-बारी से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कैदियों से कारागार द्वारा उपलब्ध करायें जा रहें भोजन, नास्ता, स्वास्थ्य चिकित्सा, पीने के पानी आदि का जायजा लिया। इस दौरान जिला कारागार के हातों के बैरकों में बारी-बारी से स्वयं जाकर कैदियों की स्थिति को देखा और वार्ता कर उनके परिवारों को मुलाकात के समय किसी प्रकार की समस्या तो नही होती, के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की, जिस पर कैदियों द्वारा बताया गया कि यहां इस प्रकार की कोई समस्या नहीं होती है। कैदियों को दिये जाने वाले भोजन के किचन का निरीक्षण किया गया, जहां कैदियों हेतु बनाये जा रहे रोटी, सब्जी चावल व दाल के गुणवत्ता को देखा गया और निर्धारित रोस्टर की जानकारी प्राप्त की गयी। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक सौरभ श्रीवास्तव, जेलर जे0पी0 दूबे सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

जानलेवा बीमारी से ग्रसित लोगों के लिए संजीवनी है चरक योजना

सोनभद्र। रविवार को सिंगरौली स्थित नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने अभिनव सीएसआर पहल चरक कम्युनिटी हेल्थ ए रिस्पोंसिव एक्शन फॉर कोयलांचल की शुरुआत की। कंपनी की सीएसआर नीति के अनुरूप इस पहल का उद्देश्य एनसीएल की परिचालन परिधि में निवासरत चिह्नित गंभीर बीमारियों से ग्रस्त ऐसे मरीज जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, का निःशुल्क उपचार करना है। ऐसे चिह्नित रोगों से ग्रस्त मरीज जिनकी सभी स्त्रोतों से कुल वार्षिक आय 8 लाख रुपए से कम है वो इस योजना से लाभान्वित हो सकेंगे। इस अवसर पर सीएमडी एनसीएल बी. साईराम ने 'चरक' योजना का शुभारंभ करते हुए इसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर निदेशक रजनीश नारायण जितेंद्र मलिक सुनील प्रसाद सिंह जेसीसी मेंबर्स सीएमएस अजय कुमार लाल पुष्पराज सिंह श्यामधर दुबे, अशोक कुमार पांडे, डॉ. विवेक खरे, डॉ. पंकज कुमार, राजीव रंजन, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इस योजना के तहत कैंसर टी.बी. एचआईवी हृदय रोग अंग प्रत्यारोपण विकलांगता लीवर विकार, हियरिंग डिसऑर्डर एआरडीएस तीव्र सर्जिकल आपात स्थिति तंत्रिका संबंधी विकार न्यूरोवैस्कुलर विकार आकस्मिक आघात, गंभीर विकलांगता मल्टीसिस्टम विकार अचानक दृष्टिहीनता जैसी बीमारियों का इलाज संभव हो पाएगा। एनसीएल की चरक' योजना के माध्यम से कोयलांचल के आर्थिक रूप से असमर्थ परिवारों को उच्च चिकित्सा सुविधाएं एवं नव जीवन मिलेगा। गौरतलब है कि एनसीएल परिचालन परिधि में निवासरत समुदाय के समग्र विकास हेतु विगत 10 वर्षों में एनसीएल ने सीएसआर मद से 1000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर 10 लाख लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

दो दिवसीय सीटीईटी परीक्षा सकुशल सम्पन्न

गाजीपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा ; सीटीईटीद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सब कुशल संपन्न हो गई। सीटीईटी परीक्षा के सम्बन्ध में पूछे जाने पर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफे0 ;डॉ0द्ध राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि सीटीईटी की परीक्षाएं सीबीएसई द्वारा वर्ष में दो बार प्राथमिक कक्षा एक से पांच तक शिक्षण हेतु प्रथम प्रश्न पत्र और जूनियर हाईस्कूल कक्षा छह से आठवीं तक के शिक्षण हेतु द्वितीय प्रश्न पत्र के रूप छात्र . छात्राओं को पढ़ाने हेतु शिक्षकों की पात्रता परीक्षा कराई जाती है।प्रोफेसर पाण्डेय ने बताया कि स्नातकोत्तर महाविद्यालय परीक्षा केंद्र पर 14 दिसंबर दिन शनिवार को सुबह की पाली में सेकंड पेपर की परीक्षा हुई जिसमें 242 पंजीकृत परीक्षार्थीयों में 220 उपस्थित एवं 22 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह शनिवार को द्वितीय पाली में प्रथम प्रश्न पत्र में पंजीकृत 540 परीक्षार्थियों में 490 उपस्थित 50 अनुपस्थित रहे। प्रोफेसर पाण्डेय ने बताया कि दूसरे दिन रविवार को एकल पाली में द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा हुई जिसमें पंजीकृत कुल 242 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 222 उपस्थित एवं 20 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

620 पेटी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

कीमत लगभग 50 लाख रुपया बताई गई, पंजाब राज्य से बिहार के लिए ले जाया जा रहा था शराब

चन्दौली। शराब व मादक पदार्थो की अवैध तस्करी को रोकने के लिए चन्दौली पुलिस सघन चेकिंग अभियान चला रखा है । तभी चकिया पुलिस व स्वाट टीम को मुखबीर द्वारा द्वारा सूचना मिली कि एक ट्रक से अवैध शराब लेकर पुलिस चेकिंग के डर से टेगंरा मोड से हाईवे से उतर कर शिकारगंज होते हुए राबर्टसगंज के रास्ते बिहार जाने के फिराक में है। तभी चकिया पुलिस ने वाहन को रोका व उसे चेक किया तो ट्रक पर भारी मात्रा में शराब मिला । पुलिस ने ट्रक को जब्त कर तस्कर को गिरफ्तार कर लिया ।

मिली जानकारी के अनुसार चकिया थाना प्रभारी अतुल कुमार व स्वाट टीम को मुखबीर द्वारा सूचना मिली कि एक ट्रक अवैध शराब लेकर पुलिस चेकिंग के डर से टेगंरा मोड से हाईवे से उतर कर शिकारगंज होते हुए राबर्टसगंज के रास्ते बिहार जाने के फिराक में है। उपरोक्त सूचना के आधार पर थाना स्थानीय व स्वाटध्सर्विलांस पुलिस टीम द्वारा शिकारगंज स्थित राजा साहब के पोखरे के पास से एक क्लोड बाडी बीएस.प्प्प् माडल ट्रक नं0 एच आर47 सी 1978 से घेराबंदी करके रोक लिया गया। ट्रक की तलाशी में कुल 620 पेटी ; 5518ण्8 लीटरद्ध जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपया जो अवैध गैर प्रान्त की अंग्रेजी शराब के साथ अभियुक्त मोहन श्याम पुत्र छोटेलाल निवासी 150 भरनाकला छटा थाना बरसाना जनपद मथुरा;उ0प्र0द्ध उम्र करीब 45 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह तथा गाडी मालिक रविन्दर सिंह पुत्र महिन्दर सिंह निवासी कालरवास नैचना रेवारी हरियाणा द्वारा फर्जी बिल्टी मुर्गी दाना की बनवाकर वहां से लेकर चलते है। रास्ते में कोई भी कागज मांगता है तो मुर्गी दाना बताकर तथा कागज दिखाकर आगे बढ जाते हैं। बिहार मे शराब बन्दी के कारण पंजाब से सस्ती शराब खरीद कर बिहार मे अधिक दामों पर हम लोग बेचते है। जिससे ज्यादा लाभ होता है तथा वह पंजाब प्रान्त की बनी शराब हरियाणाए दिल्लीए वाराणसीए मिर्जापुरए सोनभद्र व झारखंड राज्य होते हुए बिहार प्रान्त को लेकर जाता है। आज नारायणपुर मिर्जापुर मे हाइवे पर चेकिंग होने के कारण वह टेंगरा मोड से चकिया अहरौरा होते हुए बिहार जा रहा था।

डीएम ने भगवान श्री राम की मूर्ति का किया अनावरण

अंबेडकरनगर । जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने श्रवण क्षेत्र धाम में भगवान राम की प्रतिमा का मंत्रों उच्चार तथा धार्मिक रीति रिवाज के साथ अनावरण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सरवन क्षेत्र धाम को उसकी पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुए एक बड़े आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकास किया जा रहा हैए यहां बाहर से आने वाले श्रद्धालु के लिए गेस्ट हाउस के निर्माण कार्य चल रहा हैए नया आधुनिक पंचायत घर बनवाया गया हैए नई पुलिस चौकी बनवाई गई है इसके साथ ही साथ हवनए भंडारा आदि करने के लिए यहां पर एक अलग टीन सेड का निर्माण किया गया है। श्रवण धाम मंदिर को एक प्रयटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुसार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हुए एवं स्थानीय रोजगार का सृजन करते हुए वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के सपने को साकार रूप दिया जा रहा है मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप पूरे क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा हैं। जो लोग अयोध्या आते हैं वह लोग भी यहां पर अवश्य आए। और यहां पर पर्यटकों के ठहरने के लिए व्यवस्थाएं की जा रही है। मुख्य सड़क पर दशरथ नंदन नाम से एक गेट का निर्माण कराया जा रहा है। तथा मातृ पितृ भक्ति के प्रतीक श्रवण कुमार की निर्वाण स्थली श्रवण धाम में पांच दिवसीय ऐतिहासिक मेले का शुभारंभ आज अगहन पूर्णिमा स्नान के साथ हो गया। मेला क्षेत्र में दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने तमसा नदी के संगम तट पर स्नान कर पूजा अर्चना की। श्रवण क्षेत्र का घाट तीन नदियों से तमसा नदीए विसुही नदी तथा मडहा नदी के उद्गम का पौराणिक संगम स्थल है। सर्वविदित है कि अयोध्या तीर्थ के बाद प्रमुख पौराणिक श्रवण कुमार की तपोस्थली श्रवण धाम है।

सभी के सहयोग से विद्यालय बना वट वृक्षः पुनीत

एमएल कान्वेंट विद्यालय समूह का वार्षिकोत्सव संपन्न

प्रयागराज। एम एल कान्वेंट विद्यालय समूह का 25 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से एम एल कान्वेंट करेलाबाग शाखा में रविवार को मनाया गया। वार्षिकोत्सव के अवसर पर फैशन शो विज्ञान सामाजिक विज्ञान कम्प्यूटर एवं कॉमर्स मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने हिंदी अंग्रेजी संस्कृत भाषा से संबंधित चार्ट प्रदर्शनी में भाग लिया। बच्चों ने हिन्दी अंग्रेजी तथा संस्कृत भाषा में लघुनाटिका विज्ञान से सम्बन्धी लघुनाटिका एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। एसयूपीडब्ल्यू के माध्यम से विभिन्न वस्तुओं तथा कलाकृतियों आदि को प्रदर्शित किया गया। साइंस गैलरी में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक प्रयोग किये। वार्षिकोत्सव के अवसर पर स्काउड गाइड के बच्चों के द्वारा टेन्ट तथा टॉवर बनाया गया। कार्यक्रम में स्काउट गाइड विंग ने मुख्य अतिथि विद्यालय के अध्यक्ष पुनीत वर्मा तथा प्रबंधक शिखा वर्मा रूद्रांश एवं शतावर्त का स्वागत बैंड प्रदर्शन से किया। कार्यक्रम की शुरूआत एम एल कान्वेंट विद्यालय समूह के अध्यक्ष पुनीत वर्मा प्रबंधक शिखा वर्मा एमएल कान्वेंट मीरापुर की प्रधानाचार्या मीना जौहरी एम एल कान्वेंट करेली की प्रधानाचार्या अनुरूप श्रीवास्तव एमएल कान्वेंट मेंहदौरी की प्रधानाचार्या अंकिता सिंह एमएल कान्वेंट बाघम्बरी गद्दी के प्रधानाचार्य प्रेमेन्द्र श्रीवास्तव एम एल कान्वेंट करेलाबाग की प्रधानाचार्या निमिषा श्रीवास्तव तापसी धर माधवी श्रीवास्तव रश्मि श्रीवास्तव अंजुल श्रीवास्तव अतिरिक्त निदेशक महिम श्रीवास्तव पूनम श्रीवास्तव साहित्या सिंह जागृति श्रीवास्तव अनुपमा अग्रवाल मोनिका त्रिपाठी एस सेनगुप्ता ने मॉ सरस्वती स्वामी विवेकानन्द संस्थापक कैप्टन वी के वर्मा एवं स्व शील कुमारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित करके किया। मीरापुर युनिट के बच्चों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। सरस्वती वंदना के पश्चात करेली यूनिट के बच्चों ने स्वागत गीत गाया। एमएल कान्वेंट करेलाबाग की प्रधानाचार्या निमिषा श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को पुष्प गुच्छ एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के भूतपूर्व प्रधानाचार्या एवं शिक्षकों तथा कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्लेवे के बच्चों ने एक सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। फैशन शो में कक्षा एलकेजी से कक्षा दो तक के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने हिंदी अंग्रेजी तथा संस्कृत विषयों से सम्बन्धित चार्ट प्रदर्शनी में भाग लिया। विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों ने हाइड्रोलिक लाइट हाइड्रोपावर एसिड रेन न्यूटनस लॉ ऑफ मोशन पाचनतंत्र मल्टीमीटर रंग परिवर्तन जलशोधन आदि के मॉडल बनाए। बच्चों ने सामाजिक विज्ञान से सम्बन्धित राष्ट्रीय प्रतीक लैंगिक भेदभाव जलविद्युत संयंत्र ग्लोबल वार्मिंग जल विद्युत संयंत्र इण्डिया गेट कुतुबमीनार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आदि के मॉडल बनाये थे।

सौम्या को मिला गोल्ड मेडल के साथ कुमार संत रामपुर पुरस्कार

सोनभद्र। जनपद मुख्यालय स्थित न्यू कालोनी निवासी होम्योपैथीक चिकित्सक डाक्टर संजय सिंह की बिटिया सौम्या सिंह ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की छात्रा के रुप में स्नातक पेंटिंग में पहला स्थान प्राप्त करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। सौम्य को गोल्ड मेडल के साथ ही कुमार संत रामपुर पुरस्कार भी प्रदान किया गया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के 104वे दीक्षांत समारोह में स्वतंत्रता भवन के सभागार में आयोजित भव्य समारोह के दौरान सौम्य को गोल्ड मेडल के साथ ही कुमार संत रामपुर पुरस्कार प्रदान किया गया। सौम्य के इस सफलता पर बडी संख्या में लोगों ने चिकित्सक डाक्टर संजय सिंह की बिटिया सौम्या सिंह को बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

दुद्धी में मनाया गया वनाधिकार दिवस

सोनभद्र। दुद्धी स्थानीय खेल मैदान के मंच पर रविवार को वनाधिकार दिवस मनाया गया। वनाधिकार दिवस की अध्यक्षता करते हुए शुकालो गोंड ने कहा कि 15 दिसंबर 2006 को वनाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। इस दिन सन 2006 में हमारी संसद ने इस कानून को पारित किया। जिसके तहत वनाश्रित समुदाय को उनकी वन एवं वनभूमि पर मालिकाना हक़ प्रदान किया गया है। लेकिन अभी तक इस कानून के तहत हमें अपने अधिकार नहीं मिल रहे और आदिवासियों को उनकी जमीन और घर से खदेड़ा जा रहा है। इसके साथ ही जिले में अभी तक 26 ग्राम सभा द्वारा दायर सामुदायिक दावों का निस्तारण भी नहीं किया गया है, जिन दावों को हमने जिलाधिकारी को 2018 और फिर 2022 में सौंपे थे। सरकार द्वारा भी इस विशेष कानून की अनदेखी की जा रही है। हमारा संगठन वन एवं भूमि अधिकारों पर वनाश्रित समुदाय और विशेषकर महिलाओं के अधिकारों के प्रति समर्पित है। हम अपनी भूमि एवं वनों पर अपना हक़ चाहते हैं ताकि हम अपने वनाधिकार जल, जंगल, जमीन की अपने घर की जमीन, अपने खेती की जमीन को सामूहिक रूप से बचा सके और उसकी रक्षा कर सकें। इस मौके पर शुकालो किसमती मानमती मुन्नर बृजबाल जागवत फुलकुवर बाबुलाल लीलावती राजेंद्र राम बरन सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

अवैध कब्जे का लगाया गया आरोपः हरिहर प्रसाद के मकान का प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौके पर पैमाईश कराकर निर्माण कराया गया है। जिसका मामला न्यायालय में है। जिसमें आस पास के निवासियों द्वारा जबरिया अवैध कब्जे करवाने की नियत से कार्यालय खोलने का आरोप मकान स्वामी द्वारा लगाया गया है।

अधिवक्ता परिषद की टैक्स इकाई ने किया न्यायमूर्ति डॉ. शेखर यादव का समर्थन

प्रयागराज। अधिवक्ता परिषद की टैक्स इकाई ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ शेखर कुमार यादव का समर्थन किया है। आवश्यक बैठक कर अधिवक्ता परिषद की टैक्स इकाई ने एक स्वर से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डॉ शेखर कुमार यादव के पक्ष में समर्थन दिया। वक्ताओं ने कहा कि न्यायमूर्ति अनुशासित सख्त एवं न्यायप्रिय हैं। उनके जिस वक्तव्य को लेकर कांग्रेसी नेता कपिल सिब्बल ने मोर्चा खोल दिया है वह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। इकाई ने कपिल सिब्बल के इस कृत्य की निंदा की है। वक्ताओं ने कहा कि न्यायमूर्ति डॉ शेखर कुमार यादव ने बहुत ही संतुलित एवं सधे शब्दों में यूनिफार्म सिविल कोड लागू किये जाने पर अपना मंतव्य जाहिर किया है। जिसे पूर्णता के साथ लिया जाना चाहिए।राजनैतिक अज्ञातवास भोग रहे कुछ नेताओं के द्वारा न्यायमूर्ति के बयान को गलत बताकर महाभियोग जैसा कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यह कृत्य केवल अपने राजनैतिक वजूद को बचाने का प्रयास है जो यह सिद्ध करता है कि ऐसे लोग न्यायपालिका पर अपना वर्चस्व बनाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। बैठक में मुख्य रूप से अधिवक्ता के एन कुमार एन के अरोड़ा रतन कुमार टंडन नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव रवि शंकर पाण्डेय संयोजक शशांक केसरवानी सह संयोजक संजीव सक्सेना स्वप्निल कुमार नागेंद्र सिन्हा विकास पाण्डेय अमित ओझा अनुराग श्रीवास्तव मयंक अरोड़ा सतीश जैसवार लोग उपस्थित रहे।

इंडियन लायर्स एसोसिएशन न्यायमूर्ति शेखर यादव के समर्थन में

प्रयागराज। इंडियन लायर्स एसोसिएशन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डॉ शेखर कुमार यादव की साफगोई की सराहना की है। एसोसिएशन ने कहा है कि उनका उद्बोधन पूर्णतया संवैधानिक है। कुछ भी अनुचित नहीं कहा।एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा भारतीय संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति को केंद्र में रखकर संविधान की रचना की है। केवल सनातन धर्म ही धर्म निरपेक्षता की सीख देता है।अन्य कोई ऐसा विदेशी पंथ नहीं जो पंथनिरपेक्षता को मानता हो। जनतंत्र में देश के बहुसंख्यक धर्म की भावना के अनुरूप शासन प्रणाली अपनाई गई है। जिसके कारण देश में शांति व भाईचारा बनाए हुआ है। एसोसिएशन ने न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ कुछ लोगों द्वारा लाए गए महाभियोग की कार्यवाही की निंदा की है।

एक देश एक चुनाव

परिवर्तनकारी कदम

'एक देश एक चुनाव' पहल से भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन आ सकता है। भारत के राजनीतिक विमर्श में 'एक देश एक चुनाव' काफी बहस का विषय है। 12 दिसंबर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय कैबिनेट ने इसके विधायी प्रारूप को मंजूरी दे दी जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एकसाथ तथा उसके 100 दिन के भीतर स्थानीय निकाय चुनावों की संभावना पैदा हो गई है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य भारतीय चुनाव प्रक्रिया को सहज बनाना, बार-बार चुनाव के कारण प्रशासनिक और आर्थिक बोझ घटाना तथा प्रशासन में सुधार करना है। 'एक देश एक चुनाव' पहल से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं तथा नगर निगमों व पंचायतों के चुनाव कार्यक्रम में परिवर्तन होगा। प्रस्तावित विधान को संसद के वर्तमान शीत सत्र में पेश करने की योजना है। इससे सरकार का परिवर्तनकारी सुधारों पर राष्ट्रव्यापी विचार-विमर्श का इरादा स्पष्ट होता है। इस विधायी प्रारूप में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की 11 संस्तुतियां शामिल हैं। इन संस्तुतियों का उद्देश्य वर्तमान बिखरे हुए चुनाव कार्यक्रम के कारण आने वाली बाधाओं को संबोधित करना है जिससे आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संसाधनों पर दबाव पड़ता है। एक प्रमुख सुझाव में लोकसभा और विधानसभा चुनावों का पहले चरण में समेकन करना और बाद में इसके 100 दिन के भीतर नगरपालिकाओं व पंचायतों के चुनाव कराना

है। सहज क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एक प्रतिबद्ध क्रियान्वयन समूह सुधारों की निगरानी करेगा।

प्रस्तावित एकसाथ चुनावों में सहायता के लिए एकीकृत मतदाता सूचियों की जरूरत होगी जिसके लिए अनुच्छेद 324ए व 325 में संशोधन करने होंगे। चुनावों में काफी वित्तीय संसाधन खर्च होते हैं और एकसाथ चुनाव कराने से सुरक्षा, लाजिस्टिक्स तथा प्रशासनिक खर्चों पर आने वाला खर्च कम होगा। बार-बार चुनावों के कारण लंबे समय तक आदर्श आचार संहिता लागू रहती है जिससे विकास गतिविधियों में बाधा आती है। एकसाथ चुनाव से इसे न्यूनतम किया जा सकता है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी सुधार के क्रियान्वयन में काफी लाजिस्टिक व संवैधानिक चुनौतियां हैं। चुनावों को एकसाथ लाने के लिए संविधान के अनेक अनुच्छेदों में संशोधन करना होगा जिनमें अनुच्छेद 83, 85, 172, 174 व 356 शामिल हैं। इनको राज्य विधानसभाओं से सहमति दिलानी होगी। विविधतापूर्ण क्षेत्रीय हितों को देखते हुए पार्टियों के बीच राजनीतिक सहमति तैयार करना एक और महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग को संसाधनों को जुटाना होगा जिसमें अतिरिक्त ईवीएम व वीवीपैट तथा चुनावों की तैयारी के लिए कर्मचारी व राष्ट्रव्यापी ढांचागत संरचना शामिल है। इसके साथ ही एकसाथ चुनाव से राष्ट्रीय विमर्श पर स्थानीय मुद्दों का प्रभुत्व घट सकता है जिससे क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। थोड़े ही समय में राष्ट्रव्यापी चुनावों का समन्वय अनेक लाजिस्टिक चुनौतियां सामने लाता है। इसके साथ ही विधायिकाओं के बीच में ही भंग होने पर प्रशासनिक कमी दूर करने के प्रयास करने होंगे जिससे नीतिगत विकलांगता पैदा हो सकती है। हालांकि, 'एक देश एक चुनाव' प्रस्ताव क्षमता एवं खर्च के दृष्टिकोण से प्रभावशाली है, पर इसके क्रियान्वयन के लिए संवैधानिक, लाजिस्टिक व राजनीतिक जटिलताओं पर बहुत सतर्कता से ध्यान देना होगा।

बांग्लादेश में पंथनिरपेक्षता पर संकट

अतिवादी विचारधाराओं की बढ़ती आक्रामकता तथा विरोध को कुचलने के कारण बांग्लादेश के एक कट्टरपंथी इस्लामवादी देश बनने का खतरा पैदा हो गया है।

हिरण्मय कार्लेकर
(लेखक, दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं)

यह लगातार स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत तथा सभी पंथनिरपेक्ष व लोकतांत्रिक लोगों और संगठनों की कट्टर दुश्मन शक्तियां, यानी कट्टरपंथी इस्लामवादी संगठन बांग्लादेश में हावी होते जा रहे हैं। अंतरिम सरकार के नेतृत्व में ऐसे तत्वों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। इसका एक स्पष्ट संकेत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लेखक, पत्रकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा लोकतंत्र व पंथनिरपेक्षता के अडिग समर्थक शहरयार कबीर का अथक उत्पीड़न है। उन्होंने अथक रूप से 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान हुए युद्ध-अपराधों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया। वे भयानक स्थितियों में कासिमपुर जेल में बंद हैं, जबकि उनको एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा 'प्रिजनर आफ कांसेंसेस' घोषित किया गया है तथा एक मजिस्ट्रेट ने उनको प्रथम श्रेणी देने का आदेश दिया है जिसमें एक अलग कमरा तथा अन्य सुविधायें शामिल हैं।

इसका कारण यह है कि कासिमपुर जेल पर क्षेत्राधिकार वाले गाजीपुर जिले के डिप्टी कमिश्नर ने इस आदेश पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जबकि उनके हस्ताक्षर के बाद ही यह आदेश प्रभावी होगा। खबरों के अनुसार उनके द्वारा इस पर जल्दी हस्ताक्षर की संभावनायें भी नहीं दिख रही हैं। इसके परिणामस्वरूप 74 वर्षीय कबीर एक साधारण जेल में बंद हैं जिसकी फर्श जाड़े में बहुत ठंडी होती है जिससे उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा है। इसके पहले 20 अक्टूबर को ढाका के चीफ मैट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में रिमांड सुनवाई के दौरान कबीर ने शिकायत की थी कि उनको जेल में उपयुक्त चिकित्सकीय सहायता नहीं मिल रही है।

2 नवंबर को उनको शहीद ताजुद्दीन अहमद मेडिकल कालेज अस्पताल जांच के लिए ले जाया गया था। उप-निदेशक के अनुसार वे वृद्धावस्था संबंधी अनेक विकृतियों के शिकार थे और उनकी स्थिति गंभीर थी। कबीर को उच्च रक्तचाप व मधुमेह है तथा उनकी किडनी में पथरियां हैं। उनके मल से रक्त निकल रहा है। लेकिन डिप्टी कमिश्नर की भूमिका को देखते हुए यह समझना कठिन है कि नोबेल पुरस्कार विजेता मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार उनको प्रथम श्रेणी का दर्जा क्यों नहीं दे रही है। यह स्थिति इस तथ्य के बावजूद जारी है कि उनकी रिहाई के लिए व्यापक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय मांग की गई है। स्पष्ट रूप से इसका कारण हिफाजत इस्लाम और बांग्लादेश जमाते इस्लामी जैसे संगठनों का दबाव है।

कबीर के अभियोजन में हिफाजत का हाथ इस तथ्य से स्पष्ट है कि उनको जेल में बंद करने के लिए लगे अनेक आरोपों में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय क्राइम ट्राइब्यूनल द्वारा 20 अगस्त, 2024 को हिफाजत के संयुक्त सचिव मुफ्ती हारून इजहार चौधरी द्वारा लगाया आरोप शामिल है। इसके अनुसार शेख हसीना तथा अन्य 23 आरोपियों के साथ उन पर मानवता के खिलाफ आरोप लगाया गया है जिसमें हिफाजत के समर्थकों और सुरक्षा बलों के सदस्यों तथा अवामी लीग एक्टिविस्टों के बीच ढाका रैली में 5 मई, 2013 को हिंसक झड़पों में संलिप्तता शामिल है। यह रैली 13 सूत्रीय मांग पत्र लागू कराने के लिए हुई थी जिसमें इस्लाम के अनुसार कठोर 'ड्रेस कोड' लागू करने तथा मूर्तियों, मोमबत्ती लेकर प्रदर्शन करने एवं पुरुषों व महिलाओं के एकसाथ एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाने की मांगें शामिल थीं। इसके साथ ही अवामी लीग सरकार की महिला विकास नीति समाप्त करने की पैरवी की गई थी। इसके अलावा अहमदियों को 'गैर-मुस्लिम' घोषित करने की मांग भी इनमें शामिल थी। हिफाजत के इस चार्टर में कट्टरपंथी विचारधारा शामिल थी जिसका गठन 2010 में अवामी लीग सरकार के महिला विकास कार्यक्रम का विरोध करने के लिए हुआ था। इसमें संपत्ति में महिलाओं को समान अधिकार देने का वादा किया गया था।

मुख्यतः सुन्नी धर्मगुरुओं तथा 19,199 कौमी मदरसों के नेटवर्क व उसके छात्रों पर नियंत्रण करने वाले इस बांग्लादेशी संगठन की सड़कों पर लोगों को उतारने की बहुत बड़ी क्षमता है। उसके गंभीर भारत-विरोधी दृष्टिकोण का स्पष्टीकरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ढाका यात्रा के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शनों से हुआ था। मोदी की यात्रा बांग्लादेश स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर 26 मार्च, 2021 को हुई थी। इन हिंसक विरोध प्रदर्शनों में 13 लोग मारे गए थे तथा सुरक्षा बलों और अवामी लीग समर्थकों से हुई झड़पों में अनेक लोग घायल हुए थे। हालांकि, अंतरिम सरकार के सारे निर्णय हिफाजत से संचालित नहीं हैं, पर निश्चित रूप से इसका व्यापक प्रभाव है और इसकी छोटी बड़ी सभी मांगें पूरी की जाती हैं। मुक्तिधाम आश्रम तथा लालोन अकादमी, काशीपुर द्वारा आयोजित 'महती साधुसंग एवं लालोन मेला' का आयोजन 22 नवंबर, 2024 को होना था। इस मेले का संबंध नृत्य, गान तथा भोजन से है।

पूरे बांग्लादेश के बाउल गायक और भक्त इस अवसर पर एकत्र होते हैं। लेकिन जिला प्रशासन ने यह आयोजन रद्द कर दिया। 23 नवंबर, 2024 को 'द डेली स्टार' में प्रकाशित एक रिपोर्ट में आश्रम और अकादमी के संस्थापक फकीर शाह जलाल के हवाले से बताया गया था कि 'सभी व्यवस्थायें की जा चुकी थीं, लेकिन प्रशासन ने आयोजन की अनुमति नहीं दी। इसके पीछे मुस्लिम समुदाय के कुछ सदस्यों की आपत्ति बताई गई थी। हालांकि, हमने बिना लाउडस्पीकरों के भीतर आयोजन की अनुमति भी मांगी, पर इससे इनकार कर दिया गया।'

आध्यात्मिक नेता, दार्शनिक, रहस्यवादी कवि तथा समाज सुधारक लालोन ने एक 'वेल्टनश्चुंग' की रचना की थी जिसमें भक्ति संप्रदाय व सूफीवाद का मिश्रण था। इसमें जाति, वर्ग, नस्ल के सभी भेदों को अस्वीकार कर वैचारिक टकरावों व नस्लवाद का विरोध किया गया था। आश्चर्य नहीं कि ऐसा व्यक्ति कट्टरपंथी इस्लामवादियों को सहन नहीं हो सकता है।

द डेली स्टार की उपरोक्त रिपोर्ट में कहा गया था कि हिफाजते इस्लाम नेता मौलाना अब्दुल औवाल ने एक भाषण में प्रशासन को चेतावनी दी थी कि वह यह आयोजन रोके नहीं तो प्रदर्शनकारी इसका विरोध करेंगे। बांग्लादेश में अन्य इस्लामवादी संगठन भी अपनी शक्ति दिखा रहे हैं। ढाका में 25 नवंबर को जिला कौमी मदरसा परिषद के एक सम्मेलन में बोलते हुए बांग्लादेश खिलाफत मजलिस के महासचिव मामुनुल हक ने बांग्लादेश में इस्लामी क्रांति की दिशा में 5 अगस्त को महत्वपूर्ण कदम बताया। उसने कहा कि यह देश इस्लामवादी परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। आश्चर्य नहीं कि अहमदियों और सूफियों पर हमले हो रहे हैं। 6 अगस्त को अहमदियों की अनेक मस्जिदों पर हमले हुए।

29 अगस्त को शेरपुर जिले में बाबा पगला अली की सूफी दरगाह पर हिंसक हमला हुआ। इसी प्रकार हिंसक भीड़ ने 3 सितंबर को सिराजगंज जिले में इस्माइल पगला की दरगाह को लूट कर वहां तोड़फोड़ की। इस बीच इस्लामवादी आतंकी संगठन-अंसारुल इस्लाम व हिज्बुतहरीर लगातार सक्रिय हैं। तहरीर पर प्रतिबंध के बावजूद उसके समर्थकों ने 9 अगस्त को ढाका में रैली की तथा बांग्लादेश में इस्लामी खलीफा स्थापित करने की मांग की। इसके साथ ही जुलाई, 2026 में होली आर्टीसन बेकरी में आतंकवादियों के मुकाबले में शहीद हुए दो पुलिस अधिकारियों की मूर्तियां तोड़ डाली गईं।

अंतरिम सरकार का अंसारुल इस्लाम व तहरीर के प्रति दृष्टिकोण बहुत नरम है। अंसार अल इस्लाम के मुखिया को 26 अगस्त को जमानत पर रिहा कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप हिफाजत और जमात के हौसले बुलंद हैं तथा पंथनिरपेक्षता के पैरोकार शहरयार कबीर जैसे लोगों को जेल में बंद किया गया है। इसके साथ ही सांप्रदायिकता का विरोध करने वाले संगठन रक्षात्मक मुद्रा में हैं और खतरों का सामना कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि बांग्लादेश धीरे-धीरे न केवल कट्टरपंथी इस्लामवादी देश, बल्कि आतंकवाद के निर्यातक देश की ओर आगे बढ़ रहा है।

परिवर्तन के साथ सामंजस्य

जबकि परिवर्तन को अक्सर प्रगति के स्रोत के रूप में देखा जाता है, इसकी निरंतर गति कई लोगों को मानसिक रूप से थका सकती है।

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

चाहे हम इसे पसंद करें या नहीं, हमें लगातार बदलते समय, बदलते विचारों और बदलते भविष्य के साथ तालमेल बिठाना होगा। आज, परिवर्तन इतना तेज हो गया है कि कुछ लोगों, विशेष रूप से पेशेवरों को उभरते रुझानों पर लगातार नजर रखनी पड़ती है और परिवर्तन के साथ तालमेल रखने के लिए हमेशा तैयार रहना पड़ता है। लंबे समय तक लगातार खुद को हाई गियर में रखने के परिणामस्वरूप, कई लोगों को लगता है कि तेज बदलाव उनकी नसों को हिला देते हैं और शारीरिक और मानसिक रूप से इतने थकाऊ और बोझिल हो जाते हैं कि जीवन आनंद से ज्यादा एक समस्या बन जाता है। हालाँकि, हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि हर बदलाव एक अभिशाप है।

नहीं! आम धारणा के विपरीत, परिवर्तन आम तौर पर जीवन की एक स्वागत योग्य विशेषता है, और स्थिरता को हमेशा उबाऊ माना जाता है। यह परिवर्तन की तेजी और उच्च आवृत्ति, या परिवर्तन की विशालता है, जो जिम्मेदार लोगों को आवश्यक शारीरिक और मानसिक आराम से वंचित करती है, उन्हें हमेशा चलते रहने और चिंता में रहने के लिए मजबूर करती है।

लेकिन सवाल यह उठता है कि तेज और लगातार बढ़ते बदलाव की इस स्थिति का कारण क्या है? अवलोकन और विश्लेषण हमें बताते हैं कि यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी है जो इस दुर्दशा के लिए जिम्मेदार है, क्योंकि वे व्यक्तियों को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में तेजी से जीवन जीने के लिए मजबूर करते हैं।

वे लोगों को मशीनों की तरह चलने के लिए मजबूर करते हैं, जो दिन-प्रतिदिन तेजी से आगे बढ़ रही हैं और

डिजाइन और कार्यों में बहुत अधिक बदल रही हैं। लेकिन अगर हम समस्या की गहराई में जाएं, तो हम पाएंगे कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी वास्तव में मानव जाति की सेवा में हैं; इसलिए, यह मनुष्य ही है जो तय करता है कि उसे किस तरह के गैजेट और सामान की आवश्यकता है और किस गति से - इसके विपरीत नहीं। विज्ञान का विकास मनुष्य की जरूरतों, इच्छाओं, मानसिकता, उद्देश्यों, भावनाओं, मूल्यों के सेट, विवेक और बाहरी प्रभावों पर आधारित है, जिसमें मीडिया के संपर्क और समाज की स्वीकृति, प्रशंसा या उसके कार्यों की आलोचना शामिल है। इसलिए, ये कारक प्रमुख प्रेरक शक्तियाँ हैं जो नए आविष्कारों या नए रूपों और डिजाइनों को जन्म देती हैं। ये कारक ही हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उद्देश्य और उपयोग किस लिए किया जाना चाहिए। ये ही नए रुझान निर्धारित करते हैं। ये ही पुराने को अस्वीकार करने और नए में बदलाव की ओर ले जाते हैं। इसलिए, परिवर्तन की तीव्रता, काफी हद तक, पुरानी व्यवस्था, मूल्यों के पुराने सेट, प्रचलित फैशन और रीति-रिवाजों और मौजूदा मानदंडों और विश्वासों की अस्वीकृति की तीव्रता पर निर्भर करती है। यह, बदले में, इस बात पर निर्भर करता है कि कोई व्यक्ति वर्तमान वस्तुओं, सुविधाओं, सेवाओं, प्रथाओं, मानदंडों, स्थिति-प्रतीकों और सुरक्षा आवश्यकताओं से कितनी जल्दी असंतुष्ट या असंतृप्त होता है।

यह असंतोष या असंतोष, कुछ मामलों में, उचित हो सकता है और ज्यादातर मामलों में, गलत मूल्यों और गलत दृष्टिकोणों से उत्पन्न मनुष्य की आंतरिक स्थिरता और आंतरिक खुशी की कमी के कारण हो सकता है। वर्तमान स्थिति का गहन विश्लेषण हमें इस निष्कर्ष पर ले जाएगा कि वर्तमान स्थिति, जो हमें या तो तनाव या अवसाद या अल्पकालिक आनंद की ओर ले जा रही है, हमारे अपने उपभोक्तावादी रवैये के कारण है, जो मुख्य रूप से कामुक सुख या आराम में मनुष्य की लिप्सता को पूरा करने के लिए तैयार है।

इस कठोर रवैये और गलत जीवनशैली में बदलाव लाने के लिए, हमें आध्यात्मिक मूल्यों के माध्यम से आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाकर अपने मन को सुधारने की आवश्यकता है, या जिसे आध्यात्मिकता कहा जाता है, जो विचारों और जीवन जीने के तरीके का बदलाव है। आज, जो लोग आध्यात्मिकता के माध्यम से अपनी मानसिकता, मूल्य प्रणाली और जीवनशैली में बदलाव लाए बिना बदलाव का सामना करने की कोशिश कर रहे हैं, वे वास्तव में बुद्धिमानी के संदेश से चूक गए हैं। इसलिए, यह सही समय है कि हम एक समाज के रूप में महसूस करें कि आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाकर जीवनशैली की सादगी ही वर्तमान अनिश्चित स्थिति का उपाय होगी जो हमें जोश और उत्साह के साथ तेजी से बदलाव का प्रबंधन करने में सक्षम बनाएगी।

आप की बात

विदेशों में शिक्षा

महोदय, विदेश में पढ़ाई करने जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या बढ़ रही है, जो एक गंभीर समस्या है। यह प्रतिभा पलायन न केवल हमारे देश की प्रतिभा को खोने का कारण बनता है, बल्कि यह हमारे देश के विकास को भी प्रभावित करता है। प्रतिभा पलायन के कारणों में प्रमुख है उच्च शिक्षा में जातिगत आरक्षण, उसके बाद नौकरी में उससे कम नंबर लाने वाले को प्राथमिकता! भारत में शिक्षा की गुणवत्ता विदेशों की तुलना में कम है। विदेशी विश्वविद्यालयों में बेहतर शिक्षा और अनुसंधान के अवसर होते हैं। वहां खर्च भी कम होता है। आरक्षण नहीं होने के कारण विदेशों में रोजगार के अवसर अधिक होते हैं और वेतन भी अधिक होता है। यह भारतीय छात्रों को विदेशों में पढ़ाई करने और वहीं रोजगार करने के लिए प्रेरित करता है। विदेशी देशों की वीजा नीतियाँ अक्सर भारतीय छात्रों के लिए आकर्षक होती हैं। कई देशों में छात्र वीजा पर पढ़ाई करने के बाद रोजगार के अवसर भी मिलते हैं। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए आर्थिक सहायता भी एक महत्वपूर्ण कारण है। कई छात्र विदेशी विश्वविद्यालयों में छात्रवृत्ति और अनुदान प्राप्त करने के लिए आवेदन करते हैं। प्रतिभा पलायन को रोकने के लिए, भारत में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र को एकसाथ मिलकर काम करना होगा।

— सुभाष बुड़ावनवाला, रतलाम

ढाई साल के मंत्री

ढाई साल के मंत्री, दिन चले अढ़ाई कोस वाली कहावत चरतार्थ करते हुए बरसों से मेहनत करके इस बार चुनाव जीतकर महाराष्ट्र की विधान सभा की शोभा बढ़ाने वाले महायुति के सदस्य केवल ढाई साल ही मंत्री बने रहेंगे। उसके बाद क्या होगा ये अभी किसी को भी नहीं मालूम. पर तय है कि वे ढाई साल तक अपने पद पर रहेंगे। ऐसा संकेत ही नहीं बल्कि साफ-साफ कह दिया है एनसीपी (अजीत) के प्रमुख व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मंत्रिमंडल गठन से पूर्व ही. शनि के ढैय्या सरीखा चलने वाला मंत्रिमंडल ढाई साल बाद फिर ढाई साल के लिए कैसा होगा ये तो पता नहीं किन्तु भारी फेरबदल भी हो सकता है. मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों मसलन (भाजपा (फडणवीस), एनसीपी(अजीत), शिवसेना (शिंदे) के बीच कुछ तो राज रहा होगा तभी ढाई साल का यक्ष प्रश्न उत्पन्न हुआ है. खैर जो भी हो ये उनकी अपनी राय, पार्टी व सरकार के बीच तैयार गाइडलाइन होगी तभी ढाई साल में कोई बड़े परिवर्तन के संकेत पहले से ही महाराष्ट्र की जनता के सामने ही नहीं बल्कि राष्ट्र के सामने भी आ गए हैं. वैसे ये ढाई साल वाला फार्मूला पूरा राष्ट्र 1977 की जनता पार्टी में भी देख चुका है जहां सरकार में शामिल अनेक घटक दलों में पूरे ढाई साल खींचतान बनी रही थी. वैसे वो बात अलग थी जिसमें अनेक घटक दल सरकार में थे।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

अंगदान का महत्व

विगत वर्षों से देश दुनियां में अंगदान का चलन अग्रसर हो रहा है। और हमारे देश प्रदेश में भी अंगदान के लिए लोगों में जागरुकता और इसके महत्व की झलक कहीं न कहीं देखने को मिल जाती हैं। दान शब्द ही अपने आप में मानव जीवन को पुण्य लाभ और ईश्वर के सानिध्य का आभास कराता है। और यह पुण्य लाभ, पुण्य कार्य सेवाभाव जन जन तक स्थान बना रहा। अक्सर दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति दम तोड़ देते हैं, या फिर कोई दानदाता जीवित अवस्था में अंगदान के नेक कार्य से प्रेरित होकर अपना देहदान, नेत्र दान, लीवर और अन्य अंगों के दान की घोषणा करता है। फिर परिजन संबंधित व्यक्ति की भावनाओ को सार्थक रुप देते हैं। सुझाव के तौर पर अंगदानी के परिजनों को मंचों पर सुशोभित और सम्मानित करना चाहिए। अंगदानी के परिजन या नामिनी व्यक्ति किसी को भी सरकारी नौकरी या सकारात्मक सोच रखकर सहयोग करना चाहिए। पीड़ित और दुखी परिवार और परिजनों का मनोबल मजबूत बनाने के लिए समाज और कल्याण कारी योजनाओ का लाभ, इत्यादि मिलना चाहिए। क्योंकि इसने कोई दो राय नहीं अंगदान देना दिल वालो का ही काम होता है। और सेवाभाव का संकल्प और जज्बे जुनून वालो का ही काम होता है। इस तरह की कारगर पहल से समाज में नई जन जागृति आएगी।

— योगेश जोशी, बड़वाह

कब तक बंटेगी रेवड़ी?

देश 2 सालों से चुनाव का सामना कर रहा है। 2023 में विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में चुनाव के बाद 2024 लोकसभा के नाम रहा। पिछले महीने महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव हुए हैं। आने वाले समय में दिल्ली में चुनावी महासमर होगा। इसके लिए राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए अभी से दांव खेलना शुरू कर दिए हैं। आप ने महिलाओं के लिए नगदी योजना का ऐलान किया है (सत्ता की होड़ में भाजपा के साथ ही कांग्रेस भी लगी हुई है। ऐसे में आगे क्या परिदृश्य नजर आएगा सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। सब जानते है कि रेवड़ी सरेआम मतों की खरीद फरोख्त है और माननीय न्यायालय ने भी इसको लेकर नाराजगी जाहिर की थी ऐसे में राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग ही रोक सकता है। एक आदर्श चुनावी आचार संहिता बनाई जाए जो समान रूप से सभी दलों पर राज लागू हो। इसमें मतदाताओं को लालच, आश्वासन और सुविधा देने की मंशा चुनावी अपराध हो और जिसका इन्हें उचित दंड मिले। आयोग की सख्ती ही रेवड़ी बांटने की संस्कृति के विस्तार को रोक सकती है।

— अमृतलाल मारू, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

पार्टी के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी बूथ अध्यक्षों का करें सम्मान:पाल

भाजपा के नव निर्वाचित बूथ अध्यक्षों को किया गया सम्मानित

बूथ अध्यक्षों के कंधा से कंधा मिलाकर करेंगे काम:गौरीशंकर

उरई (जालौन)। भाजपा के बूथ अध्यक्षों के सम्मान समारोह में क्षेत्रीय अध्यक्ष ने सारथी बनकर रथ को चलाया। इसके साथ ही तिलक कर व पगड़ी पहनाकर बूथ अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। भाजपा संगठन पर्व 2024 के बूथ अध्यक्ष निर्वाचन में नवनियुक्त बूथ अध्यक्ष के सम्मान समारोह में कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बूथ अध्यक्षों को सबसे पहले तिलक लगाकर व पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया। इसके बाद बूथ अध्यक्षों को सम्मान के साथ बग्घी में बैठाकर खुद उनके सारथी बने। इस दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संगठन की प्राथमिक इकाई बूथ अध्यक्ष ही हैं। इन्हीं से संगठन को अपनी बात आम जन तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। साथ ही विभिन्न समस्याओं से ही बूथ अध्यक्ष संगठन को अवगत कराते हैं ताकि उनका निराकरण किया जा सके। इसलिए उनकी जिम्मेदारी बहुत अहम है। उनका सम्मान करना भी गर्व की बात है। सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुये उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे मजबूत इकाई बूथ है। बूथ अध्यक्ष हमारे संगठन की महत्वपूर्ण जड़ है आज हम उनका अभिनन्दन करते है भारतीय जनता पार्टी सेवा करने वाली पार्टी है जिसका मुख्य उद्देश्य अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का विकाश अगर हम सभी लोग अपना-अपना बूथ जीत जाएंगे तो हम कभी भी किसी भी चुनाव को जीत जाएंगे फिर चाहे विधानसभा हो या लोकसभा हो। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि एवं संगठन के पदाधिकारी अपने सभी बूथ अध्यक्षों का सम्मान करें जिससे भारतीय जनता पार्टी को और अधिक मजबूत किया जा सके। इस मौके पर सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि हम अपने सभी बूथ अध्यक्षों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का काम करते है और हमेशा करते रहेंगे किसी बूथ अध्यक्ष की कोई भी समस्या हो हम उसके साथ हैं। इस दौरान मुख्य रूप से विधायक मूलचंद्र निरंजन, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, पूर्व जिलाध्यक्ष नागेंद्र गुप्ता, मनोज राजपूत, रामलखन औदीच्य, विवेक कुशवाहा, अग्निवेश चतुर्वेदी, हरेंद्र विक्रम, देवेंद्र यादव, नगर अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष रामेंद्र सिंह सेंगर बनाजी, प्रदीप कुमार, आलोक भदौरिया, पवन श्रीवास्तव, अनेकांत श्रीवास्तव, संजय सेंगर, भरत भदौरिया, कमलापति कुशवाहा, मनोज पालीवाल, आशु चतुर्वेदी, छोटे सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

गौशाला निरीक्षण में पानी हौज में मिली गंदगी, परिसर भी मिला गंदा

नायब तहसीलदार ने नाराजगी जत कमियां दूर करने के दिए निर्देश

कालपी (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर नायब तहसीलदार तारा शुक्ला ने घूम घूमकर कदौरा विकास खंड के कुरहना आलमगीर तथा मटरा गांवों की गौशालाओं का औचक निरीक्षण करके व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जहां पर कमियां देखकर गौशाला परिसर में सुधार लाने के लिये निर्देश दिए। नायब तहसीलदार तारा शुक्ला ने दोपहर को औचक तरीके से पहुच कर कुरहना आलमगीर गांव की गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला में भूसे का स्टॉक व रखरखाव देखा। भूसे का स्टॉक कम पाया गया। परिसर में मौजूद 80 गौवंशों की गणना की गई। गौशाला में पानी अव्यवस्था थी। पानी की कुंडी काफी दिनों से साफ नहीं की गयी थी। न ही अलाव की व्यवस्था थी। इसी तारतम्य में नायब तहसीलदार तारा शुक्ला ने मटरा गांव की गौशाला का स्थलीय निरीक्षण कर हकीकत देखी। गणना करने पर 90 गौवंश पाये गये। यहां पर भी उन्होंने ड्यूटी में मौजूद जिम्मेदार कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परिसर में पानी को स्वच्छ रखें तथा अलाव व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाये। नायब तहसीलदार तारा शुक्ला के औचक निरीक्षण से कर्मचारियों में बेचौनी फैल गई।

महाकुंभ के आयोजन के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने की अहम बैठक

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा कैम्प कार्यालय सभागार में कुंभ 2025 को सकुशल संपन्न कराए जाने के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ एक बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि कुंभ मेला से पूर्व सडकों की मरम्मत करा ली जाए, इसके साथ ही सडकों पर साइनेज बोर्ड लगाने, ट्रैफिक व्यवस्था, सी0सी0टी0वी0 कैमरा, शौचालय, रैनबसेरा व पार्किंग व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभाग से संबंधित समस्त तैयारियां समय से पूर्ण करा ली जाए, जिससे श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने पार्किंग व अस्थाई रैनबसेरा बनाए जाने हेतु आईटीआई मैदान व मिनी स्टेडियम बछरावा का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी नवीन चंद्रा ,अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ कुमार,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हरिदास तपोस्थली पर आयोजित हुआ बाबा औसानदास का साठवां भंडारा

महराजगंज (रायबरेली) क्षेत्र के बबुरिहा गांव स्थित बाबा हरिदास जी की पावन तपोस्थली पर बाबा औसानदास जी महाराज का 60 वां विशाल भंडारा आयोजित किया गया जिसमें सैकडों की संख्या में साधु संतों के आलावा हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।बता दें कि

बबुरिहा गांव स्थित श्री हरि दास की पावन तपोस्थली स्थित आश्रम पर प्रत्येक वर्ष बाबा लक्ष्मण दास जी महाराज द्वारा अपने अनुयायियों के सहयोग से बाबा औसानदास जी महाराज का भंडारा आयोजित किया जाता है, उसी क्रम में रविवार को औसान दास जी महाराज का साठवां विशाल भंडारा आयोजित हुआ जिसमें दूर दराज से साधु संतों ने पहुंचकर रामनाम सुमिरन भजन कर प्रसाद ग्रहण किया वहीं करीब एक हजार की संख्या में श्रद्धालुओं ने भी पहुंचकर पूडी सब्जी का प्रसाद चखा वहीं देवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फनीलू द्वारा भंडारे में आए हुए साधु संतों को कंबल वितरित किए गए।इस मौके पर विपेद्र सिंह, नागेंद्र सिंह परिहार,अजीत सिंह, हिमांशु सिंह,राजू सिंह,अमित सिंह भदोरिया,रामसेवक अग्रवाल,संजय सिंह, रुद्र प्रताप सिंह सहित संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

समर्पित एवं अनुभवी कार्यकर्ता चुना जाएगा मण्डल अध्यक्ष-अवधेश पाण्डेय

गौरीगंज,अमेठी।जनपद के सभी मंडलों में सोमवार 16 दिसम्बर को मंडल चुनाव आयोजित होंगे।पार्टी की पूरी कोशिश है कि मंडल अध्यक्ष चुनाव में सभी जाति व वर्गों समेत महिलाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित हो। रविवार को जिला चुनाव अधिकारी अवधेश पाण्डेय ने भाजपा जिलाध्यक्ष रामप्रसाद मिश्रा की अध्यक्षता में मंडल चुनाव अधिकारियों के साथ गौरीगंज स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर बैठक की।इस दौरान उन्होंने संगठन चुनाव की बारीकियां समझाई।बताया कि 35 से 45 वर्ष की उम्र के लोग ही मंडल अध्यक्ष पद के दावेदार हो सकते है।उन्होंने कहा मंडल सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी होना चाहिए। जितनी मजबूत बूथ और मंडल की इकाइयां होगी उतनी ही मजबूत भाजपा होगी।मंडल अध्यक्ष पद पर पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता ही अध्यक्ष बन पाएंगे?।इसके लिए अर्हता थोड़ी सख्त की गई है?।मंडल अध्यक्ष के लिए पिछले दो बार का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है। जिन्हें भी मंडल अध्यक्ष बनाया जाएगा वह पूर्व में मंडल के पदाधिकारी जरूर रहे होने चाहिए। भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने बताया कि मंडल अध्यक्ष के पद पर आम सहमति बनाते हुए चुनाव कराए जाएंगे। जिलाध्यक्ष रामप्रसाद मिश्रा ने भी मंडल चुनाव प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।कहा चुनाव में सुचिता व पारदर्शिता जरूरी है।बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी एवं उमाशंकर पाण्डेय, काशी प्रसाद तिवारी,सुधाँशु शुक्ला,गिरीशचन्द्र शुक्ला,भवानी दत्त दीक्षित,उपमा सरोज,आशा बाजपेई,भागीरथी मौर्य, अशोक मौर्य,सुरेश तिवारी,राकेश त्रिपाठी, प्रभात शुक्ला,उमा रमण सिंह, उमाशंकर तिवारी आदि उपस्थित रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जीवन गाथा आज भी प्रासंगिक

प्रयागराज। लोक माता अहिल्याबाई कुशल प्रशासक सफल रणनीतिकार निष्पक्ष न्याय करने वाली लोक कल्याणकारी राज्य की आदर्श संस्थापिका थीं। उन्होंने ही नारी सशक्तीकरण की संकल्पना को सच्चे अर्थों में साकार किया था। उनकी जीवन गाथा आज भी प्रासंगिक है। उससे प्रेरणा लेकर 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प पूरा किया जा सकता है। सच तो यह है कि उनकी शासन व्यवस्था से आज भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

यह विचार लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए समारोह के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी ने कहीं। वह रविवार को एमएनएनआईटी के एमपी हॉल सभागार में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे। उन्होंने कहा कि लोक माता अहिल्याबाई का महत्व इन अर्थों में और भी ज्यादा है कि उन्होंने भारतीय जीवन मूल्यों की पुन 'प्रतिष्ठा की। निर्लिप्त प्रभाव से उन्होंने राज्य का संचालन किया।नारी सशक्तिकरण को

उन्होंने नयी परिभाषा दी। भारतीय चिंतन में स्त्री और पुरुष दाल के दो दानों की तरह है दोनों ही समान है। न कोई छोटा ना कोई बड़ा। पश्चिमी देशों में शेक्सपियर जैसे नाटककारों ने स्त्री की महत्ता को कम किया है जबकि हमारे यहां दुर्गा सप्तशती से लेकर विभिन्न ग्रंथों में नारी को शक्ति का प्रतीक बताया गया है। श्री सोनी ने बड़े स्पष्ट शब्दों में कहा कि वर्तमान न्याय न्याय व्यवस्था अर्थव्यवस्था कर प्रणाली तथा शासन की संपूर्ण व्यवस्था की सीख अहिल्याबाई की जीवन गाथासे ली जा सकती है।उन्होंने सच्चे अर्थों में लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना की। श्री सोनी ने कहा कि वह भविष्य दृष्टा भी थी। 1790 में एक पत्र लिखकर उन्होंने कहा था कि आने वाले समय में धूर्त अंग्रेज देश के संकट का कारण बनेंगे। वह शेर की तरह नहीं बल्कि भालू की तरह धोखा देकर के यहां के राज्य को हड़प लेंगे। उनकी भविष्यवाणी एकदम सच निकली। इसीलिए उनकी जीवन गाथा का गहराई से अध्ययन करने की जरूरत है। जीवन के हर क्षेत्र में आज उनकी प्रासंगिकता है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर 2047 तक भारत को विश्व की गुरु के रूप में खड़ा किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि एवं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह समिति की राष्ट्रीय सचिव कैप्टन मीरा सिद्धार्थ दवे ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने पहली बार महिलाओं को सशक्त किया। जिसके डर से उनके राज्य पर आक्रमण करने के लिए सीमा पर आए रघुनाथ राव को वापस लौट के लिए विवश होना पड़ा। वह वास्तव में शेरनी थी और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक थीं। विशिष्ट अतिथि एवं समिति के कार्याध्यक्ष अहिल्याबाई के वंशज उदय राजे होल्कर ने कहा कि अहिल्याबाई परोपकार की प्रतिमूर्ति थी। निष्पक्ष न्याय के लिए तो उनके जैसा कोई दूसरा था ही नहीं मैं स्वयं इंदौर में रहता हूं और इंदौर उनकी निष्पक्ष न्याय का उदाहरण है। वहीं पर उन्होंने गाय के बच्चे की मृत्यु हो जाने पर अपने पुत्र को प्राण दंड का की सजा सुनाई थी। पूरे देश में उन्होंने सनातन धर्म की ध्वजा पहरी और सनातन धर्म के प्रति का पुनरुद्धार किया वह अखंड हिंदुस्तान की संकल्पना को लेकर आगे बढ़ रही थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी समारोह समिति की अखिल भारतीय अध्यक्ष प्रो चंद्रकला पाड़िया ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर की जयंती आत्म मंथन दिवस के रूप में मनाई जानी चाहिए। उन्होंने पश्चिम में सभ्यता कौन करते हुए भारतीय परिपेक्ष में नारी सशक्तिकरण के मानदंड को स्थापित किया।

कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

अमेठी।अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी पूर्व मंत्री राजेश तिवारी ने आज रविवार को केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय गौरीगंज के राजीव गांधी सभागार में बैठक की ह्व महत्वपूर्ण बैठक में 18 दिसंबर को विधानसभा घेराव की रूपरेखा तैयार की और उपस्थित कांग्रेस जनों को बताया कि लखनऊ में अमेठी की भागीदारी सबसे अधिक होनी चाहिएअमेठी कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि अमेठी कांग्रेस निवर्तमान स्थिति में भी सबसे बड़ी ताकत के साथ लखनऊ में उपस्थित रहेगी कार्यक्रम की तैयारी को बताते हुए कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी,पीसीसी,फ्रंटल संगठन, व पदाधिकारी अपने साथ 10 लोगों को लेकर जाएंगे।प्रदेश सचिव अमेठी संगठन प्रभारी फरहान वारसी ने बताया कानून और संविधान पर विश्वास है लेकिन केंद्र और प्रदेश की सरकार सिर्फ हिटलर शाही कर रही है ह्व कार्यक्रम में सभी ब्लॉक अध्यक्ष, महिला कांग्रेस,सेवादल, विधानसभा प्रभारी तथा पदाधिकारियों सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता परमानन्द मिश्रा,किरन देवी,अनिल सिंह, रजवाड़ी पासी,मो मतीन,सुनील सिंह,फतेह बहादुर,अर्जुनपासी, वीरेंद्र मिश्र,रामबरन कश्यप,गीता सिंह,रामदत्त यादव,शकील इदरीसी,आई पी माली,शुभम सिंह,सुमित तिवारी, इंद्र पाल प्रभाकर,त्रिभुवन पासी,आशिफ उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने बंठिहवा चौकी क्षेत्र में फायरिंग बट का किया शुभारंभ

श्रावस्ती। भिनगा - पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने थाना को0 भिनगा अंतर्गत चौकी बंठिहवा क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से निर्मित फायरिंग बट का उद्घाटन किया इस अवसर पर जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी और पुलिस अधीक्षक ने फायरिंग कर इसका शुभारंभ किया। इस फायरिंग बट के निर्माण से जनपद के पुलिसकर्मियों को अपनी फायरिंग दक्षता का नियमित अभ्यास करने का अवसर मिलेगा। अब तक श्रावस्ती जनपद के पुलिसकर्मियों को अभ्यास के लिए अन्य जनपदों में जाना पड़ता था जिससे समय और संसाधनों की हानि होती थी फायरिंग बट के संचालन से पुलिसकर्मी अपने समय का सदुपयोग करते हुए अपने कौशल को और अधिक निखार सकेंगे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह फायरिंग बट पुलिसकर्मियों की कार्यदक्षता और पेशेवर कौशल को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है इससे जनपद के पुलिसकर्मी नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में और भी अधिक सक्षम बनेंगे। इस दौरान क्षेत्राधिकारी भिनगा संतोष कुमार प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भिनगा भानु प्रताप सिंह प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार चौकी प्रभारी बंठिहवा श्री राणा विशाल प्रताप आर्मोरर सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

इजरायल से सबक ले हिन्दू समाज

सनातन एकता मिशन के कार्यक्रम में बोले प्रवीण भाई तोगड़िया

प्रयागराज। विश्व हिन्दू परिषद के अन्तरर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण भाई तोगड़ियाने रविवार को प्रयागराज में कहा कि देश के सौ करोड़ हिन्दुओं को इजरायल से सबक लेना चाहिए। वहां की 90 लाख आबादी 12 देशों की 15 करोड़ जनसंख्या पर भारी है। जबकि यहाँ पर सौ करोड़ हिन्दुओं की 15 करोड़ आबादी वाले ठुकाई कर रहे हैं। प्रवीण भाई तोगड़िया आज सनातन एकता मिशन की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। श्री तोगड़िया ने कहा कि आज देश के 50 लाख लोग हनुमान चालीसा का योजनाबद्ध पाठ कर रहे हैं। आने वाले समय में 25 करोड़

हनुमान भक्त एक साथ हाथ उठाकर हनुमान चालीसा का उद्घोष करेंगे यह विश्व हिन्दू परिषद का मिशन है। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा से आर्मी वाली ट्रेनिंग अपने आप आ जायेगी। फिर हिन्दू इतना मजबूत हो जायेगा कि उसे परेशान करना तो दूर कोई भी व्यक्ति किसी हिन्दू की तरफदेखने का भी साहस किसी में नही होगा। उन्होंने कहा कि यह एक्शन प्लान बहुत आगे बढ़ चुका है। उन्होंने प्रत्येक हिन्दू से इस अभियान में शामिल होने का आह्वान किया। सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अशोक पाठक ने कहा कि सनातन के मूल में

जो भावना है वह है सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामय: इसी भावना के अनुरूप समाज आचरण करें किन्तु इसी का पूरक मंत्र भी है अहिंसा परमो धर्म: धर्म हिंसा तथैव च किसी को भी इस मंत्र को नही भूलना चाहिए। कार्यक्रम में सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अशोक कुमार पाठक संरक्षक पंडित देवराज पाठक राजेन्द्र पाण्डेय सीताशरण शास्त्री महासचिव विपुलेश त्रिपाठी अनूप त्रिपाठी शैलेन्द्र अवस्थी दिलीप द्विवेदी डा एस के पाण्डेय डा टी एन पाण्डेय सुधीर द्विवेदी अनिल पाण्डेय दिवाकर तिवारी बृजबली तिवारी और जितेन्द्र तिवारी आदि उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से जीवंत हुआ लोकमाता का जीवन चरित्र

प्रयागराज। नारायण आश्रम की छात्राओं ने परंपरागत परिधानों मे महाराष्ट्र का लावनी नृत्य प्रस्तुत कर मराठी लोक संस्कृति का बोध कराया। एम एन एन आई टी की छात्रा ओजस्वी शुक्ला ने लोकमाता के जीवन पर आधारित मोनोलाग प्रस्तुत कर अहिल्या बाई के संपूर्ण जीवन को जीवंत कर दिया। ज्वाला देवी विद्या मंदिर इं का के छात्र छात्राओं ने मंच पर देवी अहिल्या बाई की शासन व्यवस्था पर लघु नाटिका का मंचन कर अहिल्या बाई की निष्पक्ष न्याय व्यवस्था का दिग्दर्शन कराया। इसमें महारानी ने अपने पुत्र राजकुमार मालेराव को मृत्यु दंड की सजा सुना कर अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संघ के प्रांत संघचालक अंगराज सिंह सह संघचालक प्रो राणा कृष्ण पाल सिह प्रांत प्रचारक रमेश प्रांत कार्यवाह डा राज बिहारी विभाग संघचालक प्रो केपी सिंह विभाग प्रचारक आदित्य सहकार्यवाह आशीष विद्या भारती के अध्यक्ष दिव्य कांत शुक्ल प्रांत प्रचार प्रमुख डा मुरार जी त्रिपाठी सह संघ चालक मिल्कियत सिंह बाजवा प्रचारक अमरनाथ एम एन एन आई टी के निदेशक प्रो आर एस वर्मा प्रो रवि प्रकाश तिवारी मुख्य स्थाई अधिवक्ता शीतला प्रसाद गौड़ विभाग प्रचार प्रमुख वसु आदि रहे।

कनोली राजस्व ग्राम की नहर पर सरकारी पेड धडल्ले से काटे जा रहे हैं

रायबरेली। सरकारी संपत्ति की लूट खसोट रुकने का नाम नहीं ले रही है, जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा सरकारी संपत्ति की अनदेखी के साथ-साथ उनका रखरखाव भी बेहतर नहीं किया जा रहा है। नतीजतन सरकारी संपत्ति लूटी जा रही है नहरो से खनन होने वाली बालू की लूट खसोट तो चल ही रही है, लेकिन अब नहर की पटरियों पर लगे सरकारी पेड जो राहगीरों को जेठ बैशाख के महीने में छांव प्रदान करते थे उनको भी बख्शा नही जा रहा है। सदर तहसील अंतर्गत कनोली राजस्व ग्राम की नहर जो जगतपुर से कला हैबतपुर होते हुए आती है उस पर लगे सरकारी पेड धडल्ले से काटे जा रहे हैं। नहर पटरी पर पेडों के ठूठ बता रहे हैं कि उनके चरण स्थानीय लकडहारो के द्वारा किया गया है। इस संबंध में जब वन विभाग के रेंजर से बात की गई तो उन्होंने पेड के काटे जाने की जानकारी से इनकार करते हुए कहा मैं छुट्टी पर हूं। मुझे कोई जानकारी नहीं है। वापस ड्यूटी पर आने पर पता करके बताऊंगा। नहर विभाग के अवर अभियंता का कहना है कि मुझे कोई जानकारी नहीं है मैं पता कर लूंगा। सरकारी मुलाजिम होते हुए सरकारी संपत्ति इतनी बेफिक्री कि उन्हें पता तक नहीं है कि उनके हल्का क्षेत्र में क्या हो रहा है।

सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

रायबरेली, भारतरत्न, देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, ग्रह मंत्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की पुण्यतिथि एवं भूतपूर्व मंत्री भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार, पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जनपद के गौरव बैजनाथ कुरील जी की जयंती के अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने तिलक भवन में दोनों महापुरूषों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।बस स्टेशन चौराहा स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा एवं सुपर मार्केट स्थित बैजनाथ कुरील की जी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद कियाइस अवसर पर कांग्रेस कार्य.जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि 565 रियासतों को एक नये स्वतंत्र भारत में जोड़ने वाले सरदार पटेल का राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सरदार बल्लभ भाई पटेल ने स्वतंत्रता आन्दोलन में मुख्य भूमिका निभाकर गांधी विचार धारा को मजबूत किया।प्रमुख रूप से विजयशंकर अग्निहोत्री, निर्मल शुक्ला, महताब आलम, राजकुमार दीक्षित, अनिल कुमार मिश्रा, सूर्य कुमार बाजपेई, मनोज मिश्रा, सर्वोत्तम कुमार मिश्रा, अंकुर चौधरी, बबलू अंसारी, मोहम्मद गौस, यज्ञदेव शर्मा, नितिन कुमार, हाजी उस्मान, अखिलेश मिश्रा सहित अन्य कांग्रेसी जन उपस्थित रहे।

रात्रि भ्रमण कर एसडीएम व सीओ ने अलावों की हकीकत परखी

कालपी (जालौन)। राहगीरों तथा निराश्रित लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका तथा राजस्व विभाग के द्वारा सार्वजनिक स्थानों में अलाव स्थापित कराये जाने की जमीनी हकीकत परखने की मंशा से एसडीएम व सीओ ने रात्रि भ्रमण कर ऐसे स्थानों पर पहुंचे जहां अलाव लगाये जाने की जानकारी दी गयी थी। नगर पालिका परिषद कालपी की ओर से कालपी नगर के अलग-अलग 36 सार्वजनिक स्थान में सार्वजनिक प्वाइंटों में अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। जब कि राजस्व विभाग के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के सार्वजनिक तथा भीड़ भाड़ वाले स्थान में अलाव जलाने की व्यवस्था है। बीती रात को एसडीएम सुशील कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने घूम-घूम कर आलाव के पॉइंट स्थलों का निरीक्षण किया गया। पालिका के अधिशासी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ला ने बताया कि पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव के निर्देश पर अलग-अलग जगह पर अलाव जलाने की व्यवस्था शुरू कर दी गई है।

टीबी मरीजों को पोषण पोटली का वितरण कर लिया हालचाल

उरई (जालौन)। प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के निर्देशानुसार अध्यक्ष, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय भारतीय रेडक्रास सोसाइटी जनपद जालौन के निर्देशानुसार प्रत्येक प्रबन्धकारिणी के सदस्यों को 5-5 टीबी मरीज गोद लेकर पोषण पोटली बांटने का आदेश दिया था। उसी क्रम में प्रबंधकारिणी सदस्य संजय गुप्ता ब्यूरो प्रभारी डीडी न्यूज ने 5 टीबी के मरीज गोद लेकर जिला क्षय रोग अस्पताल उरई में बुलाकर पोषण पोटली वितरित कर उनका हाल-चाल पूंछकर उन्हें जल्दी स्वस्थ होने की कामना की। उनके साथ रेडक्रास सोसाइटी जालौन के चेयरमैन डा. नरेश कुमार वर्मा और जिला क्षय रोग अस्तपाल उरई के राजीव उपाध्याय वरिष्ठ उपचार टीबी, संजय अग्रवाल, नूरूल उदा एवं हरी सिंह वर्मा आजीवन सदस्य उपस्थित रहे। पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम प्रत्येक माह रेडक्रास सोसाइटी जनपद जालौन उरई द्वारा चलता रहेगा जिससे जालौन जिला टीबी रोग से मुक्त हो सके।

बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक समस्या:डॉ. शुचिता चतुर्वेदी

उरई (जालौन)। अनुरागिनी संस्था द्वारा जनपद के छौंक कालपी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में जिला प्रशासन के सहयोग से बाल विवाह निषेध जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी एवं यूपीसीएलडीएफकी वाइस चेयरमैन जयति श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने कहा, ﬕबाल विवाह एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो न केवल बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाती है, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न करती है। हमें अपने बच्चों को शिक्षित और जागरूक बनाकर इस कुप्रथा को समाप्त करना होगा। जागरूकता ही परिवर्तन की पहली सीढ़ी है।ﬕ यूपीसीएलडीएफकी वाइस चेयरमैन जयति श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा, ﬕसमाज में व्याप्त बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हेल्पलाइन नंबर और

सरकारी योजनाओं की जानकारी हर बच्चे और अभिभावक तक पहुंचाई जानी चाहिए। कार्यक्रम में दीपा, रीमा, रिया, साम्य, सेजल, मानसी, प्रांजल, दिव्यांशी एवं मोहिनी ने एक लघु नाटक के माध्यम से बाल विवाह के दुष्प्रभावों को उजागर किया और बच्चों को बाल विवाह रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। साथ ही, बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के प्रति जागरूक किया गया, ताकि वे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। अनुरागिनी संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह ने कहा, बाल विवाह न केवल बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में अपना विकास कर सकें। अनुरागिनी संस्था इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है और करती रहेगी। जिला समन्वयक (कस्तूरबा विद्यालय) श्याम जी गुप्ता ने संगोष्ठी में कहा बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक है। बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस तरह के आयोजन बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डन रेवती कुमारी, पूजा भदौरिया, कुसुमलता, मधुबाला चतुर्वेदी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। संचालन शिक्षिका पूजा श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में जिला केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता जालौन के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राजावत, क्रय विक्रय सहकारी समिति के उप सभापति उदय प्रताप सिंह, कालपी सहकारी संघ के निदेशक रविन्द्र सिंह संस्था के उपाध्यक्ष बृजेश कश्यप, समन्वयक राहुल समाधिया, प्रद्युम्न सिंह, हरिहर सिंह, राज प्रताप सिंह सहित अनेक बालिकाओं, शिक्षकों, ने सहभागिता की। संगोष्ठी का उद्देश्य बच्चों, विशेष रूप से बालिकाओं, को बाल विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को प्रेरित करना था।

कन्नौज में लोक अदालत का आयोजन

- 43,377 वादों के निस्तारण पर वादकारियों के चेहरे पर आयी मुस्कान

कन्नौज। राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के दौरान जनपद न्यायालय कन्नौज में 43,377 वादों का निस्तारण कर वादकारियों के चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य किया गया। यह आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन जनपद न्यायाधीश चंद्रोदय कुमार ने किया। नवीन न्यायालय परिसर में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस आयोजन में छिबरामऊ, तिर्वा सहित जनपद के विभिन्न न्यायालयों और प्रशासनिक कार्यालयों में वादों के निस्तारण हेतु कार्य किया गया। इसमें न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक, बीमा कंपनियों और प्रशासनिक अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सत्र न्यायालयरू कुल 677 मामलों में से 435 मामले निस्तारित। परिवार न्यायालयरू 156 मामलों में से 109 मामलों का निस्तारण। स्थायी लोक अदालतरू 19 में से 3 मामले निस्तारित। मजिस्ट्रेट एवं सिविल न्यायालयरू 8,343 मामलों में से 4,241 मामलों का निस्तारण। इस अवसर पर जेल प्रशासन द्वारा बंदियों के उत्पादों की बिक्री हेतु स्टॉल भी लगाए गए, जिसमें एलईडी लाइट, गमले, इत्र आदि उत्पाद शामिल थे। वादकारियों ने इन उत्पादों को खूब सराहा। लोक अदालत में निस्तारित वादों के जरिए कुल 16,88,26,319 रुपयों की राशि आदेशित की गई।इस सफल आयोजन में न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सुलह और समझौते के माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया को सरल और जनहितकारी बनाया जा सकता है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि इस वर्ष आयोजित तीन लोक अदालतों में 1.5 लाख से अधिक वादों का निस्तारण हुआ है। आज निस्तारित हुए वादों के आधार पर इस वर्ष आयोजित हुई लोक अदालतों में 2 लाख से अधिक वाद निस्तारित हुए। राष्ट्रीय लोक अदालत के शुभारंभ समारोह का संचालन चीफ डिफेंस काउंसिल श्वेतांक अरुण तिवारी ने किया। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय विनोद कुमार, प्रधान न्यायाधीश शाहिद रजा, अपर जिला जज हरि प्रसाद, अपर जिला जज नंद कुमार, अपर जिला जज इंद्रजीत सिंह, अपर जिला जज अलका यादव, अपर जिला जज अजय श्रीवास्तव, अपर जिला जज पूर्णिमा पाठक, सीजेएम मिलिंद कुमार समेत समस्त न्यायाधीश व अधिवक्तागण मौजूद रहे।

बच्चों के बर्थडे पर खर्चा न देने पर पत्नी ने दो मासूमों को जहर देकर खुद किया आत्महत्या का प्रयास

मौदहा,हमीरपुर।. क्षेत्र के सिसोलर गांव में बेटे के बर्थडे पर पति द्वारा रुपया ना देने से नाराज महिला ने दोनों मासूम बच्चों सहित जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया।समय रहते उपचार मिलने से बडी अनहोनी होने से बच गयी। सिसोलर गांव निवासी चंद्र मोहिनी पत्नी शिवकुमार के बेटे दिव्यांश का बर्थडे आने के चलते गुजरात में कमा रहे अपने पति से रुपया मागा था, जिस पर पति ने वेतन न मिलने की बात कर उससे कुछ रूपयों से काम चलाने की बात कही इस बात पर फोन में दोनों पति.पत्नी की काफी नोंकझोक होने के बाद रविवार की सुबह आक्रोर्षित चंद्र मोहिनी ने घर में रखा जहरीला पदार्थ अपने बेटे दिव्यांश 5 वर्ष व दिव्यांशी ढाई वर्ष को भी खिला खुद भी खा लिया इसकी जानकारी होते ही उसके ससुर पुन्ना ने सभी को गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल मौदहा में भर्ती कराया जहां इलाज के बाद सभी की हालत में सुधार है।

संबिधान मे सभी को समानता का अधिकार प्राप्त है- सत्यपाल यादव

राठ(हमीरपुर)। कस्बे के रामलीला मैदान में रविवार बहुजन एकता मिशन के द्वारा बसोर पासवान समाज महापुरुष महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ बिंदा प्रसाद व विशिष्ट अतिथि चिरंजीलाल रामप्रसाद चन्द्रभान ने महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विभिन्न वक्ताओं ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए अपने ओजस्वी विचारों को प्रस्तुत किया। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सत्यपाल यादव ने कहा कि देश के माहौल को समझने की जरूरत है। बाबा साहब के संविधान में सभी को बराबरी से जीने का अधिकार है। कहा कि पासवान समाज के लोगों को अपनी मानसिकता बदलनी होगी। उन्हें समाजिक विषमता की भावना का परित्याग भी करना पड़ेगा। तभी समाज का उत्थान संभव हो सकेगा।

यही प्रार्थना है प्रभु तुमसे, सदा दिखाओ सच की राह

फतेहपुर। मुराइन टोला स्थित हनुमान मंदिर में शैलेन्द्र साहित्य सरोवर के बैनर तले 363वीं साप्ताहिक रविवासरीय सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन केपी सिंह कछवाह की अध्यक्षता एवं शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी के संचालन में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मंदिर के महंत स्वामी रामदास उपस्थित रहे। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए केपी सिंह कछवाह ने वाणी वंदना में अपने भाव प्रसून प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरस्वती मां आइए, होकर हंस सवार। विमल करो मन, बुद्धि, चित, मेटो जग अंधियार।। कार्यक्रम को गति देते हुए कविता पढ़ी- पद की चाह नहीं है मुझको, नहीं प्रतिष्ठा की परवाह। यही प्रार्थना है प्रभु तुमसे, सदा दिखाओ सच की राह।। डा. सत्य नारायण मिश्र ने अपने भावों को एक छंद के माध्यम से कुछ इस प्रकार व्यक्त किया- साधु त्यागी चाहिए, मन में इच्छा नाहि। जो पावै भिक्षा करै और नहीं कछु चाहि।। दिनेश कुमार श्रीवास्तव ने अपने भावों को मुक्तक में कुछ इस प्रकार पिरोया- हो अहंकार के वशीभूत, मानव भूला प्रभु की सत्ता। ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध, हिल सकता नहीं एक पत्ता।। शिव सागर साहू ने काव्य पाठ किया- अक्षय वट दर्शन करें, धन्य-धन्य सब लोग। संगम में मज्जन करें, महाकुंभ संयोग। प्रदीप कुमार गौड़ ने अपने क्रम में काव्य पाठ में कुछ इस प्रकार भाव प्रस्तुत किये- जीवन के पल-पल का साथी, जैसे बाती संग दिया। पकड़े रहूं हाथ मोबाइल, देख जले चाहे मेरा पिया।। नरेन्द्र कुमार ने अपनी रचना में कहा- कुंतीनंदन कर्ण थे, दानवीर विख्यात। दिया कवच-कुंडल विमल, रख सुरपति की बात।। हिमांशु कुमार जैसल ने काव्यपाठ में अपने भावों को कुछ इस प्रकार से शब्द दिए- हो सर्दी की धुंधली ऊषा, या गर्मी की शीतल भोर। जीवनयापन की मनषा से, हाकर उठता जल्दी भोर।। कठिन परिश्रम कर दुनिया को श्रम का पाठ पढ़ाता है। पेपर वाला द्वार-द्वार जाकर पेपर पहुंचाता है।। काव्य गोष्ठी के आयोजक एवं संचालक शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी ने अपने रूमानी जज्बात शायरी के माध्यम से कुछ यों व्यक्त किये- होंठों को तेरे छूके संवर जाए तो अच्छा। मेरी ये ग़ज़ल दिल में उतर जाय तो अच्छा।। तेरे प्यार में जियूं, मैं तेरे प्यार में मरूं, रब मुझपे ये रहम-ओ-करम करम जाय तो अच्छा।

बड़ौदा यूपी बैंक ऑफिसर्स व स्टॉफएसोसिएशन का चुनाव

फतेहपुर। बड़ौदा यूपी बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं स्टॉफएसोसिएशन (फतेहपुर) की संयुक्त बैठक में पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न हुआ। बड़ौदा यूपी बैंक स्टाफ एसोसिएशन की कार्यकारिणी में एससीएस चौहान एवं सुख सागर संरक्षक, राम प्रकाश तिवारी अध्यक्ष, प्रशान्त उमराव कार्यकारी अध्यक्ष, संदीप सिंह एवं शशांक शुक्ला उपाध्यक्ष, संदीप उत्तम महामंत्री/सचिव, विवेक मिश्रा कार्यवाहक महामंत्री/सचिव, शरद द्विवेदी कोषाध्यक्ष, आशीष कुमार मौर्य को संयुक्त सचिव बनाया गया। साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों में शिवांशी श्रीवास्तव, रोहित गंगवार, अविनाश अग्निहोत्री, प्रदीप कुमार को चुना गया। इसी तरह बड़ौदा यूपी बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन में चुने गए पदाधिकारियों में मो. अतीक अध्यक्ष, अमन गुप्ता व वैभव निगम उपाध्यक्ष, शैलेन्द्र सिंह सचिव, श्वेता कनौजिया संयुक्त सचिव, हिमांशू तिवारी कोषाध्यक्ष बनाए गए। साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों में अंजू शर्मा व रामबली को चुना गया।

फोर्टिस और जूनियर चैंबर के बीच साझेदारी

गोरखपुर। फोर्टिस हॉस्पिटल ने गोरखपुर में जूनियर चैंबर इंटरनेशनल जेसीआई गोरखपुर मिडटाउन के साथ साझेदारी की है। सहयोग की आधिकारिक घोषणा 15 दिसंबर को कोर्टयार्ड बाय मैरियट, गोरखपुर में आयोजित ष्सहयोग सम्मेलन 2024ष् की औपचारिकता डॉ.राहुल भार्गव,प्रधान निदेशक और हेमेटोलॉजी के प्रमुखए हेमेटो ऑन्कोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट, फोर्टिस हॉस्पिटल गुरुग्राम, डा, नवल मेंदीरत्ता, वरिष्ठ सलाहकार, रुमेटोलॉजीए फोर्टिस हॉस्पिटल गुरुग्राम,डॉ, कौशल कांत मिश्रा, निदेशकए ऑर्थोपेडिक्स और जॉइंट रिप्लेसमेंटए फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूटए डॉण् परेश जैन, निदेशकए यूरोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांटए फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट और जेसीआई गोरखपुर मिडटाउनए के जेएफएम मोहित मित्तलए अध्यक्षए एचजीएफनितेश पोद्दारए पूर्व अध्यक्षए जेसीआरटी रुचिता जगनानीए अध्यक्ष। की उपस्थिति में हुई। इस कार्यक्रम में फोर्टिस हेल्थकेयर और जेसीआई गोरखपुर मिडटाउन के बीच गठजोड़ पर प्रकाश डाला गया और फोर्टिस प्राथमिकता कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस साझेदारी की विशेषता फोर्टिस प्रायोरिटी प्रोग्राम का शुभारंभ हैए जिसका उद्देश्य जेसीआई गोरखपुर मिडटाउन के सदस्यों को दिल्ली.एनसीआर में फोर्टिस अस्पतालों में उपचार के लिए विशेष छूट और लाभ प्रदान करने वाले विशेषाधिकार कार्ड प्रदान करना है।इस अवसर पर डॉ सुहैल आलम श्री सुधीर गोपालिया एश्री अभिषेक सिंह एश्री विकास स्वरूपएएच जी एफपुनीत अग्रवाल एजे एफडी सलिल कुमार श्रीवास्तव एजे एफएम आयुष गर्ग एजेसी किशन अग्रवाल एएच जी एफविभोर पोद्दार जेसी अनुपम अग्रवाल मौजूद थे।

उत्कर्ष स्मॉल बैंक ने विस्तार किया

जौनपुर। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड उत्तर प्रदेश के जौनपुर के शाहगंज में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की गर्व से घोषणा करता है। इस लॉन्च के साथए बैंक ने उत्तर प्रदेश में 212 बैंकिंग आउटलेट और देश भर में 1006 आउटलेट खोल दिए हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुएए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओए श्री गोविंद सिंह ने कहाए ष्शाहगंज में हमारा नया बैंकिंग आउटलेट उत्तर प्रदेश में हमारे नेटवर्क को मजबूत करने के लिए हमारे समर्पण को दर्शाता है। शाहगंजए अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मजबूत सामुदायिक बंधनों के साथए जौनपुर के भीतर एक प्रमुख क्षेत्र है। जौनपुर अपने वास्तुशिल्प चमत्कारों जैसे कि अटाला मस्जिद और शाही पुल के लिए प्रसिद्ध हैए जो क्षेत्र के मुगल इतिहास और कलात्मक उत्कृष्टता को प्रदर्शित करते हैं। इस आउटलेट का उद्घाटन शाहगंज की गतिशील और तेजी से बढ़ती आबादी का समर्थन करने की हमारी यात्रा में एक कदम आगे है। शाहगंज,जौनपुर के निवासियों को बचत खातेए चालू खातेए सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक सेट से लाभ होगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता हैए जैसे कि आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के विरुद्ध ऋण,ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचाए डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिला

रसूलाबाद कानपुर देहात। सिठऊमताना गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिला। पुलिस की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम ले जाया गया। गुस्साये परिजनों ने छोटी पुत्रवधू के मायके वालों पर हत्या का आरोप लगाया।मामले में पुलिस जांच पड़ताल में जुड़ गई। सहार औरैया थाना क्षेत्र के अंतर्गत डोड़ापुर गांव निवासी अनिल जाटव 38 पुत्र रामपाल शनिवार को औसेर कन्नौज के हमीरपुर गांव में पूर्व प्रधान महेश के बड़े पुत्र के निधन पर अपने भाई केर सिंह के साथ पहुंचा था। शनिवार शाम को वह अकेले बाइक से वापस अपने घर को निकल चुका था। सिठऊमताना के पास उसका शव मिला। परिजनों ने आरोप लगाया कि माधव नगर औरैया निवासी गुड्डूए नन्हेए संदीप द्वारा उनके बेटे की हत्या कर दी गई है। उक्त लोग आत्महत्या में जान गंवाने वाली अपनी बहन की मौत का बदला लेने की फिराक में थे। काफी देर बाद परिजनों ने शव को पंचनामा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वही पुलिस ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक फिसलने से घायल हुआ।युवक

रसूलाबाद। कस्बे के शास्त्री नगर निवासी देव पुत्र राजू बाइक फिसलने से घायल हुआ। परिजन उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद ले गए। जहां उसका उपचार हुआ।

ई रिक्शा पलटने से दो लोग घायल हुए। रसूलाबाद। ई रिक्शा पलटने से दो लोग घायल हुए। जिनका सीएचसी में उपचार हुआ। थाना क्षेत्र के पाल नगर निवासी विपिन पालए ताजपुर निवासी सरमान सिंह ई रिक्शा पलटने से घायल हुए। सीएचसी में दोनों का डॉक्टरों ने उपचार किया।

रूपूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया रसूलाबादरसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया

कानपुर देहात। पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र का सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया। इसके साथ अखिलेश यादव ने उन्हें रसूलाबाद प्रभारी भी बनाया। आगामी 18 दिसंबर को समाजवादी पार्टी कार्यालय मुख्य चौराहा रसूलाबाद में उनका प्रथम आगमन पर जोरदार ढंग से स्वागत किया जाएगा।यह जानकारी सपा जिला कोषाध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने दी।

विज्ञान प्रदर्शनी के साथ.साथ बच्चों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से युक्त अपने अपने स्टाल लगाए!!’

लखीमपुर। सर्व प्रथम क्लास 9 के छात्रध्छात्राओं सहजदीप कौरएहिमांशु कनौजियाएप्रीत कौरएनमनदीप कौरएनवनीत मिश्राएअमोघ पांडेएगौरी शुक्लाएसिमरत कौरएअथर्व यादव आदि ने सरस्वती वंदन की तत्पश्चात मुख्य अतिथि मोहम्मदी नगर पालिका अध्यक्ष चेयरमेन कन्हैया मेहरोत्राएविशिष्ट अतिथि वैभव प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ किया।’बच्चों ने लगाएं विभिन्न प्रकार के व्यंजनों मेंएमटर चाटएभेलपुड़ीएधनियां आलूएरसमलाईएसमोसा चाटएबर्गर कॉफीएइडलीएस्प्रिंग रोलएछेना रसगुल्लाएखस्ता मटरएपेस्टी कोल्ड ड्रिंकएकस्टर्डएबेसन टिक्कीएचनाएचायएपेस्ट्रीए पिज्ज़ाएपनीर टिक्काएगोलगप्पेए पापड़ी चाटएमोमोजएमैगीएकबाब पराठा व स्वादिष्ट मिठाइ मुख्य रूप से रहा तरह तरह के खेलों का भी प्रदर्शन रहा जिसमें बच्चों ने अभिभावकों के साथ खूब मस्ती के साथ आनंद लिया।’’कार्यक्रम में महिला सुरक्षा यातायत के संबंध में मोहम्मदी कोतवाली से क्राइम इंस्पेक्टर अश्वनी विश्वकर्मा के साथ साथ महिला प्रभारी अंजना जायसवाल ने संबोधित कर बच्चों का मनोबल बढ़ाया।’कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रधानाचार्या कविता शर्माएप्रबंधक डॉ गुरुमेजर सिंहएआवासीय निर्देशिका सुरिंदर कौरए सीनियर डायरेक्टर वीण्ईण् व्यवस्थापक विमल अवस्थी शिवओम दीक्षितएसतनाम सिंहएआदि ने संबोधित किया।’

बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति का हुआ शुभारंभ

विधायक पुत्र एवं जिलाध्यक्ष ने फीता काटकर किया उदघाटन

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम इन्दुईयांगज में नव निर्मित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति का शुभारम्भ विधायक प्रतिनिधि और भाजपा जिलाध्यक्ष ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होनें कहा कि यह समिति ग्रामीण क्षेत्र के किसानों और छोटे व्यवसायियों के लिए एक महत्वपूर्ण साधन सिद्ध होगी। रविवार को बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति का फीता काटकर उद्घाटन करनें के उपरान्त विधायक प्रतिनिधि राहुल रतन उर्फ छोटू पाण्डेय ने कहा कि सरकार की योजनाओं के तहत किसानों और गरीब वर्ग के लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया ने कहा कि यह समिति न केवल कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन देगी, बल्कि युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की संस्थाओं की आवश्यकता पर बल दिया और समिति के प्रबंधन को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। पीसीएफ निदेशक आनंद किशोर दुबे, सहकारी क्रय विक्रय समिति अध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर, अपर जिला सहकारी अधिकारी मनीष गौड, सचिव गीतेश मोहन द्विवेदी, सत्येंद्र सिंह, भूमि विकास बैंक अध्यक्ष अशोक वर्मा, वी पैक्स गुरसहायगंज उत्तरी सावित्री देवी पत्नी रामनरेश वर्मा ने समिति के उद्देश्यों और लाभों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि यह समिति ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगी। वहीं समिति के शुभारंभ से ग्रामीणों और किसानों में खासा उत्साह देखा गया।

बचपन प्ले स्कूल में हुई इंटर स्कूल ताइक्कांडो चैंपियनशिप

सेंट जेवियर्स प्रथम, बांदा द्वितीय व बचपन स्कूल तृतीय स्थान पर रहा

फतेहपुर। कलक्टरगंज स्थित बचपन प्ले स्कूल में तृतीय इंटर स्कूल ताइक्कांडो चैंपियनशिप का आयोजन ताइक्कांडो एसोसिएशन ऑफ फतेहपुर ने किया। प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स हाईस्कूल, बचपन प्ले स्कूल, मदर सुहाग, सुंदरमती बालिका इंटर कॉलेज, जयपुरिया स्कूल, राज ताइक्कांडो अकादमी, बचपन ताइक्कांडो क्लब, सेल्फ डिफेंस मार्शल आर्ट सोसाइटी चित्रकूट व बांदा की भी टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में लगभग एक सैकड़ा से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ एसोसिएशन के चेयरमैन किशन मेहरोत्रा, बचपन प्ले स्कूल की डायरेक्टर करिश्मा सिंह, ताइक्कांडो एसोसिएशन ऑफ फतेहपुर के उपाध्यक्ष प्रखर शुक्ल, महासचिव राजकुमार व संयुक्त सचिव भारत वर्मा ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शिव, तनु, सार्थक, अनुराग, प्रिया, राधिका, परी व श्रेया वर्मा रहे। प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स हाईस्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान बांदा टीम व तृतीय स्थान बचपन स्कूल ने प्राप्त किया। सभी टीमों को विजेता ट्रॉफी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. प्रियंका गुप्ता व विशिष्ट स्थिति विवेक आनंद ने प्रदान किया। अंत में एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रखर शुक्ल ने सभी प्रतिभागियों व उनके अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन के महासचिव राजकुमार ने बताया कि ताइक्कांडो एसोसिएशन भविष्य में भी ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करता रहेगा।

समरस एग्रो फूड में प्रतिदिन खपेगा हजारों कुंतल गन्ना

बिंदकी (फतेहपुर)। भाजपा विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने समरस एग्रो फूड प्लांट के उद्घाटन अवसर पर कहा कि यह प्लांट गन्ना उत्पादकों के लिए बहुत ही लाभकारी सिद्ध होगा और तमाम बेरोजगारों को इससे रोजगार भी मिलेगा। जनपद फतेहपुर की व्यावसायिक नगरी बिंदकी से महज 02 किलोमीटर दूर स्थित रजीपुर मोड़ के पास सम्राट एग्रो फूड प्लांट की स्थापना हुई है। लंबे समय से निर्माण कार्य चल रहा था जिसमें शनिवार को विधिवत पूजन हवन के पश्चात प्लांट की मशीन को संचालित कर उद्घाटन किया गया। इस मौके पर नगर व क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे समरेश एग्रो फूड के डायरेक्टर राजीव लोचन तिवारी ने कहा की उनका प्रयास होगा कि अधिक से अधिक गन्ना का उत्पादन जनपद फतेहपुर हुआ पड़ोसी जनपदों में हो जिससे किसान भी लाभान्वित हो और उनके प्लांट के लिए आवश्यक गन्ना भी उपलब्ध हो सके।

थाना हैदराबाद के ग्राम नगरा सलेमपुर में दबंगों ने घर घुसकर युवक की हत्या

गोलागोकर्णनाथ-खीरी। थाना हैदराबाद के ग्राम नगरा सलेमपुर में बीती रात्रि में मामूली बात पर अपनी पत्रकारिता की हनक व दबंगई का प्रदर्शन करते हुए दबंगों ने उमेश वर्मा की हत्या की और बचाने का प्रयास करने वाली मृतक की वृद्ध मां व पत्नी को मारपीट कर लहुलुहान किया जिससे क्षेत्र में खौफव दहशत का माहौल बना हुआ है।इधर पुलिस ने खबर पाकर दबंग हमलावरों में एक दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार को मय चौपहिया वाहन के गिरफ्तार कर मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।जानकारी के अनुसारथाना हैदराबाद के ग्राम नगरा सलेमपुर में बीती रात्रि में दबंग पत्रकार आशीष भारती ने अपने कुछ साथियों के साथ दो कारों व एक मोटरसाइकिल के साथ अति गरीब मजदूर उमेश वर्मा के मकान पर धावा बोला और लाठी डंडो के साथ कहर बरपाना चालू किया पहले उमेश वर्मा 40 की हत्या की जब उसको बचाने के लिए उसकी पत्नी व वृद्ध मां सामने आई तब उनको भी मारपीट कर लहुलुहान किया इसकी खबर पाकर थाना हैदराबाद पुलिस ने मौके पर आकर दबंगों का मंजर देखा तब वह हतप्रभ रह गए।पुलिस ने सबसे पहले घायलों का उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भेजा और मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय पर भेजा।बताते चलें कि पुलिस ने सबसे पहले नगरा सलेमपुर निवासी आशीष भारती जोकि अपने को एक दैनिक समाचार पत्र का पत्रकार बताता था उसको मय कार गिरफ्तार कर लिया पर उसके साथियों को गिरफ्तार करने के लिए ताबड़तोड़ दविश दी पर पुलिस को सफलता नहीं मिली है पर पुलिस को एक सी सी टी वी कैमरा की मदद से दबंग कातिल हमलावरों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। यह बात प्रमाणित हो चुकी इस कातिलाना हमले में कुछ तथाकथित पत्रकार भी शामिल है जोकि मोबाइल से पत्रकारिता कर वसूली किया करते थे।

बुन्देलखंड में नासूर साबित हो रही है काली मिट्टी

निदान के लिये कई दशकों से परेशान है सूबे की तकनीकि टीम,पानी पाते ही नीचे धस जाती है काली मिट्टी में बनी सड़क

हमीरपुर। हमीरपुर। बुंदेलखंड में चमचमाती सड़को का समय से जर्जर होने के लिये न केवल ओवरलोड दोषी है बल्कि यहां की काली मिट्टी भी एक बहुत बड़ा कारण है। हालाकि इसके निदान के लिये सूबे की तकनीकि टीम कई दशको से प्रयास कर रही है मगर अभी तक सफलता नही मिल पायी है। जिससे सरकार को सड़क निर्माण में अतिरिक्त धन व्यय करना पड़ रहा है।

जानकारी के मुताबिक बुंदेलखंड के हमीरपुर,महोवा,बांदा चित्रकूट झांसी जालौन,ललितपुर के सातो जिलों में काली मिट्टी का अधिकता पायी जाता है हालाकि काली मिट्टी कई फसलों के उपज बढ़ाने में रामबाण का काम करती है मगर यह सड़क निर्माण में बिल्कुल सहायक साबित नही हो पा रही है। अभियंताओं का कहना है कि चाहे हाईवे हो ,स्टेट हाईवे, एसआर सड़के हो या विलेज रोड हो जहा भी काली मिट्टी पर सड़क का निर्माण किया जाता है उस सड़क की लाइफ आधी रह जाती है,अभियंताओं का कहना है कि बुंदेलखंड में ओवरलोड के अनुसार सड़का की डिजाइन नही की जाती है जो डिजाइन कर सड़क बनायी जाती है,उसमे बरसात में जो पानी नीचे जाता है वह काली मिट्टी में सोख कर सड़क को बेहद कमजोर कर देती है जिससे सड़के जगह जगह टूट जाती है। हालाकि सड़क को मजबूत करने के लिये मिट्टी में कही कही खास प्रकार की सीमेंट मिलायी जाती है मगर वह फिलहाल कारगर सावित नही हो पा रही है काली मिट्टी का रोग सड़को के लिये कोई नया नही है क्योकि जो भी सड़क बनायी जाती है उसकी स्थानीय स्तर पर लैव में मिट्टी की जांच की जाती है, नोनिवि के लैब इंचार्ज नंदकिशोर का कहना है कि इस मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को है इसके निदान के लिये प्रयास किये जा रहे है मगर फिलहाल कोई रास्ता नही मिल पा रहाहै तकनीकि टीम इसके लिये रात दिन लगी है,हमीरपुर जिले मे कुरारा सुमेरपुर व मौदहा राठ क्षेत्र में सर्वाधिक काली मिट्टी पायी जाती है आरटीओ द्वारा मौरंग भरे ट्रको में पानी टपकने के लिये हमेशा रोका जाता है उसका कारण है काली मिट्टी में सडक के द्वारा पानी मिल जाना, बुंदेलखंड में उसका बहुत बडा फैक्टर यह भी है कि क्षेत्र में काली मिट्टी में मौरंग भरे ट्रको से टपटने वाला पानी सीधे मिट्टी में मिल जाता है और काली मिट्टी की जो निर्माण के दौरान के कुटाई की जाती है ।

पूर्णिमा पर ओमघाट में हुई गंगा आरती, भक्तों ने किया दीपदान

फतेहपुर। जिला गंगा समिति,नमामि गंगे एव गंगा बचाओ सेवा समिति द्वारा पूर्णिमा पर ओमघाट में गंगा आरती का आयोजन किया गया। जिसमें गंगा घाट की सफाई कर स्वच्छता का संकल्प लिया गया। गंगा बचाओ सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र शरन सिंपल द्वारा आयोजित गंगा आरती में भक्तों ने दीपदान किया। गंगा आरती में प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र शरण सिंपल ने कहा कि गंगा नदी को गंदा न करें। गायत्री परिवार के राजदीश यादव ने कहा कि हम सबको मिलकर अविरल गंगा निर्मल गंगा का संकल्प लेना होगा। आचार्य अखिलेश तिवारी ने गंगा आरती में शामिल होने पहुंचे गंगा भक्तों को स्वच्छता का संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर गायत्री परिवार के रविन्द्र सिंह, आशा त्रिपाठी, लक्ष्मी सिंह, मधु सिंह, प्रतिमा यादव, वंदना गुप्ता अर्चना गुप्ता, पुष्पा, संगीता गुप्ता, आराधना, वीरेंद्र साहू, आशीष अग्रहरी, गोविंद कुमार, भागवत सिंह, मोनू यादव, ओम गुप्ता, अनुज गुप्ता, अनिल कुमार मौजूद रहे।

दोष मुक्त किए गए पुलिस कर्मियों की आज हाई कोर्ट में सुनवाई

कानपुर देहात। बहुचर्चित बलवंत सिंह हत्याकांड में प्रथम सूचना आरोपी एवं विवेचना में प्रकाश में आए तत्कालीन एसओजी प्रभारी प्रशान्त गौतमए तत्कालीन एसओजी टीम सदस्य गण सोनू यादवएप्रशान्त कुमार पाण्डेएदुर्वेश कुमार एवं अनूप कुमार तथा तत्कालीन मुख्य आरक्षी विनोद कुमार को मामले में विचारण न्यायालय अपर जिला जज पंचम पूनम सिंह द्वारा दोषमुक्त किए जाने के खिलाफ वादी अंगद सिंह ने उच्च न्यायालय इलाहाबाद के समक्ष वहां के अधिवक्ता हरीशचंद्र मिश्रा के माध्यम से फौजदारी अपील दाखिल की है जिसमें ग्राहता के बिन्दु पर आज 16 दिसम्बर को उच्च न्यायालय इलाहाबाद के समक्ष सुनवाई होनी है है।यह जानकारी वादी पक्ष के अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने दी। अधिवक्ता जितेन्द्र चौहान ने बताया कि दोससिद्ध आरोपी गण तत्कालीन शिवली थाना प्रभारी राजेश सिंह व तत्कालीन मैथा चौकी प्रभारी ज्ञान प्रकाश पाण्डे ने दोषसिद्धि निर्णय के खिलाफउच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपील दाखिल की है। ज्ञात हो कि मामले में विचारण न्यायालय ने दिनांक 24अक्टूबर को सजा के बिन्दु पर सुनवाई उपरान्त दोषसिद्ध आरोपियों तत्कालीन शिवली थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह एवं तत्कालीन मैथा पुलिस चौकी प्रभारी ज्ञान प्रकाश पाण्डे को पांच पांच साल की सजा एवं 10ए000 रुपए प्रत्येक को जुर्माना से दंडित करने का आदेश पारित किया था।जुर्माना न अदा करने पर प्रत्येक को एक माह की अतिरिक्त सजा से दण्डित करने का आदेश पारित किया था। वरिष्ठ अधिवक्ता जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि मामले में जिले की तत्कालीन पुलिस अधीक्षक सुनीतिएतत्कालीन रसूलाबाद पुलिस क्षेत्राधिकारी आशाराम पाल सिंह एतत्कालीन अकबरपुर पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रभात कुमार एवं तत्कालीन रानियां थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह को उनके पदीय कर्तव्यों का दोषी माना था। बताया कि विचारण न्यायालय ने निर्णय में राज्य सरकार को भी आदेशित किया था कि वह दण्ड प्रक्रिया संहिता में दिए गए प्राविधान के तहत मृतक की पत्नी शालिनी सिंह को दस लाख रुपए निर्णय की तिथि से दो माह के अन्दर जरिए जिलाधिकारी कानपुर देहात अदा करे न्यायालय ने उपरोक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति तत्कालीन पुलिस अधीक्षक कानपुर देहातए सुनीतिएतत्कालीन पुलिस क्षेत्राधिकारी रसूलाबाद आशाराम पाल सिंहएतत्कालीन अकबरपुर पुलिस क्षेत्राधिकारी अकबरपुर प्रभात कुमार एवं तत्कालीन रानियां थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंह के वेतन से किस्तों में वसूलने की व्यवस्था निर्णय के माध्यम से दी थी।

मामले में विचारण न्यायालय अपर जिला जज पंचम पूनम सिंह की न्यायालय ने मामले के अन्य आरोपी गण तत्कालीन एसओजी प्रभारी प्रशान्त गौतम ए तत्कालीन एसओजी टीम सदस्य गण सोनू यादवएप्रशान्त कुमार पाण्डेएअनूप कुमारएदुर्वेश कुमार एवं तत्कालीन मुख्य आरक्षी मैथा चौकी विनोद कुमार को मामले में दोष मुक्त करने के आदेश पारित किए थे।

मामले के वादी अंगद सिंह ने थाना रनिया में मुकदमा कायम कराया था और विवेचना और साक्ष्य के अनुसार वादी के भतीजे बलवंत सिंह को तत्कालीन एसओजी प्रभारी प्रशान्त गौतम व उनकी टीम ने तत्कालीन शिवली थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंहएतत्कालीन मैथा चौकी प्रभारी ज्ञान प्रकाश पाण्डे आदि पुलिस कर्मियों के साथ मिल कर मृतक बलवंत सिंह को दिनांक 12 दिसम्बर 2022 को हिमांगी मिल सचेंडी से चोकर लेकर आते समय महेंद्र एजेन्सी व पेट्रोल पम्प के पास से उसके हमराही पल्लेदार रामजी व लोडर सहित पकड़ कर रानियां थाने में ला मृतक बलवंत को बैरक में बन्द कर नृशंसता पूर्वक पिटाई की जिससे उसकी मृत्यु हुई।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर में 31चोटें पाई गई थी जिनसे आंतरिक रक्तस्राव होने से दोनों चैंबर रक्त से खाली हो गए थे जिससे बलवंत की मृत्यु हुई।

मामले कुल आठ गवाह अभियोजन से पेश हुए जिसमें वादी अंगद सिंहएमृतक के चाचा बलबीर सिंह ने थाना रनिया में मृतक बलवंत को पीटे जाने के समय घटना में शामिल उपरोक्त लोगों के साथ तत्कालीन रानियां थाना प्रभारी शिव प्रकाश सिंहएएसओजी टीम सदस्य गण सोनू यादवएदुर्वेश कुमार प्रशान्त कुमार पाण्डेएअनूप कुमार व मैथा चौकी के तत्कालीन दीवान को भी घटना में शामिल होना बताया था।मृतक के चचेरे भाई साक्षी गुड्डू उर्फराघवेंद्र सिंह व पल्लेदार रामजी ने मृतक को आरोपियों द्वारा उठाने व रनिया थाने ले जाने का साक्ष्य दिया था।रामजी ने थाने में मृतक बलवंत की पिटाई किए जाने और रात साढ़े आठ बजे रामजी को अन्य के साथ मंगलपुर थाने में पुलिस द्वारा बन्द किए जाने का बयान दिया। विवेचना में आरोपियों की मोबाइल सीडीआर घटना को साबित करते है। न्यायालय ने मोबाइल सीडीआर को माना है।

जितेन्द्र चौहान ने बताया कि मृतक को सही हालत में घटना की दिनांक को पकड़ने के साक्ष्य आरोपियों द्वारा इस सम्बन्ध तैयार की गई शिवली थाने की जीडी व आरोपी प्रशान्त कुमार गौतम व सोनू यादव द्वारा न्यायालय में दिए बयानों धारा 313 दण्ड प्रक्रिया संहिता में घटना को और साबित किया है।

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024

संभल में 46 वर्ष बाद खुले मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग कराई जाएगी

संभल। (भाषा) संभल में अतिक्रमण और बिजली चोरी के खिलाफ जारी अभियान के बीच जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने रविवार को कहा कि करीब 46 साल बाद खोले गए मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पत्र लिखा गया है। पेंसिया ने पत्रकारों को बताया, यह कार्तिक महादेव का मंदिर है और यहां एक कूप (कुआं) मिला है जो अमृत कूप है। मंदिर में पूजा भी शुरू हो गई है। यहां पर अब भी अतिक्रमण है.. कल कुछ अतिक्रमण हटाया गया और बचा हुआ अतिक्रमण भी हम हटाएंगे। हमने मंदिर और कूप की कार्बन डेटिंग के लिए एएसआई को पत्र लिखा है। इस बीच, पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि मंदिर की सुरक्षा की दृष्टि से पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी से कवर किया गया है और यहीं पर कंट्रोल रूम भी बनाया जा रहा है जिससे यहां चौबीसों घंटे सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे और कोई अराजक तत्व यहां ना आ सके। वहीं जिलाधिकारी ने कहा, बिजली चोरी के मामले में 49 प्राथमिकियां दर्ज हो चुकी हैं और कुछ प्राथमिकी आज दर्ज हो रही है। जो लोग गलियों में अवैध रूप से व्यापार कर रहे हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, हमने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रखने का निर्णय किया है। नालियों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए हमने मुनादी के जरिए लोगों को सूचना दे दी थी। इसके लिए हमने छह टीमें बनाई हैं जिसमें छह बुलडोजर होंगे। वहीं स्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए हम नोटिस देंगे और उसके बाद अतिक्रमण ध्वस्त करेंगे। हमने एक दो तालाबों का भी सर्वेक्षण कराया है। वहां से भी अतिक्रमण हटाकर उन्हें सुरक्षित किया जाएगा। इससे पूर्व, जिला प्रशासन ने रविवार सुबह से ही अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीश चंद्र ने बताया कि सुबह सात बजे से नखासा थाना अंतर्गत हिन्दू पुरा खेड़ा क्षेत्र में मकानों के बाहर हुए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है।यह इलाका समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क के आवास के करीब है। इस अभियान के दौरान एक मकान में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध भंडार के बारे में पता चला है।

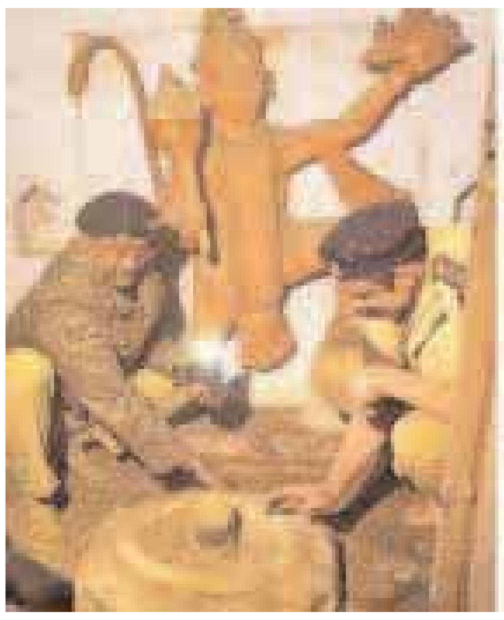

आपूर्ति निरीक्षक योगेश शुक्ला ने बताया कि कार्वाई के दौरान उन्हें हाजी रब्बान नामक व्यक्ति के घर से 25 सिलेंडर मिले। हालांकि परिवार ने दावा किया कि सिलेंडर एक शादी समारोह के लिए हैं, लेकिन वे आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाए। शुक्ला ने कहा, दो सिलेंडर भरे हुए थे और बाकी खाली थे, उन्हें जब्त कर लिया गया और मामले में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इस बीच, बिजली विभाग ने भी बिजली चोरी को लेकर अभियान शुरू किया। बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता नवीन गौतम ने बताया कि दीपा सराय में छापेमारी के दौरान अधिकारियों को चार मस्जिदों और एक मदरसे में अवैध बिजली कनेक्शन मिला। गौतम ने कहा, लगभग एक करोड़ 25 लाख रुपए कीमत की 130 मेगावाट बिजली चोरी की जा रही थी। अभियान के दौरान चोरी में शामिल 49 व्यक्तियों की पहचान की गई। इससे पूर्व, शनिवार को जिला प्रशासन द्वारा खुलवाए गए मंदिर में रविवार को विधि विधान और मंत्रोच्चार के बाद दर्शन और पूजा अर्चना शुरू हो गई। मंदिर के महंत आचार्य विनोद शुक्ला ने बताया कि फिलहाल लगभग 20 से 25 श्रद्धालुओं ने यहां आकर पूजा अर्चना की और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। शुक्ला ने कहा, मुझे इस मंदिर की सेवा का दायित्व मिला है, मैं नियमित रूप से इस कर्तव्य का निर्वहन करूंगा। यहां सुरक्षा व्यवस्था के बेहतर इंतजाम किए गए हैं। एक स्थानीय निवासी मोहित रस्तोगी ने मंदिर को फिर से खोलने के लिए प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिवलिंग पर जल चढ़ाने और पूजा-पाठ करने के बाद कहा, मैंने इस मंदिर के बारे में अपने दादाजी से सुना था।

विजय दिवस समारोह में शामिल होंगे मुक्ति योद्धा : रक्षा अधिकारी

कोलकाता।(भाषा) बांग्लादेश से मुक्ति योद्धाओं का एक छोटा प्रतिनिधिमंडल सोमवार को होने वाले विजय दिवस समारोह के लिए रविवार शाम यहां पहुंचेगा। इस समारोह में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शामिल होंगी। एक रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी शासन का विरोध करने वाले गुरिल्ला प्रतिरोध बल का हिस्सा रहे मुक्ति योद्धाओं और बांग्लादेश सशस्त्र बलों के सेवारत अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल हर साल कोलकाता में भारतीय सेना की पूर्वी कमान द्वारा आयोजित विजय दिवस समारोह में भाग लेता है।

रक्षा अधिकारी ने बताया कि मुक्ति योद्धाओं का एक छोटा प्रतिनिधिमंडल 16 दिसंबर को कोलकाता में विजय दिवस समारोह में भाग लेगा। साल 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में विजय दिवस समारोह मनाया जाता है। हालांकि, उन्होंने मुक्ति योद्धाओं के प्रतिनिधिमंडल के संबंध में और विवरण नहीं दिया। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि राज्यपाल सी वी आनंद बोस सुबह यहां पूर्वी कमान मुख्यालय फोर्ट विलियम में पुष्पांजलि समारोह में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दोपहर में यहां सैन्य प्रशिक्षण केंद्र में सैन्य प्रदर्शन में शामिल होंगी। यह प्रदर्शन 1971 के युद्ध के नायकों की अदम्य भावना को सम्मानित करने के लिए किया जाएगा, जिन्होंने पाकिस्तानी सशस्त्र बलों को हराया था और जिसके कारण बांग्लादेश का गठन हुआ था। रक्षा अधिकारी ने कहा कि 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिक 16 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होंगे, जिस दिन 1971 में पाकिस्तान की पूर्वी सेना ने ढाका में आत्मसमर्पण किया था। सेना के पूर्वी कमान का मुख्यालय यहां फोर्ट विलियम में है। 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत के उपलक्ष्य में विजय दिवस पर पुष्पांजलि समारोह और सैन्य प्रदर्शन समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा नेता विजएंद्र ने मणिपदी को रिश्वत देने का प्रयास करने के आरोप को कर दिया खारिज

बेंगलुरु। (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजएंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और सत्तारूढ़ कांग्रेस नेताओं के उन आरोपों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने राज्य के अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपदी को वक्फ अतिक्रमणों पर उनकी रिपोर्ट दबाने के लिए रिश्वत देने का प्रयास किया था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को आरोप लगाया था कि विजएंद्र ने वक्फ संपत्ति अतिक्रमण की जांच को दबाने के लिए पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के दौरान अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिपदी को 150 करोड़ रुपए की रिश्वत की पेशकश की। इस बीच, मणिपदी ने इस बात से इनकार किया है कि विजएंद्र ने उन्हें ऐसी कोई पेशकश की थी जबकि गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि मणिपदी द्वारा ऐसा आरोप लगाए जाने का वीडियो फुटेज उपलब्ध है।विजएंद्र ने कहा कि कांग्रेस और सिद्धरमैया, खासकर एमयूडीए आवंटन मामले में अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार और घोटाले के आरोपों से परेशान लग रहे हैं। विजएंद्र ने कहा, यह एक निर्लज्ज सरकार है। मैंने इसके नेताओं, मंत्रियों और विधायकों के बयान देखे हैं, ऐसा लगता है कि उनका दिमाग खराब हो गया है। जब बी एस एदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे और भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब अनवर मणिपदी ने पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान हुई अनियमितताओं के बारे में वक्फ पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, तत्कालीन मुख्यमंत्री के बेटे के तौर पर मुझे अनवर मणिपदी के घर जाकर 150 करोड़ रुपए की पेशकश क्यों करनी चाहिए? वह भी कांग्रेस नेताओं को बचाने के लिए? क्या इसमें (आरोप में) कोई तर्क है? उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस इस मुद्दे का इस्तेमाल विधानसभा के चालू सत्र के दौरान समय बर्बाद करने के लिए करना चाहती है तो यह मूर्खता की पराकाष्ठा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के आरोपों और घोटालों से घिरी सरकार समय बर्बाद करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, मैंने अनवर मणिपदी का बयान नहीं देखा है। क्या (मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेताओं द्वारा लगाए गए) आरोपों का कोई मतलब है? उन्होंने कहा कि अगर विधानसभा में आरोप लगाए गए तो वह इसका जवाब देंगे। मुख्यमंत्री ने सीबीआई जांच की मांग करते हुए शनिवार को अपने बयान में कहा, अनवर मणिपदी ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि बी एस एदियुरप्पा के मुख्यमंत्री रहने के दौरान विजएंद्र उनके घर आए थे और वक्फ संपत्ति अतिक्रमण रिपोर्ट के बारे में चुप रहने के लिए 150 करोड़ रुपए की पेशकश की थी। अनवर ने कहा था कि विजएंद्र को उन्होंने घर से बाहर भेज दिया और इस घटना की सूचना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष को दी।कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के रूप में मणिपदी ने रिपोर्ट तैयार की थी और मार्च 2012 में तत्कालीन भाजपा सरकार को सौंपी थी। इसे 2020 में सदन में पेश किया गया, तब भी भाजपा सत्ता में थी। इस बीच, मणिपदी ने मंगलुरु में पत्रकारों से कहा कि विजएंद्र उनके घर नहीं आए और न ही उन्हें 150 करोड़ रुपए की कोई पेशकश की गई थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि मणिपदी द्वारा विजएंद्र पर आरोप लगाने का एक वीडियो फुटेज उपलब्ध है और मीडिया ने तब इसे कवर किया था।

इंजीनियर आत्महत्या मामला: बेंगलुरु पुलिस ने पत्नी, सास और साले को गिरफ्तार किया

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष की पत्नी, उसकी सास और साले को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया को हरियाणा के गुरुग्राम से तथा निकिता की मां निशा सिंघानिया और उसके भाई अनुराग सिंघानिया को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि आरोपियों को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर बेंगलुरु लाया गया और स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच, प्रयागराज पुलिस के एक उच्च अधिकारी ने निशा और अनुराग को प्रयागराज पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने की मीडिया रिपोर्ट का खंडन करते हुए कहा कि बेंगलुरु पुलिस ने प्रयागराज में किसी भी थाने से संपर्क नहीं किया। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु पुलिस ने ना तो ट्रांजिट रिमांड ली और ना ही निशा एवं अनुराग को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया लेकिन यह पता चला कि बेंगलुरु पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर हवाई मार्ग से बेंगलुरु ले गई।सुभाष (34) का शव नौ दिसंबर को दक्षिण-पूर्व बेंगलुरु के मुन्नेकोलालु में उसके घर पर फंदे से लटका मिला था। सुभाष ने वीडियो और नोट में आरोप लगाया था कि उससे अलग रह रही उसकी पत्नी और ससुराल वालों ने झूठे मामलों में फंसाकर और लगातार उत्पीड़न कर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर किया। मराठहल्ली पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया तथा निकिता और दो अन्य को गिरफ्तार किया है।

पुष्पा 2: द रूल ने 10 दिन मे 1,292 करोड़ कमाए

नई दिल्ली। अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2: द रूल ने रिलीज के 10 दिनों में 1,292 करोड़ रुपए की कमाई की है। फिल्म निर्माता ने रविवार को यह जानकारी दी। सुकुमार द्वारा निर्देशित फिल्म 2021 में आई पुष्पा: द राइज की सीक्वेल है। फिल्म पांच दिसंबर को हिंदी, तमिल, कन्नड़, बांग्ला और मलयालम भाषा में रिलीज हुई। फिल्म निर्माता कंपनी मैत्री मूवी मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सबसे बड़ी भारतीय फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है। पुष्पा-2 द रूल ने 10 दिन में दुनियाभर में।,292 करोड़ रुपए कमाए हैं। इससे पहले दिन में निर्माताओं ने कहा था कि पुष्पा 2 के हिंदी संस्करण ने 507.50 करोड़ रुपए कमाए हैं, जिससे यह सबसे तेजी से 500 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है।

मथुरा पक्षी अभयारण्य बना मध्य एशिया, साइबेरिया और तिब्बत से आने वाले प्रवासी पक्षियों का आश्रयस्थल

मथुरा। (भाषा) सर्दियों के मौसम की शुरुआत के साथ ही मथुरा का जोधपुर झाल पक्षी अभयारण्य मध्य एशिया, साइबेरिया, तिब्बत और मंगोलिया से आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए आश्रय स्थल में बदल गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभयारण्य में विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की चहचहाहट सुनाई दे रही है, जिसमें दुर्लभ आगंतुक जैसे मैलार्ड डक और कॉमन पोचार्ड के साथ-साथ बार-हेडेड गीज, पेंटेड स्टॉर्क और नॉर्दन शॉवलर्स के समूह शामिल हैं। बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के वन्य जीव पारिस्थितिकीविद डॉ. केपी सिंह ने बताया,"मध्य एशिया, तिब्बत, भूटान, मंगोलिया, साइबेरिया और अन्य क्षेत्रों से आने वाले अधिकांश नियमित प्रवासी पक्षी पहले ही आ चुके हैं"।

उन्होंने कहा कि मनोरम प्राकृतिक सुंदरता और विस्तृत आर्द्रभूमि क्षेत्रों के कारण पिछले एक दशक में पक्षियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने बताया कि अभयारण्य में अब तक पक्षियों की 192 प्रजातियां दर्ज की गई हैं, जिनमें से 70 प्रजातियां नियमित प्रवासी आगंतुक हैं। उन्होंने बताया कि मैलार्ड डक और कॉमन पोचार्ड जैसी दुर्लभ प्रजातियां भी अभयारण्य के अनुकूल और शांत वातावरण से आकर्षित होकर यहां पहुंचने लगी हैं। पिछले सप्ताह अभयारण्य का दौरा करने के बाद उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के राज्य उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा ने आर्द्रभूमि क्षेत्र के विकास के लिए 8.66 करोड़ रुपए के अनुदान की घोषणा की। इस पहल के पीछे व्यापक लक्ष्य पर प्रकाश डालते हुए, मिश्रा ने कहा,"हम 64 हेक्टेयर में अभयारण्य विकसित करने की योजना बना रहे हैं ताकि यह आगरा आने वाले पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण केंद्र बन सके और मथुरा के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खुल सकें"। विकास योजना की रूपरेखा बताते हुए, अधिकारियों ने बताया कि टर्मिनल नहर और सिकंदरा राजवाह के बीच चार किलोमीटर की परिधि में फैले प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से जीवंत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल में प्रवासी और स्थलीय दोनों तरह के पक्षियों के लिए अनुकूल आवास बनाना शामिल है।

मोदी ने अपनी विफलताओं से देश का ध्यान भटकाने के लिए नेहरू का जिक्र किया: कांग्रेस

नई दिल्ली। (भाषा) कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना और न्यूनतम लोकतांत्रिक शासन उनका मॉडल है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बस नेहरू के बारे में सोचते रहते हैं और अपनी विफलताओं व वर्तमान चुनौतियों से राष्ट्र का ध्यान भटकाने के लिए उनका हवाला देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी विफलताओं पर पूरी तरह चुप्पी साधे रहते हैं। प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले भारत के संविधान की 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा था। कांग्रेस नेता ने पूछा कि प्रधानमंत्री नेहरू के बिना क्या करेंगे, जिनके बारे में वह हमेशा सोचते रहते हैं? उन्होंने कहा, अपनी विफलताओं से राष्ट्र का ध्यान भटकाने के लिए नेहरू जरूरी है। जिन वर्तमान चुनौतियों पर वह (मोदी) पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं, उनसे राष्ट्र का ध्यान भटकाने के लिए नेहरू आवश्यक हैं। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कल लोकसभा में संबोधन में, प्रधानमंत्री ने भारत के संविधान में पहले संशोधन को लेकर नेहरू पर हमला बोला, जो 18 जून, 1951 को हुआ था। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह संशोधन तीन कारणों से किया गया। उन्होंने कहा, पहला, सबसे संवेदनशील समय में सांप्रदायिकता दुष्प्रचार से निपटना। दूसरा, जमींदारी उन्मूलन कानूनों की रक्षा, जिन्हें अदालतें खारिज कर रही थीं। तीसरा, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ओबीसी के लिए शिक्षा व रोजगार में आरक्षण की रक्षा, जिसे अदालतें नकार रही थीं। रमेश ने कहा कि नेहरू, राजगोपालाचारी और आंबेडकर की सदस्यता वाली प्रवर समिति ने संशोधन विधेयक की विस्तार से समीक्षा की, नेहरू ने अपने आलोचकों की बात सुनी और अपना रुख बदला। उन्होंने कहा, इससे पहले तीन जुलाई, 1950 को सरदार पटेल ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता के बारे में नेहरू को पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे लोगों के प्रति निराशा व्यक्त की थी। इस पत्र से पता चलता है कि सरदार पटेल यदि जीवित होते तो वे स्वयं प्रथम संशोधन का समर्थन करते।

पेज 1 का शेष

इंडिया...

लुटियंस में विकसित करने के लिए एक अच्छा विचार है। हमें नए संसद भवन की आवश्यकता थी। पुराना भवन अपनी उपयोगिता खो चुका है। इस साल लोकसभा चुनाव में बढ़त हासिल करने और उसके तीन महीने बाद हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हार झेलने के बाद कांग्रेस ने ईवीएम पर संदेह जताया है और चुनाव नतीजों पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की है। इस मोर्चे पर समाजवादी पार्टी, एनसीपी ने कांग्रेस का समर्थन किया है, जबकि आरजेडी, एनसीपी और टीएमसी जैसी पार्टियों ने गठबंधन के लिए नेतृत्व संकट को उठाया है और टीएमसी सुप्रीमो को इंडिया गुट का नेतृत्व करने का समर्थन किया है। संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान भी विपक्षी दल कई मुद्दों पर बंटे हुए नजर आए और कुछ घटकों ने सत्र के नियमित व्यवधान के लिए कांग्रेस को भी जिम्मेदार ठहराया। उमर ने भी खेद जताया है कि कांग्रेस गठबंधन के नेता के रूप में पर्याप्त प्रमुख भूमिका नहीं निभा रही है, जिससे मौजूदा नाराजगी बढ़ रही है। इतना ही नहीं, शिवसेना जैसे सहयोगी दलों ने भी एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और आरोप लगाया है कि समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई भाजपा की बी टीम की तरह व्यवहार कर रही है।

भाजपा.....

विधानसभा क्षेत्र से केजरीवाल को चुनौती देंगे। केजरीवाल ने कई मौकों पर, कांग्रेस के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार किया है बावजूद इसके कि दोनों पार्टियां इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को उनके ही निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार बनाया है। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय बाबरपुर से, स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ग्रेटर कैलाश से और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन शकूर बस्ती से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा, मंत्री रघुविंदर शौकीन और मुकेश कुमार अहलावत क्रमश: नांगलोई जाट और सुल्तानपुर माजरा से चुनाव लड़ेंगे। आप की चौथी सूची में शामिल अन्य उम्मीदवारों में बुराड़ी से संजीव झा, बादली से अजेश यादव और राजेंद्र नगर से दुर्गेश पाठक शामिल हैं। पार्टी ने ओखला से अमानतुल्लाह खान पर दांव लगाया है। इससे पहले जारी की गई सूची के अनुसार, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जंगपुरा से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि हाल ही में आप में शामिल हुए अवध ओझा को सिसोदिया के पूर्व निर्वाचन क्षेत्र पटपड़गंज से उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस ने पटपड़गंज से अनिल कुमार को मैदान में उतारा है। एक ओर जहां आम आदमी पार्टी ने कई मौजूदा विधायकों के टिकट काटे तो तीन ऐसी सीटें भी हैं, जहां विधायकों के बेटों और उनकी पत्नी चुनाव मैदान में उतारा है। कृष्णा नगर सीट पर एसके बग्गा की जगह उनके बेटे विकास बग्गा को आप ने उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह चांदनी चौक विस क्षेत्र से प्रह्लाद साहनी की जगह उनके बेटे पुरुनदीप साहनी को मौका मिला। वहीं उत्तम नगर सीट से विधायक नरेश बालियान फिलहाल रंगदारी और वसूली वाले मामले में जेल में हैं, उनकी जगह उनकी पत्नी को टिकट दिया है। आप ने वर्ष 2020 में विस चुनाव में 70 में से 62 सीट पर जीत हासिल कर राष्ट्रीय राजधानी की राजनीति में अपना दबदबा कायम रखा था। आम आदमी पार्टी की सभी 70 सीटों में से 20 नाम ऐसे हैं, जो वर्ष 2025 में पहली बार झाड़ू चुनाव चिह्न से चुनाव लड़ेंगे। इसका मतलब यह है कि इन 20 एमएलए के टिकट कट गए हैं। इसमें किराड़ी से ऋतुराज झा की जगह अनिल झा, सीलमपुर से अब्दुल रहमान की जगह जुबैर चौधरी, मटियाला से गुलाब सिंह यादव की जगह सोमेश शौकीन को और पटपड़गंज सीट से अवध ओझा को टिकट दिया गया है पहली सूची में जहां पार्टी ने तीन विधायकों के टिकट काटे तो दूसरी सूची में 18 विधायकों की सीट छीनने का ऐलान कर दिया गया। चौथी सूची में पार्टी ने दो को छोड़कर अन्य सभी सीटों पर विधायकों को बरकरार रखा है।

पारा गिरा...

तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम है। आईएमडी ने लोगों को ढीले-ढाले, हल्के वजन वाले गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनने की सलाह दी है। इसमें आगे यह भी सलाह दी गई है कि अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढकें क्योंकि शरीर के इन अंगों से सबसे अधिक गर्मी निकलती है। 11 नवंबर (4.9 डिग्री सेल्सियस) को पारा पहली बार इस मौसम में 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरा, जो वर्ष 1987 के बाद से इस सीमा से नीचे सबसे कम गिरावट थी, जब यह 6 दिसंबर को हुआ था। इसके बाद अगले दिन न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जो पिछले तीन सालों में दिल्ली का सबसे कम दिसंबर का न्यूनतम तापमान था। हालांकि, इसके बाद तापमान बढ़कर 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे दिल्ली वालों को ठंड से कुछ राहत मिली। पिछले एक दशक में दिसंबर में सफदरजंग में सबसे कम न्यूनतम तापमान 28 दिसंबर, 2019 को 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिसंबर में अब तक का सबसे कम तापमान 0 डिग्री सेल्सियस है, जो 27 दिसंबर, 1930 को दर्ज किया गया था।

फडणवीस...

की अदिति तटकरे हैं। विदर्भ के बल्लापुर से सात बार विधायक रहे सुधीर मुनगंटीवार को मंत्रिमंडल से बाहर किए जाने से भाजपा के कार्यकर्ताओं को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, 2014 से 2019 तक देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल में वे दूसरे नंबर पर थे। सात बार विधायक, दो बार एमएलसी और पूर्व उपमुख्यमंत्री भुजबल ने सभी को चौंका दिया है। वरिष्ठ ओबीसी नेता भुजबल अखिल भारतीय महात्मा फुले समता परिषद के अध्यक्ष भी हैं। इसी तरह, पुणे के अम्बेगांव से सात बार विधायक रहे दिलीप वाल्से-पाटिल को मंत्रिमंडल से बाहर रखा जाना भी आश्चर्यजनक है। शरद पवार के एक मजबूत सहयोगी पाटिल ने अजित पवार के साथ मिलकर जुलाई 2022 में एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली महायुति सरकार में शामिल होने का फैसला किया था। अपने बयानों के कारण विवादों में घिरे सत्तार को पहले भी कई बार मंत्रिमंडल से बाहर किया जा चुका है, क्योंकि भाजपा आलाकमान ऐसे मुद्दों पर बहुत सावधान रहता है। केसरकर शिवसेना के प्रवक्ता थे और फडणवीस मंत्रिमंडल से उनका बाहर होना थोड़ा आश्चर्यजनक है। मुंडे के परिवार के दो सदस्यों ने राज्य मंत्रिमंडल में जगह बनाई है। पंकजा मुंडे भाजपा एमएलसी हैं, जबकि धनंजय मुंडे बीड जिले के परली से विधायक हैं। 45 वर्षीय पंकजा भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे की बेटी और भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय प्रमोद महाजन की भतीजी हैं। धनंजय (49) दिवंगत गोपीनाथ मुंडे के भाई पंडित अन्ना मुंडे के बेटे हैं। धनंजय को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री व राकांपा अध्यक्ष अजित पवार का करीबी माना जाता है। याद रहे कि 2019 के चुनाव में संयुक्त राकांपा में शामिल धनंजय ने परली से पंकजा को हराया था, जिसके बाद पंकजा राज्य की राजनीति से अलग-थलग पड़ गईं थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में पंकजा को भाजपा ने उनकी बहन डॉ. प्रीतम मुंडे की जगह अपना उम्मीदवार बनाया। हालांकि, पंकजा चुनाव हार गईं। बाद में उन्हें एमएलसी बना दिया गया। पंकजा और उनके चचेरे भाई धनंजय एक साल पहले तक विरोधी थे, हालांकि, 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले मुंडे चचेरे भाई-बहनों ने सुलह कर ली। यह देखते हुए कि 2019 के राज्य विधानसभा चुनावों में हार के बाद वह लगभग पांच साल तक साइड लाइन थीं, पंकजा को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने को राजनीतिक पुनर्वास के रूप में देखा जा रहा है।

जस्टिस...

कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और उन्होंने न्यायाधीश के कथित बयानों पर सवाल उठाए तथा इसे घृणास्पद भाषण करार दिया। वकील एवं एक गैर सरकारी संगठन केंपेन फॉर ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स के संयोजक प्रशांत भूषण ने मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना को एक पत्र लिखकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के आचरण की आंतरिक जांच की मांग की। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता बृंदा करात ने भी प्रधान न्यायाधीश को एक पत्र लिखकर न्यायाधीश के भाषण को उनकी शपथ का उल्लंघन बताया था और कहा था, न्यायालय में ऐसे व्यक्तियों के लिए कोई जगह नहीं है। करात ने इस मुद्दे पर शीर्ष अदालत से कार्रवाई की मांग की थी। इसी तरह, बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने न्यायाधीश के बयान की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था और बयान को वापस लेने समेत माफी की मांग की थी।

नक्सली आत्मसमर्पण करें या कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें : अमित शाह

जगदलपुर (भाषा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नक्सलियों से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि ऐसा नहीं करने पर उन्हें सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का पुनर्वास सरकार की जिम्मेदारी है।

शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक खेल आयोजन बस्तर ओलंपिक को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि देश मार्च 2026 तक माओवादियों से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा, मैं नक्सलियों से अपील करता हूं कि कृपया आगे आएं। हथियार छोड़ दें, आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में शामिल हों। आपका पुनर्वास हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि माओवादी आत्मसमर्पण की अपील नहीं मानते हैं, तो सुरक्षा बल उन्हें खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ पुलिस 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति देश में सर्वोत्तम है। उन्होंने कहा, यदि आप आत्मसमर्पण कर देंगे और मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे, तो आप छत्तीसगढ़ और भारत के विकास में योगदान देंगे। शाह ने आरोप लगाया कि एक साल पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सत्ता में आने से पहले जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता में थी, तो माओवादियों के खिलाफ कार्वाई धीमी थी।उन्होंने दावा किया, लेकिन छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनने के बाद चरमपंथियों के खिलाफ कार्वाई में तेजी आई। इसकी वजह से गत एक साल में 287 नक्सली मारे गए, 992 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 836 अन्य ने आत्मसमर्पण किया। शाह ने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से सुरक्षाकर्मियों की शहादत में 73 प्रतिशत की कमी आई है और नागरिकों की मौतों में 70 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा, यदि बस्तर (छत्तीसगढ़) से नक्सलवाद समाप्त हो जाए, तो यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण कश्मीर से भी अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा।

शाह ने कहा कि जो लोग समाज में हो रहे परिवर्तन की प्रक्रिया को जानते हैं, वे यह भी जानते हैं कि यह केवल बस्तर ओलंपिक में भाग लेने वाले डेढ़ लाख लोगों तक सीमित नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हर कोई कह रहा है कि बस्तर बदल रहा है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जब मैं 2026 के बस्तर ओलंपिक में आऊंगा, तो कहूंगा कि बस्तर बदल गया है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव की शुरुआत बस्तर ओलंपिक से हुई है।

राजस्थान में 11 नदियों को जोड़ने वाली परियोजना का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री मोदीः सीआर पाटिल

सूरत(भाषा)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान में 11 नदियों को जोड़ने के लिए लगभग 40,000 करोड़ रुपए की एक परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इसके जरिए राजस्थान को जल–अधिशेष वाला राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पाटिल ने सुचि सेमीकॉन के सेमीकंडक्टर संयंत्र के उद्घाटन समारोह में कंपनियों से भविष्य में जल संकट की समस्या से निपटने के लिए जल संचयन पर काम करने की अपील की। पाटिल ने कहा, राजस्थान में पानी का गंभीर संकट है। नरेन्द्र मोदी 17 दिसंबर को जिस परियोजना का लोकार्पण करने जा रहे हैं, उसमें 11 नदियों को जोड़ा जाएगा। करीब 40,000 करोड़ रुपए की इस परियोजना की घोषणा मोदी जी करेंगे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा के व्यावसायीकरण पर चिंता जताई

ग्वालियर (भाषा)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को शिक्षा के व्यावसाईकरण पर चिंता जताई और इस मुद्दे पर विचार–विमर्श करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा को सेवा की भावना से दिया जाना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को एक महत्वपूर्ण साधन करार देते हुए कहा कि यह समानता ला सकती है, लोकतंत्र को मजबूत बना सकती है और दुनिया में समृद्धि सुनिश्चित कर सकती है।

उपराष्ट्रपति ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय में सिंधिया राजवंश के जीवाजीराव सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। धनखड़ ने कहा कि महाराजा जीवाजीराव सिंधिया ने शिक्षा में रुचि दिखाने का मार्ग प्रशस्त किया था। उन्होंने उद्योगों, व्यवसायों और संस्थानों से शिक्षा में निवेश करने का आग्रह किया।

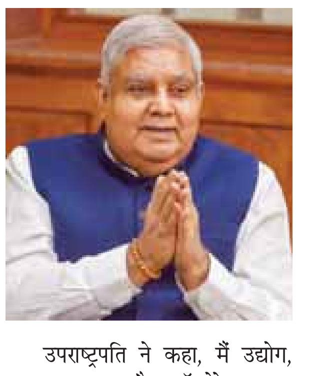

उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं उद्योग, व्यापार जगत और कॉरपोरेट्स तथा उनके संघों से अपील करता हूं कि वे अपने सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) फंड के लिए नीतिगत निर्णय लें ताकि संस्थान स्थापित किए जा सकें और उन्हें विकसित किया जा सके क्योंकि शिक्षा में निवेश न केवल वर्तमान के लिए बल्कि भविष्य के लिए भी है और यह हमारे विकास को और आगे बढ़ाने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि प्रत्एक व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और देश में यह तेजी से हो रहा है।धनखड़ ने कहा, लेकिन यह चिंता का विषय है। इस पर विचार और मंथन की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षा का व्यवसाईकरण न हो। शिक्षा एक सेवा है। हमें इसे सेवा की भावना से अपनाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि तकनीकी बदलाव तेजी से हो रहे हैं। उन्होंने कहा, नए युग की तकनीक, जिसे कृत्रिम बुद्धिमता और मशीन लर्निंग के रूप में परिभाषित किया जा सकता है बेहद तेजी से बदल रही है। यह हमारे जीवन में बदलाव ला रही है। धनखड़ ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक संगठनों का कर्तव्य है कि वे शोध करें और उन्हें इन तकनीकों की चुनौतियों को अवसरों में बदलना चाहिए।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध से भारत की तुलना में मेक्सिको, कनाडा, आसियान को अधिक लाभ

नई दिल्ली (भाषा)। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि मेक्सिको, कनाडा और 10 देशों के दक्षिण–पूर्व एशियाई समूह आसियान को भारत की तुलना में अमेरिका–चीन व्यापार युद्ध से अधिक लाभ हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना होगा और चीन पर निर्भरता कम करने के लिए महत्वपूर्ण मध्यवर्ती उत्पादों का उत्पादन करना होगा। इसके मुताबिक, अमेरिका को निर्यात बढ़ाने के लिए घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता, लागत दक्षता तथा कारोबारी सुगमता बढ़ाने की जरूरत है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के फिर से अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के साथ नए व्यापार परिदृश्य में भारतीय उद्योग के लिए बड़े अवसर हैं, क्योंकि वह अब मेक्सिको, कनाडा, चीन और अन्य देशों को लक्षित करके नए शुल्क लगाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार युद्ध के प्रमुख लाभार्थियों में मेक्सिको, कनाडा और आसियान देश शामिल हैं, जिनका सामूहिक रूप से अमेरिकी आयात वृद्धि में 57 प्रतिशत योगदान है।

भारत को भी हालांकि उल्लेखनीय लाभ मिला और देश ने इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स और इंजीनियरिंग सामान जैसे क्षेत्रों के चलते अमेरिका को 36.8 अरब डॉलर का निर्यात बढ़ाया। मेक्सिको को सबसे अधिक लाभ मिला, जिसने 2017 और 2023 के बीच अमेरिका को 164.3 अरब डॉलर का निर्यात बढ़ाया।

आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के अंतर को पाटने के लिए विशेषज्ञ ने दिया *गणेश* का विचार

एजेंसी। देहरादून

दसवें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और एक्सपो 2024 का रविवार को यहां समापन हो गया जहां एक विशेषज्ञ ने पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के अंतर को पाटने के लिए गणेश का विचार दिया। सम्मेलन के दौरान विज्ञान और आध्यात्मिकता के सामंजस्य पर आयोजित पूर्ण सत्र के दौरान इटली की साइंटिफिक सोसायटी फॉर आयुर्वेदिक मेडिसिन के अध्यक्ष और निदेशक डॉ. एंटोनियो मोरांडी ने गणेश (ग्लोबल आयुर्वेदिक नेटवर्क फॉर एक्सीलेंस इन साइंस हार्मोनाइजेशन) का विचार दिया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान को एकीकृत कर एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर एक मानक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करना है जिससे यह आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ प्रभावी रूप से जुड़ सके। मोरांडी ने कहा कि गणेश नाम जानबूझकर भारतीय देवता गणेश के नाम पर रखा गया है क्योंकि वह लक्ष्य के मार्ग में आने वाली अड़चनों को दूर करने के लिए जाने जाते हैं। मोरांडी, विश्व स्वास्थ्य संगठन में आयुर्वेद के लिए परामर्शदाता भी है। उन्होंने कहा, आयुर्वेद की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूपांतरण में कई प्रकार की चुनौतियां हैं और जिनका सामना हमें उसे वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणाली बनाने में करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया, जब हम विभिन्न ज्ञान प्रणालियों को एकीकृत करते हैं तो हम एक सामूहिक बुद्धिमत्ता का सृजन करते हैं। मोरांडी ने कहा कि गणेश विश्व आयुर्वेदिक फाउंडेशन के तत्वाधान में काम करेगा जिसमें एक कोर कमेटी होगी और चिकित्सा के क्षेत्र के वैश्विक विशेषज्ञों से बना एक सलाहकार बोर्ड होगा। इसके अतिरिक्त, इसके तहत क्षेत्रीय प्रतिनिधि अपने देशों में हितधारकों के साथ मिलकर काम करेंगे।

उत्तराखंड आयुष विभाग के अपर सचिव विजय कुमार जोगदंडे ने बताया कि 12 दिसंबर से शुरू हुए चार दिवसीय आयोजन में 54 देशों के 300 प्रतिनिधियों सहित 12,000 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि इस दौरान आयुष पर गहन चर्चा के साथ ही क्षेत्र में नई संभावनाओं पर भी बात हुई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व आयुर्वेद कांग्रेस में आए देशविदेश के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि आयुष भूमि उत्तराखंड में महत्वपूर्ण विचार–विमर्श हुआ है जिसके दूरगामी परिणाम सामने आएंगे।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत अग्रणीः भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को कहा कि भारत अपने लक्ष्यों को प्राप्त करके जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और इस क्षेत्र में वैश्विक सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय पहल की अगुआई कर रहा है। भविष्य की धरती, जलवायु अनुकूल कदमों में लोगों की भागीदारी संबंधी विषय पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिशन लाइफ और एक पेड़ मां के नाम जैसी पहल के माध्यम से लोगों की भागीदारी को भारत की जलवायु कार्रवाई का सार बना दिया है। मंत्री ने एक्स पर कहा, इस बात पर भी विस्तार से बताया गया कि किस प्रकार भारत जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में अग्रणी है। भारत अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है तथा इस क्षेत्र में वैश्विक सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय पहल का नेतृत्व कर रहा है।

मैं कट्टर धर्मनिरपेक्ष, देशभक्त भारतीयः फिरहाद हकीम ने दी सफाई

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल वरिष्ठ मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के नेता फिरहाद हकीम ने प्रदेश और देश में मुसलमानों के कम प्रतिशत संबंधी कथित टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और हिंदू संतों के एक वर्ग द्वारा आलोचना किए जाने के बाद रविवार को सफाई देते हुए कहा कि उनका धर्मनिरपेक्ष और देशभक्ति के मूल्यों में दृढ़ विश्वास है। राज्य के नगर विकास मंत्री ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में अल्पसंख्यक छात्रों को संबोधित करते हुए कथित तौर पर कहा था, पश्चिम बंगाल में हम (मुस्लिम) 33 प्रतिशत हैं और देशभर में हम 17 प्रतिशत हैं। हकीम ने कहा था कि अल्पसंख्यकों को ऐसी स्थिति में पहुंचने का प्रयास करना चाहिए, जहां वे खुद को अधिक मजबूती से व्यक्त कर सकें और न्याय के लिए उनकी मांग को स्वीकार किया जाए। उन्होंने कहा था, संख्या की दृष्टि से हम अल्पसंख्यक हो सकते हैं, लेकिन अल्लाह के करम से हम इतने शक्तिशाली बन सकते हैं कि हमें न्याय के लिए मोमबत्ती रैली निकालने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हम ऐसी स्थिति में होंगे, जहां हम सशक्तीकरण के सही अर्थों में बहुसंख्यक बन जाएंगे।

हकीम ने शुक्रवार की इस टिप्पणी से उपजे विवाद के बारे में पूछे जाने पर रविवार को एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, मैं एक कट्टर धर्मनिरपेक्ष और देशभक्त भारतीय हूं। कोई भी मेरे धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और देश के प्रति प्रेम पर सवाल नहीं उठा सकता। भारत सेवाश्रम संघ (बीएसएस) के वरिष्ठ संत कार्तिक महाराज ने आरोप लगाया कि मुसलमानों की शिक्षा और आर्थिक उन्नति पर जोर देने के बजाय हकीम उनकी संख्या बढ़ाने की बात कर रहे हैं, जिससे राज्य में घुसपैठ को बढ़ावा मिलेगा। महाराज ने रविवार को सिलीगुड़ी में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम लाख कंठे गीता पाठ (एक लाख स्वरों में गीता का जाप) में कहा, अगर फिरहाद हकीम केवल मुसलमानों के लिए आर्थिक विकास के उपाय करने की बात करते तो हमें कोई आपत्ति नहीं होती। लेकिन विश्लेषण कीजिए कि उन्होंने हमारी आबादी में मुसलमानों के प्रतिशत का उल्लेख क्यों किया। क्या वह पश्चिम बंगाल को दूसरा बांग्लादेश बनाना चाहते हैं? भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद दिलीप घोष ने कहा कि हकीम की टिप्पणी राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में सांप्रदायिक तत्वों की पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाने और इसे भारत से अलग करने की योजना को उजागर करती है। कांग्रेस के पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा, भाजपा और तृणमूल दोनों ही धर्म की राजनीति का खतरनाक खेल खेल रही हैं। भाजपा बहुसंख्यक वोट बैंक के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए हिंदू कट्टरपंथियों को प्रोत्साहित कर रही है जबकि तृणमूल संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए हिंदू और मुस्लिम दोनों कट्टरपंथियों के साथ मेलजोल बढ़ा रही है।

पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष ने कहा, फिरहाद हकीम की टिप्पणियों से मुस्लिम कट्टरपंथी तत्वों को शामिल करने की भयावह योजना का पता चलता है। हकीम के भाषण का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, लेकिन पीटीआई–भाषा इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता। तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता कुणाल घोष ने हकीम का बचाव करते हुए कहा कि मंत्री की टिप्पणी को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। घोष ने कहा, उनके कहने का मतलब बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों का उत्थान था, ताकि वे मुख्यधारा के समाज में शामिल हो सकें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। कुछ तत्व उनके विचारों को अलग रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हकीम के धर्मनिरपेक्ष और उदारवादी मूल्य सर्वविदित हैं और वह सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देते हुए विभिन्न धार्मिक उत्सवों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी अमित मालवीय ने हकीम के बयान की आलोचना करते हुए उन पर यह सुझाव देने का आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल और भारत जल्द ही मुस्लिम बहुल हो जाएगा।

धामी ने चमोली में अनाथ बच्चों के लिए भेजा जरूरी सामान, दिया हर संभव मदद का भरोसा

देहरादून (भाषा)। चमोली जिले के खैनुरी गांव में अनाथ हुए तीन बच्चों की मदद के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाथ बढ़ाते हुए उनके घर जरूरी सामान और सामग्री पहुंचाई। अधिकारियों ने यहां बताया कि मामला संज्ञान में आते ही मुख्यमंत्री ने चमोली प्रशासन की टीम को अनाथ बच्चों के भरण पोषण और सर्दी से बचाव के लिए आवश्यक सामग्री पहुंचाने के निर्देश दिए। इसके बाद रविवार को उप राजस्व निरीक्षक अनुज बंडवाल के नेतृत्व में प्रशासन की टीम ने खैनूरी गांव पहुंच कर मुख्यमंत्री द्वारा बच्चों के लिए भेजी गई आवश्यक वस्तुएं उन्हें उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री ने अनाथ बच्चों के लिए सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा भी दिया। उन्होंने बताया कि खैनुरी गांव के रहने वाले नैन सिंह की इस वर्ष अक्टूबर में बीमारी से मृत्यु हो गई जबकि उनकी पत्नी कुसम देवी की मृत्यु 2020 में हो गई थी।

उप्र के ग्रामीण क्षेत्रों में शादियों में धूम मचा रहे ड्रोन ऑपरेटर

बलिया (भाषा)। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में विवाह समारोहों के सीजन में आजकल ड्रोन कैमरे सबसे आकर्षण का केन्द्र बन गए हैं और शादियों में ड्रोन उड़ाने वाले युवाओं के हुनर ने ग्रामीणों के बीच धूम मचा रखी है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के अंतिम छोर पर बिहार की सीमा से सटे बलिया जिले के एक गांव के 20 वर्षीय सुमित कुमार, खास तौर पर शादियों में ड्रोन पायलट के तौर पर लोगों की पहली पसंद बन गए हैं। कुमार ने पीटीआई–भाषा से कहा, हर शादी में जब मैं ड्रोन उड़ाता हूं तो सारे मेहमान मेरी तरफ देखते हैं।

विवाह समारोहों में वृद्धि के सा–साथ ड्रोन की मांग आसमान छू रही है। कुमार जैसे ड्रोन पायलट प्रत्एक कार्यक्रम के लिए 8,000 रुपए से 40,000 रुपए लेते हैं। बलिया में एक स्थानीय मोबाइल शॉप के मालिक अवधेश सिंह, कुमार जैसे फोटोग्राफरों को ड्रोन और उनके पुर्जों की आपूर्ति करते हैं। उन्होंने बताया कि शादियों में ड्रोन का इस्तेमाल काफी लोकप्रिय हो रहा है। सिंह ने कहा कि ड्रोन शादी की शानदार तस्वीरें तो खींचते ही हैं, मेहमानों के बीच चर्चा का विषय बन जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में काम करना पसंद करने वाले पुष्कर कहते हैं, "गांवों में इसके संचालन के लिए सहज अनुमति और नियम हैं और स्थानीय लोग तकनीक को देखने के लिए अधिक उत्साहित रहते हैं।

सुमित कुमार ने कहा कि मैंने दिल्ली में एक संस्थान में 15 हजार रुपए में ड्रोन उड़ाना सीखा। मेरा मानना है कि फोटोग्राफी के अलावा ड्रोन का इस्तेमाल करके बहुत कुछ किया जा सकता है और भविष्य में इसमें बहुत संभावनाएं हैं। सुमित वाराणसी में ड्रोन प्रशिक्षण अकादमी शुरू करने की योजना बना रहे हैं। अनुमान के अनुसार भारतीय ड्रोन बाजार 2022 में 2.71 अरब डॉलर था, जो 2030 तक बढ़कर 13 अरब डॉलर होने की उम्मीद है।

प्रणब को 2012 में प्रधानमंत्री, मनमोहन को राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए थाः मणिशंकर

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी नई पुस्तक में कहा है कि 2012 में जब राष्ट्रपति पद रिक्त हुआ था तब प्रणब मुखर्जी को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)–दो सरकार की बागडोर सौंपी जानी चाहिए थी और मनमोहन सिंह को राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए था। अय्यर (83) ने पुस्तक में लिखा है कि यदि उस समय ऐसा किया गया होता तो संप्रग सरकार शासन के पंगु बनने की स्थिति में नहीं पहुंचती। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में बनाए रखने और प्रणब मुखर्जी को राष्ट्रपति भवन भेजने के निर्णय ने संप्रग के तीसरी बार सरकार गठित करने की संभावनाओं को खत्म कर दिया।

अय्यर ने अपनी पुस्तक ए मैवरिक इन पॉलिटिक्स में ए विचार रखे हैं। पुस्तक में अय्यर ने राजनीति में अपने शुरुआती दिनों, पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के शासनकाल, संप्रग–एक में मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल, राज्यसभा में अपने कार्यकाल और फिर अपनी स्थिति में गिरावट...परिदृश्य से बाहर होने...पतन का जिक्र किया है। अय्यर ने लिखा, 2012 में प्रधानमंत्री (मनमोहन सिंह) को कई बार कोरोनरी बाइपास सर्जरी करानी पड़ी। वह शारीरिक रूप से कभी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हो पाए। इससे उनके काम करने की गति धीमी हो गई और इसका असर शासन पर भी पड़ा। जब प्रधानमंत्री का स्वास्थ्य खराब हुआ, लगभग उसी समय (तत्कालीन) कांग्रेस अध्यक्ष (सोनिया गांधी) भी बीमार पड़ी थीं लेकिन पार्टी ने उनके स्वास्थ्य के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की। उन्होंने कहा कि जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि दोनों कार्यालयों – प्रधानमंत्री और पार्टी अध्यक्ष – में गतिहीनता थी, शासन का अभाव था जबकि कई संकटों, विशेषकर अन्ना हजारे के इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से या तो प्रभावी ढंग से निपटा नहीं गया या फिर उनसे निपटा ही नहीं गया। उन्होंने लिखा, ...व्यक्तिगत रूप से मेरा मानना है कि जब 2012 में राष्ट्रपति पद खाली हुआ था तो प्रणब मुखर्जी को सरकार की बागडोर सौंपी जानी चाहिए थी और डॉ. मनमोहन सिंह को भारत का राष्ट्रपति बनाया जाना चाहिए था। अय्यर ने कहा, ...प्रणब के संस्मरणों से पता चलता है कि वास्तव में इस पर विचार किया गया था। अय्यर ने कहा, ...किन्हीं कारणों से, जिनकी जानकारी न तो मुझे और न ही संभवत: किसी और थी, डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में बनाए रखने और प्रणब मुखर्जी को राष्ट्रपति के रूप में ऊपर भेजने का निर्णय लिया गया। उन्होंने मुखर्जी को 2012 में प्रधानमंत्री बनाए जाने के अपने विचार को लेकर पीटीआई–भाषा से कहा, ...मुझे लगता है कि अगर डॉ. मनमोहन सिंह राष्ट्रपति और प्रणब प्रधानमंत्री बन गए होते, तो भी हमें 2014 में हार का सामना करना पड़ता लेकिन यह हार इतनी अपमानजनक नहीं होती कि हम मात्र 44 सीट पर सिमट जाते।

शिवसेना (उबाठा) ने महाराष्ट्र चुनाव में हार के बाद हिंदुत्व की ओर वापसी के दिए संकेत

भाषा। मुंबई

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) ने महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 20 नवंबर को हुए चुनाव में मिली करारी हार के बाद गत कुछ दिनों से अपने मूल हिंदुत्व एजेंडे पर लौटने के संकेत दिए हैं।पार्टी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के लिए केंद्र पर कड़ा हमला किया है और अब वह मुंबई के दादर स्टेशन के बाहर स्थित 80 साल पुराने हनुमान मंदिर की रक्षा के लिए आगे आई है, जिसे रेलवे द्वारा ध्वस्त करने का नोटिस दिया गया है।

शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने हिंदुत्व के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को घेरने की अपनी मंशा का संकेत देते हुए मंदिर में महा आरती की। इससे पहले छह दिसंबर को पार्टी ने कुछ सहयोगियों की नाराजगी तब बढ़ा दी थी जब उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी और विधान परिषद के सदस्य(एमएलसी) मिलिंद नार्वेकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक तस्वीर साझा की और साथ ही शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का यह आक्रामक कथन भी पोस्ट किया था, मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने यह किया। ऋ अयोध्या में मस्जिद को छह दिसंबर 1992 को कार सेवकों ने ध्वस्त कर दिया था।

इस कदम से असहज समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आजमी ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) से अलग हो रही है जिसमें शिवसेना के अलावा कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) भी शामिल है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों और पर्यवेक्षकों का कहना है कि नार्वेकर ने पार्टी नेतृत्व की जानकारी के बिना संदेश साझा नहीं किया होगा। उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर केंद्र सरकार पर हमला किया था और जानना चाहा था कि पड़ोसी देश में समुदाय की सुरक्षा के लिए भारत ने क्या कदम उठाए हैं।

पर्यवेक्षकों का कहना है कि ए कदम शिवसेना(उबाठा) की नीति में एक और बदलाव का संकेत है जिसने 2019 में अपने लंबे समय की सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ लिया था और कांग्रेस और राकांपा के साथ हाथ मिला लिया, लेकिन अपने मराठी मानुस (भूमि पुत्र) के नारे पर कायम रही। इन पर्यवेक्षकों ने कहा कि यह कदम ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी को विधानसभा चुनावों में मिली हार और नगर निकाय चुनावों से पहले उठाया गया है। राज्य में 2022से मुंबई सहित महाराष्ट्र के अधिकांश शहरों में निकाय चुनाव होने हैं। एमवीए गठबंधन के तहत 95 सीट पर लड़ने के बावजूद शिवसेना (उबाठा) को 288 सदस्ईय महाराष्ट्र विधानसभा में केवल 20 सीट पर जीत मिली है। एशिया के सबसे अमीर नगर निकायों में से एक बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(बीएमसी) पर 1997 से 2022 तक लगातार 25 वर्षों तक अविभाजित शिवसेना का नियंत्रण था। 2017 में बीएमसी चुनाव में, शिवसेना और भाजपा के बीच मुकाबला हुआ और दोनों दलों को क्रमश: 84 और 82 सीट मिलीं।

इस साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी ने मुंबई की छह में से चार सीट पर जीत दर्ज की। लेकिन आंकड़ों का बारीकी से विश्लेषण करने पर चलता है कि उसने अपने पारंपरिक मतदाता आधार वाली सीटों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आदित्य ठाकरे की अपनी वर्ली विधानसभा सीट पर पार्टी की बढ़त सात हजार मतों से कम थी। सत्तारूढ़ भाजपा ने शिवसेना (उबाठा) पर अल्पसंख्यक मतों की मदद से जीत दर्ज करने का आरोप लगाया। समान नागरिक संहिता और वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के अस्पष्ट रुख ने भाजपा को अपनी पूर्व सहयोगी पर हमला करने का और मौका दे दिया।

विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए गए, मुंबई में 24 निर्वाचन क्षेत्रों में से मात्र 10 में शिवसेना(उबाठा) को जीत मिली जो उसके मतदाता आधार में कमी का एक और संकेत था, विशेष रूप से उसके मूल समर्थकों के बीच। इसके अलावा, तीन निर्वाचन क्षेत्रों (जोगेश्वरी पूर्व, वर्सोवा और माहिम) में जीत का अंतर 2000 मतों से कम था, जबकि वर्ली, शिवडी, कलिना और डिंडोशी में यह 10000 से कम था। केवल विक्रोली, बायकुला और वंद्रे पूर्व में जीत 10,000 से अधिक के अंतर से मिली। राज्य विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) ने कभी हिंदुत्व को नहीं छोड़ा और यह बात तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी स्पष्ट कर दी थी।

दानवे ने पीटीआई–भाषा से कहा, मैं विपक्ष को चुनौती देता हूं कि वह एक भी ऐसा उदाहरण दिखाए जहां हमने हिंदुत्व को त्यागा हो। हमारा हिंदुत्व अलग है। इसका मतलब अल्पसंख्यकों से नफरत करना नहीं है। शिवसेना (उबाठा) नेता ने हालांकि स्वीकार किया कि पार्टी भाजपा के इस विमर्श का मुकाबला करने में विफल रही कि ठाकरे के नेतृत्व वाले दल ने हिंदुत्व को छोड़ दिया है, खासकर तब जब सत्तारूढ़ पार्टी ने विधानसभा चुनाव अभियान में एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे जैसे नारे लगाए।

राजनीतिक विश्लेषक अभय देशपांडे ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) द्वारा 2019 में अपना राजनीतिक रुख बदलने से 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी में फायदा हुआ क्योंकि इससे उसे नया मतदाता आधार मिला।देशपांडे ने साथ ही रेखांकित किया कि नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों से पता चला कि पार्टी ने अपने मूल मतदाता आधार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और भाजपा के हाथों खो दिया है। देशपांडे ने कहा कि शिवसेना (उबाठा) को यह एहसास हो गया है कि पार्टी का धर्मनिरपेक्ष रुख बीएमसी चुनाव में काम नहीं आएगा, इसलिए वह अपने मूल हिंदुत्व एजेंडे पर वापस आ गई है।उन्होंने कहा कि पार्टी का धर्मनिरपेक्ष रुख उन वार्ड में मददगार साबित हो सकता है जहां कांग्रेस के उम्मीदवार कमजोर हैं और वहां अल्पसंख्यक मतदाता शिवसेना (उबाठा) की ओर आकर्षित होंगे।

जय महाराष्ट्र – हा शिव सेना नवाचा इतिहास आहे (जय महाराष्ट्र – यह शिव सेना का इतिहास है) के लेखक प्रकाश अकोलकर ने कहा कि पार्टी की हिंदुत्व की ओर वापसी चुनावी असफलताओं से उसकी हताशा के कारण है। अकोलकर ने कहा, 2019 में मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद पहले सत्र में उद्धव ठाकरे ने कहा था कि उनकी पार्टी ने धर्म को राजनीति के साथ मिलाकर गलती की है। अब पार्टी अपने मुख्य हिंदुत्व के मुद्दे पर वापस जा रही है।

सतत विकास के लिए भारत के युवाओं की गतिशीलता महत्वपूर्णः राजदूत पी हरीश

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने कहा कि भारत की विशाल युवा आबादी की गतिशीलता और योगदान देश के विकास, हरित ऊर्जा परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए अहम है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पी हरीश संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संचार विभाग से संबद्ध गैर सरकारी संगठन।एम।बी (वन मिलियन फॉर वन बिलियन) के एक शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा , आप युवा लोग ही भविष्य हैं। आपको न केवल देश के शासन का हिस्सा बनने के लिए बल्कि हमारी विकास यात्रा में साथी के रूप में और हरित ऊर्जा को अपनाने, सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने, 2030 के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करना होगा। इनमें से प्रत्एक कार्य में आपकी गतिशीलता, आपका योगदान महत्वपूर्ण है। शिखर सम्मेलन में अपने मुख्य भाषण में हरीश ने भारत के युवाओं को परिवर्तन लाने वाले प्रणेता करार दिया और शैक्षिक संस्थानों में उनके अहम नवाचारों और पहलों की सराहना की। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी और नागरिक संस्थाओं के सदस्य भी शामिल हुए। हरीश ने इस बात पर जोर दिया कि भारत बहुपक्षवाद के प्रति प्रतिबद्ध है क्योंकि आज पेश आ रही समस्याओं का यही एकमात्र समाधान है। ।एम।बी के संस्थापक मानव सुबोध ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, उनका कार्यक्रम एआई फॉर इंडिया 2047 भारत की प्रतिभा को उस वक्त प्रदर्शित करेगा जिस वर्ष देश अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा।।एम।बी युवाओं के साथ काम कर रहा है और ए युवा भारत और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। ।एम।बी की स्थापना 2014 में की गई थी। यह संयुक्त राष्ट्र-मान्यता प्राप्त युवा-केंद्रित संगठन है जिसका मिशन दस लाख युवा नेताओं को सशक्त बनाना है ताकि वे एक अरब लोगों के जीवन पर प्रभाव डाल सकें।

लोगों को गायब किए जाने के पीछे अपदस्थ पीएम शेख हसीना का हाथः बांग्लादेश आयोग

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा गठित एक जांच आयोग ने कहा है कि उसे लोगों को कथित रूप से गायब किए जाने की घटनाओं में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके शासन के शीर्ष सैन्य एवं पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता के साक्ष्य मिले हैं। इस पांच सदर्स्यीय आयोग ने मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को शनिवार को सत्य का खुलासा शीर्षक से अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंपी जिसके बाद यह बयान जारी किया गया। लोगों के लापता होने की घटनाओं की जांच के लिए गठित आयोग ने अनुमान लगाया है कि ऐसे मामलों की संख्या 3,500 से अधिक है। मुख्य सलाहकार (सीए) के कार्यालय की प्रेस शाखा ने शनिवार रात एक बयान में कहा, आयोग को इस बात के सबूत मिले हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के निर्देश पर लोगों को गायब किया गया। इसमें कहा गया है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार मेजर जनरल (सेवा
ने के साथ-साथ आरएबी को खत्म करने का प्रस्ताव भी रखा। मानवाधिकार कार्यकर्ता और आयोग के सदस्य सज्जाद हुसैन ने कहा कि उन्होंने इस तरह की घटनाओं के कारण लोगों के लापता होने की।,676 शिकायतें दर्ज की हैं और अब तक उनमें से 758 मामलों की जांच की है। इनमें से 200 लोग या 27 प्रतिशत पीड़ित कभी वापस नहीं लौटे और जो वापस लौटे, उनमें से अधिकतर को रिकॉर्ड में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के तौर पर दिखाया गया है। आयोग में अध्यक्ष के अलावा न्यायमूर्ति फरीद अहमद शिबली, मानवाधिकार कार्यकर्ता नूर खान, निजी बीआरएसी विश्वविद्यालय की शिक्षिका नबीला इदरीस और मानवाधिकार कार्यकर्ता सज्जाद हुसैन भी शामिल हैं। इससे पहले, आयोग ने एक संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि उसे ढाका और उसके बाहरी इलाकों में आठ गुप्त हिरासत केंद्र मिले हैं। आयोग के अध्यक्ष ने शनिवार को यूनुस को बताया कि वह मार्च में एक और अंतरिम रिपोर्ट पेश करेंगे तथा सभी आरोपों की जांच पूरी करने के लिए उन्हें कम से कम एक और वर्ष लगेगा। यूनुस ने कहा, आप वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं। हम आपको हर तरह की सहायता देने के लिए तैयार हैं। टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर उन पीड़ितों के साक्षात्कार प्रसारित किए गए जिन्हें कथित रूप से गायब किया गया था। इन पीड़ितों में हसीना के शासन का सक्रिय रूप से विरोध करने वाले विपक्ष के कार्यकर्ता और पूर्व सैन्य अधिकारी शामिल हैं। यूनुस ने कल रिपोर्ट प्राप्त करते समय कहा कि वह कुछ संयुक्त पूछताछ कक्षों और गुप्त हिरासत केंद्रों का दौरा करेंगे क्योंकि वह पीड़ितों की पीड़ा के बारे में सीधे उन्हीं से जानकारी लेना चाहते हैं। रिपोर्ट में लोगों को गायब किए जाने की घटनाओं को अपराध घोषित करने के लिए एक नया कानून बनाने की मांग की गई है।

नेपालः सीएएन ने एवरेस्ट के ऊपर वाणिज्यिक हेलीकॉप्टर के उड़ान भरने पर प्रतिबंध को खारिज किया

काठमांडू। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएन) ने सागरमाथा राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियो द्वारा जारी उस नोटिस पर आपत्ति जताई है, जिसमे वाणिज्यिक उद्देश्य से विभिन्न हेलीकॉप्टर के राष्ट्रीय उद्यान के ऊपर से उड़ान भरने को प्रतिबंधित किया गया है। सीएएन ने एक बयान मे कहा, ध्वनि प्रदूषण की जांच और क्षेत्र मे पर्यावरण एवं वन्यजीवो की सुरक्षा के नाम पर माउंट एवरेस्ट के प्रवेश द्वार खुम्बू क्षेत्र मे वाणिज्यिक हेलीकाप्टरो के उड़ान भरने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियो द्वारा जारी नोटिस पर हमारा ध्यान आकर्षित किया गया है। बयान मे कहा गया है, उद्यान के अधिकारियो को राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र मे हेलीकॉप्टर की उड़ान को प्रतिबंधित करने का कोई अधिकार नही है, क्योंकि विमान को उतरने और उड़ान भरने से जुड़ा अधिकार पूरी तरह से सीएएन के पास है। सीएएन ने सभी हेलीकॉप्टर कंपनियो को राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र मे अपना परिचालन हमेशा की तरह जारी रखने का भी निर्देश दिया। नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दीपक जोशी ने कहा, राष्ट्रीय उद्यान एवरेस्ट क्षेत्र मे संचालित होने वाली उड़ानो को नही रोक सकते क्योकि हेलीकॉप्टर कंपनियां नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के नियमो का पालन करते हुए अपनी उड़ाने संचालित कर रही है। उन्होंने कहा, पर्यटको ने एक साल या उससे भी पहले से हेलीकॉप्टर बुक कराए है और उड़ाने रद्द होने से हमारी विश्वसनीयता को नुकसान होगा। सागरमाथा राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नही थे।

सभी दलों की सहमति से संविधान में संशोधन किया जाएगा : नेपाल के गृह मंत्री

काठमांडू। नेपाल के गृह मंत्री रमेश लेखक ने रविवार को कहा कि संविधान मे संशोधन के लिए सभी राजनीतिक दलो की आम सहमति सुनिश्चित की जाएगी। हिमालयन टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, मंत्री ने एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य को मजबूत करने के लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होने कहा, इस मुद्दे पर प्रारंभिक बातचीत शुरू हो गई है। लेकिन संविधान संशोधन का फैसला दो राजनीतिक दलो द्वारा नही किया जाएगा। विपक्षी नेता रबी लामिछाने की गिरफ्तारी के बारे मे पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए रमेश लेखक ने दावा किया कि सरकार प्रत्एक नागरिक के मानवाधिकारो के प्रति पूरी तरह सजग है। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष लामिछाने के खिलाफ प्रतिशोध की कोई भावना नही रखती है, क्योंकि उनके खिलाफ मौजूदा जांच एक कानूनी मुद्दा है।

यूनान में नौका डूबने से पांच शरणार्थियों की मौत, कई लापता

एथेंस। ग्रीस मे क्रेते द्वीप के दक्षिण मे शरणार्थियो को ले जा रही नौका डूबने से पांच लोगो की मौत हो गई वही कई लोग लापता है। तट रक्षक बल ने बताया कि चार खोज एवं बचाव अभियानो मे 200 से अधिक लोगो को बचाया गया। तट रक्षक बल के अनुसार चार अभियान शुक्रवार देर रात शुरू हुए जिसमे से एक अब भी जारी है। क्रेते के दक्षिण मे गावडोस द्वीप के पास नौका डूबने की अलग-अलग घटनाओ के बारे मे सूचना मिलने के बाद तीन अभियान शुरू किए गए जिनमे से एक अब भी जारी है और चौथा अभियान दक्षिणी पेलोपोनिज क्षेत्र मे शुरू किया गया। तट रक्षक बल ने बताया कि तलाश अभियान मे 39 लोगो को बचा लिया गया है और उन्हे क्रेते ले जाया गया। इस दौरान जलक्षेत्र से पांच शव बरामद किए गए। सुरक्षित बचाए गए लोगो ने बताया कि उनकी नौका मे बड़ी संख्या मे लोग सवार थे।

दक्षिण कोरिया के विपक्षी दल के नेता का शीर्ष अदालत से महाभियोग पर शीघ्र कार्रवाई का आग्रह

सियोल। दक्षिण कोरिया के विपक्षी नेता ने राष्ट्रपति युन सूक एओल को पद से हटाने के संबंध में रविवार को न्यायालय से शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। इससे एक दिन पहले एओल के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर शनिवार को संसद में मतदान हुआ, जिसके समर्थन में 204 जबकि विरोध में 85 वोट पड़े। इन घटनाक्रम के बीच राष्ट्रपति के तौर पर यून की शक्तियां तब तक निलंबित रहेंगी जब तक कि अदालत यून को पद से हटाने अथवा उनकी शक्तियों को बहाल करने का फैसला नहीं सुना देती। अदालत के पास यह तय करने के लिए 180 दिन का समय है कि यून को राष्ट्रपति पद से हटाया जाए या नहीं। अगर उन्हें पद से हटा दिया जाता है, तो 60 दिन में आम चुनाव कराने होंगे। प्रधानमंत्री हान डक-सू ने शनिवार देर रात राष्ट्रपति पद की शक्तियां अपने हाथ में ले लीं। हान को यून ने नियुक्त किया था। विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे-म्यांग ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि अराजकता को कम करने का एकमात्र तरीका त्वरित निर्णय है। ली ने एक राष्ट्रीय परिषद के गठन का भी प्रस्ताव पेश किया जहां सरकार और नेशनल असेंबली विभिन्न मामलों पर मिलकर काम कर सकें।

आस्ट्रेलिया में क्रिसमसः जगमगाते शहर, परिवार के साथ जश्न व खेल भी परंपरा में शामिल

सिडनी। बॉक्सिंग डे टेस्ट, सिडनी .होबर्ट यॉट रेस या फिर परिवार के साथ बीच क्रिकेट, हर आस्ट्रेलियाई के क्रिसमस कैलेंडर में शामिल है कोई खेल और उनके खेल प्रेम की झलक इस त्योहार की तैयारियों में भी नजर आ रही है। सिडनी से लेकर मेलबर्न और ब्रिसबेन तक हर शहर में क्रिसमस की तैयारियां चरम पर हैं। संगीत कन्सर्ट, तोहफों का आदान प्रदान, पारंपरिक खान -पान और रात में नदी के किनारे जगमगाती रोशनी के बीच डिनर- इन दिनों हर शहर में यही नजारा है। शाम को पार्क में या बीच पर लोग परिवार के साथ क्रिकेट, वॉलीबॉल या फिर फुटबॉल खेलते दिखेंगे।चंडीगढ से पहली बार यहां घूमने आई दीपना अरोड़ा ने कहा, मैंने इतना खूबसूरत क्रिसमस कहीं नहीं देखा। हर जगह इतनी रोशनी है और लोगों में जबर्दस्त उत्साह है। हर कोई परिवार के साथ है और यह जश्न नए साल तक चलता रहेगा क्योंकि तीन जनवरी से यहां भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पांचवां टेस्ट भी खेला जाना है। दक्षिणी गोलार्ध में होने के कारण आस्ट्रेलिया में क्रिसमस गर्मियों में पड़ता है और इसी दौरान रहता है क्रिकेट का भी मौसम। लिहाजा खेलों के दीवाने आस्ट्रेलियाई लोगों के लिए तो यह सोने पे सुहागा है। क्रिकेट देखने के अलावा खूबसूरत बीच पर परिवार के साथ क्रिकेट खेलते या तैराकी का मजा लेते भी लोग बड़ी संख्या में दिख जाएंगे।क्रिसमस के अगले दिन मेलबर्न का बॉक्सिंग डे टेस्ट तो दुनिया भर में मशहूर है ही, वहीं सिडनी से होबर्ट तक इसी दिन शुरू होने वाली 1170 किलोमीटर की यॉट रेस (नाव की दौड़) भी क्रिसमस परंपरा में शामिल है जिसकी शुरूआत 1945 में हुई थी। इस साल भी आस्ट्रेलिया के क्रूसिंग यॉट क्लब द्वारा आयोजित 78वीं रेस में भाग लेने के लिए 112 यॉट तैयार हैं और रेस दो जनवरी को होबर्ट में खत्म होगी जहां इसके स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं।ब्रिसबेन में क्वींस स्ट्रीट मॉल पर दर्जनों बेकरी से आती केक की खुशबू हवा में तैर रही है। युवाओं का कोई ग्रुप सैंटा क्लाज के कपड़ों में रेस्त्रां में बैठकर गप्पे लड़ा रहा है तो एक किनारे पर कोई कलाकार वायलिन बजा रहा है या फिर कहीं गीतों के जरिए क्रिसमस की कहानी सुनाई जा रही है। रात में शहर के मशहूर सिटी हॉल पर लाइट और साउंड शो सांटास एसओएस : अ क्रिसमस रेस्क्यू चल रहा है।गाबा पर भारत और आस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट खेला जा रहा है लेकिन बारह वर्ष के एलेन को इसकी टिकट नहीं मिल सकी और अब वह अपने दादाजी के साथ साउथबैंक पर क्रिकेट खेलने जाना चाहते हैं।एलेन ने कहा, मैं अपने दादाजी से कह रहा हूं कि हम वीकेंड पर क्रिकेट खेलते हैं। मेरे लिए क्रिसमस का मतलब अपने दादा- दादी के साथ समय बिताना है और हम इस दौरान खूब मस्ती करते हैं, खूब खेलते हैं। मुझे साल भर इसका इंतजार रहता है। फ्रांसीसी मूल की मेलिना को आस्ट्रेलिया में क्रिसमस ज्यादा अच्छा लगता है क्योंकि इस दौरान यहां गर्मी का मौसम रहता है।उन्होंने कहा, यूरोप में इस समय बर्फ गिरती है लेकिन आस्ट्रेलिया में क्रिसमस गर्मियों में होता है और इसलिए मुझे बहुत पसंद है। साउथ बैंक पर देर रात तक पूल में बच्चे, बूढे सभी यहां तैराकी करते दिखते हैं और फिर परिवार, दोस्तों के साथ नदी किनारे बने रेस्त्रां में डिनर करते हैं। बहुत अच्छा लगता है।

पाकिस्तान में पेशावर के ऐतिहासिक कपूर हाउस में राज कपूर की 100वीं जयंती मनाई गई

पेशावर। पाकिस्तानी सांस्कृतिक और फिल्म प्रेमी बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता एवं अभिनेता राज कपूर की 100वी जयंती मनाने के लिए शनिवार को पेशावर के कपूर हाउस मे इक्ट्ठा हुए और इस दौरान उन्होने केक काटकर उनकी जयंती मनाई।आयोजन मे शामिल लोगो ने राज कपूर और बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार के पैतृक घरो के जीर्णोद्धार के लिए 10 करोड़ रुपए आवंटित करने की विश्व बैंक की घोषणा का भी स्वागत किया। प्रसिद्ध किस्सा खवानी बाजार के पास स्थित दोनो घरो को पेशावर के भारतीय सिनेमा से गहरे संबंधो के प्रतीक के रूप मे माना जाता है। कल्चरल हेरिटेज काउंसिल (सीएचसी) और पुरातत्व निदेशालय खैबर पख्तूनखवा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस समारोह मे कपूर की विरासत को याद करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम मे मौजूद लोगो ने कपूर के पाकिस्तान से संबंधो पर बल दिया और सिनेमा पर उनकी अमिट छाप की प्रशंसा की। कपूर का जन्म 14 दिसंबर 1924 को पेशावर के ढाकी नलबंदी मे हुआ था और 1988 मे उनका निधन हो गया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के तौर पर पाक-ईरान ट्रेड एंड इवेस्टमेंट काउंसिल के सचिव मोहम्मद हुसैन हैदरी मौजूद रहे।दिग्गज अभिनेता पृथ्वीराज कपूर के बेटे राज कपूर ने अपने 40 साल के करियर के दौरान आवारा , बरसात , श्री 420 , संगम और मेरा नाम जोकर जैसी फिल्में बनाई।

मादक पदार्थ कैप्टागन क्या है, इसका सीरिया की असद सरकार के पतन से क्या संबंध है?

पर्थ। सीरिया मे राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद वहां मादक पदार्थ कैप्टागन के बड़े भंडार का खुलासा हुआ है। माना जा रहा है कि सीरियाई विद्रोहियों ने जिस भंडार का पता लगाया है वह अल-असद सैन्य मुख्यालय से जुड़ा हुआ है। जिससे पता चलता है कि इस मादक पदार्थ के निर्माण और वितरण मे सीरियाई शासन की संलिप्तता थी। लेकिन जैसा कि हमे पता है कैप्टागन का इस्तेमाल एक समय औषधि के तौर पर ठीक वैसे ही होता था, जैसे ध्यान आभाव अतिसक्रियता विकार (एडीएचडी) जैसी स्थितियों के उपचार के लिए हम कानूनी रूप से उपलब्ध कुछ दवाओं का आज भी करते है। कैप्टागन कभी एक दवा थी-कैप्टागन एक पुराने सिंथेटिक फार्मास्युटिकल उत्प्रेरक का मूल ब्रांड नाम है जिसे 1960 के दशक मे जर्मनी मे बनाया गया था। यह एम्फ़ैटेमिन और मेथैम्फेटामाइन का एक विकल्प था। उस समय इन दोनो का इस्तेमाल दवा के रूप मे किया जाता था।इस दवा में सक्रिय घटक फेनेथिलीन है और शुरुआत मे एडीएचडी और नीद की बीमारी नार्कोलेप्सी जैसी स्थितियो के उपचार के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। इसका उपयोग कानूनी रूप से उपलब्ध कुछ उत्प्रेरक पदार्थो के समान था, जिनका हम आज भी उपयोग करते है जैसे कि डेक्साम्फेटामाइन। कैप्टागन का प्रभाव एम्फ़ेटेमाइन जैसा ही होता है। यह मस्तिष्क मे डोपामाइन को बढ़ाता है, जिससे स्वास्थ्य, आनंद और उल्लास की भावनाएं पैदा होती है। यह ध्यान, एकाग्रता और सहनशक्ति मे भी सुधार करता है। लेकिन इसके कई अवांछित दुष्प्रभाव भी है जैसे कि थोड़ा बहुत मनोविकार। यह दवा मूल रूप से पश्चिम एशिया और यूरोप के कुछ हिस्सो मे बेची जाती थी। यह यूरोप मे कुछ समय तक काउंटर पर (बिना डॉक्टर के पर्चे के) उपलब्ध थी, उसके बाद मे यह केवल डॉक्टर के पर्चे पर लिखे जाने के बाद ही मिलना प्रारंभ हुई। अस्सी के दशक मे इसे प्रतिबंधित पदार्थ घोषित किया गया लेकिन इससे पहले इसे अमेरिका मे केवल कुछ समय के लिए ही बिक्री की मंजूरी दी गई थी। कई यूरोपीय देशो मे नार्कोलेप्सी के उपचार के लिए इसका इस्तेमाल वैध था।अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड के अनुसार कैप्टागन का निर्माण 2009 तक बंद हो गया था। अवैध व्यापार का कब्ज़ा- अवैध रूप से निर्मित संस्करण को आमतौर पर कैप्टागन कहा जाता है। इसे कभी-कभी रासायनिक साहस कहा जाता है क्योंकि माना जाता है कि इसका उपयोग पश्चिम एशिया के युद्धग्रस्त क्षेत्रो मे सैनिक ध्यान केंद्रित करने और ऊर्जा पाने के लिए करते है। उदाहरण के लिए, यह इजराइल के साथ संघर्ष मे शामिल हमास के लड़ाको के शवो मे पाया गया था। इसका निर्माण अपेक्षाकृत सरल और सस्ता है, जिससे यह काला बाजारी दवा व्यापार के लिए पसंदीदा बन गया। ब्लैक-मार्केट कैप्टागन अब लगभग विशेष रूप से सीरिया और लेबनान मे निर्मित होता है। इसका ज़्यादातर इस्तेमाल पश्चिम एशिया मे होता है। कुछ खाड़ी देशो मे मनोरंजन के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह सीरिया मे सबसे ज़्यादा इस्तेमाल की जाने वाली अवैध दवाओ मे से एक है।एक हालिया रिपोर्ट से पता चलता है कि कैप्टागन ने 2020 से 2022 के बीच सीरिया और लेबनान मे 7.3 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक (लगभग 2.4 अरब डॉलर प्रति वर्ष) कमाई की है। प्रतिबंधित पदार्थो के बारे मे हम आमतौर पर यही जानते है कि किसी भी जब्ती या विनिर्माण या बिक्री पर कार्वाई का दवा बाजार पर बहुत सीमित प्रभाव पड़ता है, क्योंकि मांग को पूरा करने के लिए कोई अन्य निर्माता या वितरक सामने आ जाता है।

फ्रांस के मायोट क्षेत्र में चक्रवात चिडो से बड़ी तबाही, 11 लोगों की मौत

केपटाउन। हिंद महासागर में फ्रांसीसी क्षेत्र मायोट में चक्रवात चिडो के कारण कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि घायलों की सटीक संख्या अभी ज्ञात नहीं है लेकिन मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। मायोट के एक अस्पताल ने बताया कि वहां भर्ती नौ लोगों की हालत गंभीर है और 246 अन्य घायल हैं। उष्णकटिबंधीय चक्रवात दक्षिण-पूर्वी हिंद महासागर से होकर गुजरा, जिसका असर कोमोरोस और मेडागास्कर पर भी पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि मायोट सीधे चक्रवात के रास्ते में पड़ा और शनिवार को उसे भारी नुकसान हुआ। मायोट के प्रीफेक्ट (शीर्ष अधिकारी) ने कहा कि यह 90 सालों में मायोट में आया सबसे भीषण चक्रवात था। चिडो अब अफ्रीकी मुख्य भूभाग मोजाम्बिक में पहुंच चुका है, जहां आपातकालीन अधिकारियों ने आशंका जताई है कि दो उत्तरी प्रांतों में 25 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं।

ट्रंप ने विदेश नीति सलाहकार रहे रिचर्ड ग्रेनेल को विशेष अभियानों के लिए दूत नामित किया

वेस्ट पाम बीच। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लंबे समय तक विदेश नीति सलाहकार रहे रिचर्ड ग्रेनेल को विशेष अभियानों के लिए दूत नामित किया है। ग्रेनेल, ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान जर्मनी में राजदूत, सर्बिया और कोसोवो शांति वार्ता के लिए राष्ट्रपति के विशेष दूत और राष्ट्रीय खुफिया विभाग के कार्यवाहक निदेशक के रूप में काम कर चुके हैं। उन्हें विदेश मंत्री के पद के लिए भी कड़ा दावेदार माना जा रहा था लेकिन ट्रंप ने फ्लोरिडा के सांसद मार्को रुबियो को विदेश मंत्री के नामित किया। ट्रंप ने खुद के सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, रिचर्ड वेनेजुएला और उत्तर कोरिया सहित दुनिया भर में कुछ सबसे प्रमुख अभियानों में काम करेंगे।

स्पेन, जर्मनी और पोलैंड के अपशिष्ट जल में पोलियो वायरस पाया गया

आपको क्या जानना चाहिए

कोलचेस्टर। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 1988 में पोलियो के वैश्विक उन्मूलन का आह्वान किया। एक दशक के भीतर, तीन पोलियोवायरस उप स्वरूपों में से एक को पहले ही लगभग समाप्त कर दिया गया था। इसका अर्थ है कि दुनिया भर में इस बीमारी के नए मामलों में स्थाई कमी आई है। पोलियो को पोलियोमाइलाइटिस के नाम से भी जाना जाता है। यह पोलियोवायरस के कारण होने वाली एक अत्यंत संक्रामक बीमारी है। यह तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है और कुछ ही घंटों में पूर्ण पक्षाघात का कारण बन सकता है। वायरस मुंह के माध्यम से प्रवेश करता है और आंत में उसकी प्रजनन क्षमता बढ़ जाती है। संक्रमित लोग मल मार्ग और मुख मार्ग से पर्यावरण में पोलियोवायरस फैलाते हैं। लगभग हर 200 संक्रमणों में से एक के मामले में स्थाई पक्षाघात होता है (आमतौर पर पैरों को प्रभावित करता है)। जो लोग पक्षाघात से पीड़ित होते हैं, उनमें से पांच से 10 प्रतिशत की मृत्यु सांस लेने वाली मांसपेशियों के स्थिर हो जाने के कारण होती है।वर्ष 1988 से लेकर अब तक पोलियो वायरस से संक्रमण के मामलों की वैश्विक संख्या में 99 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। आज, केवल दो देशों - पाकिस्तान और अफगानिस्तान - में पोलियो एक स्थानिक महामारी मानी जाती है। इसका मतलब है कि यह बीमारी देश में नियमित रूप से फैलती है।हाल के महीनों में जर्मनी, स्पेन और पोलैंड के अपशिष्ट जल में पोलियो वायरस पाया गया है। यह खोज आबादी में संक्रमण की पुष्टि नहीं करती है, लेकिन यह यूरोप के लिए एक चेतावनी है, जिसे 2002 में पोलियो मुक्त घोषित किया गया था। टीकाकरण अभियान में किसी तरह की कमी से यह बीमारी फिर से उभर सकती है। पोलियोवायरस के उप स्वरूप उस क्षेत्र में विकसित हुए जहां वायरस प्रचलन में रहा। इसके कारण 2021 में ताजिकिस्तान और यूक्रेन में तथा 2022 में इजराइल में बिना टीकाकरण वाले लोगों में इसका प्रकोप देखने को मिला। इसके विपरीत, ब्रिटेन में 2022 में अपशिष्ट जल में पोलियो वायरस पाया गया था लेकिन इससे किसी के लकवाग्रस्त होने की कोई घटना सामने नहीं आई।

यह जानकारी पोलियोवायरस की पहचान के विभिन्न प्रभावों पर प्रकाश डालती है। क्यों? कम टीकाकरण वाली आबादी वाले क्षेत्रों में, वायरस व्यापक रूप से फैल सकता है और पक्षाघात का कारण बन सकता है। लेकिन जिन समुदायों में सभी का टीकाकरण होता है वहां वायरस अक्सर लक्षणहीन संक्रमणों तक ही सीमित रहता है या केवल अपशिष्ट जल में ही पता लगाया जा सकता है।इसका अभिप्राय है कि पर्यावरण में वायरस का पता लगाना पूर्व चेतावनी की तरह काम कर सकता है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों को टीकाकरण की दर की जांच करने और टीकाकरण अभियान को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार करने और प्रकोप को रोकने के लिए रोग निगरानी बढ़ाने जैसे उपाय करने की चेतावनी देता है।सूचनाओं का समृद्ध स्रोत - कोविड महामारी के दौरान अपशिष्ट जल निगरानी दृष्टिकोण दोबारा चर्चा में आया और यह बीमारी के प्रकोप का शीघ्र पता लगाने में अमूल्य तरीका साबित हुआ। अपशिष्ट जल सूचना का एक समृद्ध स्रोत है। इसमें मानव मल का मिश्रण होता है, जिनमें वायरस, बैक्टीरिया, कवक और रासायनिक अवशेष होते हैं। इस मिश्रण का विश्लेषण सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करता है।तीनों देशों में नियमित अपशिष्ट जल परीक्षण से एक विशिष्ट टीके से उत्पन्न स्वरूप का पता चला। तीनों देशों में से किसी में भी पोलियो का कोई मामला सामने नहीं आया है। टीका जनित पोलियोवायरस के उप स्वरूप मुंह के रास्ते ली जाने वाली पोलियो टीका की खुराक में मौजूद कमजोर जीवित पोलियोवायरस से निकलते हैं। अगर यह कमजोर वायरस कम-टीकाकरण वाले या कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों (जैसे कि प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता या कीमोथेरेपी से गुजर रहे लोग) के बीच लंबे समय तक प्रसारित होता है, तो यह आनुवंशिक रूप से बीमारी पैदा करने में सक्षम रूप में वापस आ सकता है।इस मामले में, यह संभव है कि वायरस किसी संक्रमित लक्षणहीन व्यक्ति द्वारा अपशिष्ट जल में छोड़ा गया हो। लेकिन यह भी संभव है कि जिस व्यक्ति को हाल ही में मुंह के रास्ते टीके की खुराक (कमजोर वायरस के साथ) दी गई है, उसने वायरस को अपशिष्ट जल में फैला दिया हो, जो बाद में पक्षाघात का कारण बनने वाले उत्परिवर्तन को पुन: प्राप्त करने तक विकसित हुआ हो।एक अलग तरह का टीका मौजूद है। निष्क्रिय पोलियो टीके (आईपीवी) से वायरस खतरनाक रूप में वापस नहीं आ सकता। हालांकि, इसे वितरित करना अधिक महंगा और अधिक जटिल है, इसे लगाने के लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकता होती है और अधिक जटिल प्रक्रियाएं होती हैं। इससे इस टीके को गरीब देशों की आबादी तक पहुंचाने में चुनौती आती है जबकि उन देशों में टीकाकरण की आवश्यकता अधिक होती है।

तूफान के कारण बर्फ से ढके आयोवा और पूर्वी नेब्रास्का, सैन फ्रांसिस्को के लिए चेतावनी जारी

ओमाहा। अमेरिका के आयोवा एवं पूर्वी नेब्रास्का मे बर्फीले तूफान के कारण सड़को पर बर्फ जम गई और कई वाहनो के फिसलने की घटनाओ के कारण इंटरस्टेट 80 राजमार्ग को अस्थाई रूप से बंद करना पड़ा। क्षेत्र मे आयोजित होने वाले कई कार्यक्रम शुक्रवार शाम को बर्फीले तूफान की दस्तक के बाद रद्द करने पड़े। पूर्वी नेब्रास्का मे सड़को पर जमी बर्फ के कारण हुई एक दुर्घटना मे एक महिला की मौत हो गई। वाशिंगटन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि 57 वर्षीय महिला हाईवे-30 पर अपने वाहन पर से नियंत्रण खो बैठी और सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। ट्रक के चालक को मामूली चोटे आई है।अन्य स्थानो पर 96 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के कारण सैन फ्रांसिस्को मे तूफान की पहली बार चेतावनी जारी की गई। मौसम विभाग के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को मे तेज हवाओ के कारण कार और सड़को पर कुछ पेड़ गिर गए। सैन फ्रांसिस्को मे 2005 के बाद से कोई तूफान नही आया है। कैलिफोर्निया के मोंटेरे मे मौसम विभाग के कार्यालय मे मौसम विज्ञानी रोजर गैस ने कहा, यह सैन फ्रांसिस्को मे संभावित तूफान की पहली चेतावनी है। मेरा मानना है कि 2005 मे चेतावनी के लिए रडार पर कोई स्पष्ट संकेत नही था।

जीएनजी ने डीआरएचपी किया दायर

ग्लोबल। लैपटॉप और डेस्कटॉप का सबसे बड़ा रिफर्बिशर जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड सेबी के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ;डीआरएचपी दाखिल किया है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड भारत में और वैश्विक स्तर पर और भारत, अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और यूएई में महत्वपूर्ण उपस्थिति के साथए वैल्यू के संदर्भ में 31 मार्चए 2024 तक आईसीटी उपकरणों का सबसे बड़ा रिफर्बिशर है। आईपीओ में 2 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल हैए जो कुल मिलाकर ?825 करोड़ तक है और 2 अंकित मूल्य वाले 9,700,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ब्रांड ष्इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारष् के तहत काम करता हैए जो पूरे नवीनीकरण मूल्य श्रृंखला में मौजूद है, यानी सोर्सिंग से लेकर नवीनीकरणए बिक्रीए बिक्री के बाद की सेवाओं और वारंटी प्रदान करना। लैपटॉपए डेस्कटॉपए टैबलेटए सर्वरए प्रीमियम स्मार्टफोनए मोबाइल वर्कस्टेशन और एक्सेसरीज़ जैसे आईसीटी उपकरणों के नवीनीकरण की कंपनी की व्यापक प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि ऐसे उपकरण प्रदर्शन और सौंदर्य दोनों के मामले में नए जैसे ही होंए और नए उपकरणों की कीमत पर लैपटॉप और डेस्कटॉपए टैबलेटए सर्वरए प्रीमियम स्मार्ट फोनए मोबाइल वर्कस्टेशन और एक्सेसरीज़ जैसे अन्य उपकरणों को नए उपकरणों की कीमत के 35.50ः पर पेश करने में सक्षम हैं। कंपनी मरम्मत.से.प्रतिस्थापन दृष्टिकोण का पालन करती है, जो लागत लाभ प्रदान करता है और कार्बन पदचिह्न को कम करके वास्तविक स्थिरता प्राप्त करने में मदद करता है मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेडए आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड ;जिसे पहले आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था।

हेड और स्मिथ के शतकों से ऑस्ट्रेलिया मजबूत

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट भारत के खिलाफ बड़े स्कोर की ओर

भाषा। ब्रिस्बेन

शानदार लय में चल रहे ट्रेविस हेड (152) और दिग्गज स्मिथ स्मिथ (101) की शतकीय पारियों और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 241 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में रविवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक सात विकेट पर 405 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। जसप्रीत बुमराह ने गेंद से कमाल करना जारी रखते हुए 25 ओवर में 72 रन देकर पांच विकेट लिए। दिन का खेल खत्म होते समय एलेक्स कैरी 45 और मिचेल स्टार्क सात रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे।श्रृंखला में अपना पहला मैच खेल रहे आकाश दीप ने भी अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। नीतिश कुमार रेड्डी (65 रन पर एक विकेट) और मोहम्मद सिराज (97 रन पर एक विकेट) को एक विकेट मिला। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआती सत्र में प्रभावी प्रदर्शन किए लेकिन हेड के क्रीज पर आने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र में बिना विकेट गंवाए 27 ओवर में 130 रन जोड़ कर वापसी की। चाय के विश्राम के बाद हेड और स्मिथ ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेजी से रन जुटाए।कप्तान रोहित शर्मा ने दिन की आखिरी सत्र में रविंद्र जडेजा और रेड्डी से गेंदबाजी करना शुरू किया। क्रीज पर समय बिता चुकी ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को उनके खिलाफ बड़े शॉट खेलने में कोई परेशानी नहीं हुई। इस दौरान रोहित ने रेड्डी की गेंद पर हेड का मुश्किल कैच टपका कर जीवन दान भी दिया। हेड इस समय 112 रन पर खेल रहे थे। स्मिथ ने पारी के 82वें ओवर में आकाश दीप के खिलाफ चौका लगाने के बाद एक रन दौड़कर पिछली 26 पारियों में अपना पहला सैकड़ा पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके जड़े। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 33वां शतक है। वह

स्टीव वॉ (32) को पीछे छोड़कर रिकी पोंटिंग (41) के बाद ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। स्मिथ अब जो रूट के साथ भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सर्वाधिक टेस्ट शतक (10) लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनके बाद सर विवियन रिचर्ड्स और सर गारफील्ड सोबर्स (आठ-आठ शतक) हैं।बुमराह ने रोहित के हाथों कैच कराकर स्मिथ की 190 गेंद की पारी को खत्म किया। उन्होंने इसके बाद मिचेल मार्श (पांच) को पवेलियन की राह दिखाने के बाद हेड को आउट कर टेस्ट में 12वीं बार पारी में पांच विकेट पूरे किए। हेड ने 160 गेंद की पारी में 18 चौके लगाए।एडीलेड टेस्ट मैच में शतकीय पारी (140 रन) से ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले हेड ने एक बार फिर से भारतीय गेंदबाजों के खिलाड़ी आसानी से रन बनाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को गैप ढूंढने में कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पारी के 69वें ओवर में बुमराह के खिलाफ तीन रन लेकर लगातार दूसरा और टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। हेड की पारी की शुरुआत में भारतीय गेंदबाजों ने शॉर्ट गेंद का ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने इस तरह की गेंदों को तब आजमाना शुरू किया जब हेड परिस्थितियों से सामंजस्य बैठा चुके थे। पिछले कुछ मैचों से लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे स्मिथ ने भी धैर्य और एकाग्रता से बल्लेबाजी करते हुए हेड का अच्छा साथ दिया। इससे पहले बुमराह ने दिन की शुरुआत में दो विकेट झटक कर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के दोनों सलामी बल्लेबाजों उस्मान ख्वाजा (21) और नाथन मैकस्वीनी (नौ) को चलता किया तो वहीं रेड्डी ने मार्नस लाबुशेन (12) को आउट किया।मैच के शुरुआती दिन का ज्यादातर खेल बारिश की भेंट चढ़ने के कारण दूसरे दिन का खेल आधे घंटे पहले शुरू हुआ। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 28 रन से आगे से की और बुमराह ने भारतीय टीम को पहली सफलता दिलाने में ज्यादा देर नहीं लगाई। उन्होंने दिन के चौथे ओवर में ख्वाजा को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। बुमराह ने इस श्रृंखला में ख्वाजा को तीसरी बार आउट किया तो वही पंत ने टेस्ट में अपना 150 वां कैच पकड़ा। भारतीय गेंदबाजों के अगुआ बुमराह ने अपने अगले ओवर में मैकस्वीनी को पवेलियन की राह दिखाई। गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर दूसरे स्लिप में खड़े विराट कोहली के हाथों में चली गई। शुरुआती सफलता के बाद भारत दबाव बनाए रखने में सफल रहा लेकिन स्मिथ और लाबुशेन ने क्रीज पर समय बिताने के लिए रक्षात्मक खेल का सहारा लिया।

पहले दिन 10 गेंदें का खेल कम होने से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को हुआ राजस्व का नुकसान

ब्रिस्बेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा टेस्ट के बारिश से प्रभावित पहले दिन के लिए बेचे गए टिकटों पर पूरा रिफंड देने के लिए मजबूर होने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को एक मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 5.4 करोड़ रुपए) का नुकसान होगा।तीसरे टेस्ट के पहले दिन बारिश के कारण केवल 13.2 ओवर फेंके गए। मैच के पहले दिन के सभी टिकट बिक गए थे।मैदान पर पहुंचे प्रशंसकों को एक मिलियन के करीब लाभ होगा जिसके अंतर्गत उन्हें एक दिन के खेल के दौरान 15 से कम ओवर फेंके जाने पर टिकटों का पूरा पैसा वापस मिलेगा। इसका मतलब है कि अगर 10 गेंद और फेंकी गई होती तो सीए को एक मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक का पैसा वापस नही करना पड़ता।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि 30,145 प्रशंसकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा क्योंकि 15 ओवर से कम का खेल पूरा हुआ था। न्यूज डॉट कॉम डॉट एयू के मुताबिक, यह पता चला है कि, प्रशंसकों को टिकटों के पूरे रकम की वापसी के लिए पात्र होने से रोकने के लिए कम से कम 15 ओवरों की आवश्यकता होती है।, जिसका मतलब यह है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया संभावित रूप से रिफंड में एक मिलियन (ऑस्ट्रेलियाई) डॉलर से अधिक की बचत करने से 10 गेंद दूर था।

स्कोरबोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी : ख्वाजा का पंत बो बुमराह 21,मैकस्वीनीका कोहली बो बुमराह 09,लाबुशेन का कोहली बो रेड्डी 12,स्मिथ का रोहित बो बुमराह 101, हेड का पंत बो बुमराह 152,मार्श का कोहली बो बुमराह 05, कैरी नाबाद 45,कमिंस का पंत बो सिराज 20, स्टार्क नाबाद 07,**अतिरिक्तः** (लेग बाईः 17, नोबॉलः 05, वाइडः 11) 33,**कुल योगः** (101 ओवर में सात विकेट पर) 405 रन, **विकेट पतनः** 1-31, 2-38, 3-75, 4-316, 5-326, 6-327, 7-385,**गेंदबाजी:** बुमराह 25-7-72-5, सिराज 22.2-4-97-1, आकाश दीप 24.4-5-78-0,रेड्डी 13-1-65-1,जडेजा16-2-76-0

नामधारी एफसी ने रीयल कश्मीर को1-0 से हराया

लुधियाना। खिताब के दावेदार रीयल कश्मीर एफसी को रविवार को यहां आईलीग फुटबॉल 2024-25 में विरोधी टीम के स्टेडियम पर अपने पहले मुकाबले में नामधारी एफसी के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। मैच का एकमात्र गोल नामधारी के ब्राजील के स्ट्राइकर क्लेडस डासिल्वा डेगोल ने 15वें मिनट में किया।लगातार दो जीत के बाद नामधारी के पांच दौर के बाद सात अंक हो गए हैं जबकि मौजूदा सत्र में पहली हार झेलने वाली श्रीनगर की टीम के आठ अंक है।नामधारी की टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है जबकि रीयल कश्मीर की टीम चौथे स्थान पर है।

अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया ने पहलो खो-खो विश्व कप में हिस्सा लेने की पुष्टि की

नई दिल्ली। अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्राजील ने भारत में 13 से 19 जनवरी 2025 तक होने वाले खो-खो विश्व कप में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है।कुल मिलाकर 24 देशों ने राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम और नोएडा इंडोर स्टेडियम में एक हफ्ते तक चलने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की है।भारतीय खो-खो महासंघ और टूर्नामेंट की आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन लीग सह नॉकआउट प्रारूप में होगा। प्रतियोगिता पुरुष और महिला दोनों वर्ग में खेली जाएगी। एशियाई देशों में इंडोनेशिया अपनी महिला टीम भेजेगा जबकि अन्य देश पुरुष और महिला दोनों टीम भेजेंगे।मित्तल ने कहा कि 615 खिलाड़ी और 125 सहयोगी स्टाफ प्रतियोगिता में हिस्सा लेगा। प्रत्यक टीम में 15 खिलाड़ी, एक कोच, एक मैनेजर और अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी होंगे।

रीयाल मैड्रिड को रेयो वैलेकैनो ने 3-3 की बराबरी पर रोका

बार्सीलोना। रेयो वैलेकैनो ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग (ला लिगा) के रोमांचक मुकाबले में रीयाल मैड्रिड को 3-3 की बराबरी पर रोक दिया। रीयाल मैड्रिड के पास इस मुकाबले को जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचने का मौका था लेकिन रेयो वैलेकैनो ने उसे बराबरी पर रोककर ऐसा नही होने दिया।रेयो ने उनाई लोपेज और अब्दुल मोमिन के सफल प्रयास से मैच के 36वें मिनट तक दो गोल की बढ़त से रीयाल मैड्रिड को चौका दिया।मध्यांतर से पहले फेडरिको वाल्वरडे और जूड बेलिंगहैम के गोल से मैड्रिड की टीम वापसी करने में सफल रही। मैड्रिड ने 56वें मिनट में रोड्रिगो के गोल से पहली बार मैच में बढ़त हासिल की लेकिन इसके आठ मिनट के बाद इसि पलाजोन ने बराबरी का गोल दाग कर स्कोर 3-3 कर दिया।मैड्रिड की टीम इस मैच में अपने चोटिल स्टार स्ट्राइकर कीलियान एमबाप्पे के बिना मैदान पर उतरी थी।रीयाल मैड्रिड अंक तालिका में बार्सीलोना से एक अंक से पिछड़कर दूसरे स्थान पर है। रायो 13वें पायदान पर है।अन्य मैचों में सेविला ने सेल्टा विगो को1-0 और मेलोरका ने गिरोना को 2-1 से हराया जबकि एस्पैन्योल और ओसासुना का मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा।

भारत को 50-80 ओवरों के बीच पुरानी गेंद से बेहतर प्रदर्शन करना होगा : मोर्कल

ब्रिसबेन। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने रविवार को स्वीकार किया कि भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई शतक बनाने वाले ट्रेविस हेड के खिलाफ योजनाओं को लागू करने में विफल रहे और उन्होंने उन्हें 50 से 80 ओवरों के बीच पुरानी गेंद से अपने खेल को सुधारने की बात कही। हेड और साथी शतकवीर स्टीव स्मिथ ने मेजबान टीम को तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन तीसरे सत्र में 31 ओवरों में 171 रन बनाने में मदद की। ऑस्ट्रेलिया ने स्टंप तक सात विकेट पर 405 रन का स्कोर बनाया। मोर्कल ने दिन के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम कह सकते हैं कि वह (हेड) काफी अच्छी फॉर्म में हैं। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप 50 से 80 ओवरों तक देखें तो गेंद के साथ हम पिछले मैच में भी पिछड़ गए। हमने थोड़े बहुत रन लुटाए। इसलिए मुझे लगता है कि हमें इस विभाग में बेहतर होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सुबह के सत्र में तीन विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज लय बरकरार नहीं रख सके। मोर्कल ने कहा, आज सुबह हमने 70 रन देकर तीन विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन दो विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का कुछ नहीं कर सके। स्मिथ को हम जानते हैं, वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो लंबे समय तक बल्लेबाजी कर सकते हैं और रन बना सकते हैं। उन्होंने (स्मिथ और हेड) वहां साझेदारी की और हमें दबाव में डाल दिया। उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से ऐसा विभाग है जिस पर हमें ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है शायद पारी की गहराई में। हमारे पास योजना हैं लेकिन क्या हम दोनों छोर से इन योजनाओं को लागू कर रहे हैं? यह कुछ ऐसा है जिसमें हमें बेहतर होने की जरूरत है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने बताया कि हेड के खिलाफ पहले से तय योजना विफल हो गई। उन्होंने कहा, इस मैच से पहले हमारी योजना थोड़ी ओवर द विकेट और सीधी लाइन पर गेंदबाजी करने की थी। हमें लगा कि जब हमने एडिलेड में अराउंड द विकेट गेंदबाजी की तो वह काफी अच्छा खेले। एक बार जब वह मैदान में आ गए तो टीम और आपके लिए सबसे अच्छा तरीका शायद स्कोरिंग गति को धीमा करना है क्योंकि आप जानते हैं कि वह आक्रामक होने वाले हैं।

बुमराह के स्पैल से बचकर भाग्यशाली रहा, भारत के खिलाफ रन बनाना अच्छा रहा: हेड

ब्रिस्बेन। ट्रेविस हेड भारत के खिलाफ एक और शतक जड़कर खुश हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने माना कि तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन वह जसप्रीत बुमराह के शानदार स्पैल से बचकर भाग्यशाली रहे। हेड ने 152 रन की पारी खेली जो भारत के खिलाफ उनकी पिछली छह पारियों में तीसरा शतक था। उन्होंने शतकवीर स्टीव स्मिथ (101) के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को सात विकेट पर 405 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। हेड ने मेजबान प्रसारक से कहा, मैं बुमराह के अच्छे स्पैल से बचकर थोड़ा भाग्यशाली रहा। वह शुरुआत में स्टंप के बेस पर गेंद फेंकते हैं। मुझे लगता है कि यह प्रतिक्रिया करने के बारे में है। उनके पास अच्छी बाउंसर है। उनके पास शानदार विकेट लेने वाली गेंदें हैं। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि उनके खिलाफ

सकारात्मक रहना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे उनके खिलाफ रन बनाने की जरूरत है बल्कि यह मेरे फॉरवर्ड डिफेंस के साथ सक्रिय रहने के बारे में है। लेकिन हेड भारत पर अपना दबदबा बनाए रखने से खुश हैं। उन्होंने पिछले साल ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल में शतक बनाया था और फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में एडिलेड में शतक बनाया था। हेड ने कहा, हम भारत के साथ बहुत अधिक खेलते हैं। रन बनाना अच्छा है। इस हफ्ते भी रन बनाना विशेष है। मुझे लगा कि मैंने एडिलेड और पर्थ में अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा, भारत का सामना करना बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। उनके खिलाफ जितना संभव हो उतना सकारात्मक रहना चाहिए। हेड ने स्मिथ की भी प्रशंसा की जिनके साथ उन्होंने चौथे विकेट के लिए 200 से अधिक रन की साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा स्टीव के बारे में इस बात का आनंद लिया है। मैंने महसूस किया है कि जब वह लय में होता है और अच्छी बल्लेबाजी करता है तो मेरी ओर किसी का ध्यान नहीं जाता। मुझे लगा कि वह सही में अच्छा खेल रहा था। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी टेस्ट में अपना पहला दोहरा शतक बनाने के लिए आगे बढ़ रहा था लेकिन वह इस उपलब्धि से चूकने से बहुत दुखी नहीं दिखे।

पिछले तीन साल मेरे करियर में सबसे कठिन रहे: स्मिथ

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने रविवार को कहा कि पिछले तीन साल उनके शानदार करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण रहे हैं क्योंकि उन्हें कूकाबुरा की नई गेंद से सामांजस्य बैठाने में परेशानी का सामना करना पड़ा है।कूकाबुरा ने 2020 में गेंद की सीम पर अतिरिक्त लैकर लगाना शुरू किया। लैकर किसी प्लास्टिक की परत जैसी होती है जो गेंद को सख्त बनाती है। इससे गेंद अधिक स्विंग होती है। स्मिथ को यहां भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपने 33वें शतक की राह में एक बार फिर इन सब चीजों से जूझना पड़ा। यह पिछले 18 महीनों में उनका पहला टेस्ट शतक था, जो उनके जैसे कद के बल्लेबाज के लिए बहुत लंबा अंतराल है।स्मिथ ने तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, 2021 के बाद से जब से कूकाबुरा ने गेंद को बदला है तब से बल्लेबाजी निश्चित रूप से अधिक कठिन हो गई है।

आकाश दीप में निश्चित रूप से कुछ कौशल है

ब्रिसबेन। भारत के तेज गेंदबाज आकाश दीप भले ही तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन यहां विकेट लेने में नाकाम रहे हों लेकिन गेंद से बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें पैदा करने की उनकी क्षमता की ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने तारीफ की। स्मिथ ने रविवार को अपना 33वां टेस्ट शतक बनाया और चौथे विकेट के लिए ट्रेविस हेड (152) के साथ 241 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति मे पहुंचा दिया। उन्होने जसप्रीत बुमराह (5172) के चुनौतीपूर्ण स्पैल और आकाश दीप की धारदार गेंदबाजी के खिलाफ संघर्ष भी किया।स्मिथ ने गाबा मे दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस मे कहा, मुझे लगता है कि आकाश ने काफी अच्छी गेंदबाजी की, विशेषकर पहले स्पैल मे। वह काफी मूवमेंट के साथ गेद को घुमा रहे थे। उन्होने वास्तव मे अच्छी लेंथ से गेंदबाजी की। वह एक अच्छे गेंदबाज है।

टाटा स्टील 25 के दौड़: किस्सा ने पुरुष और केबेडी ने महिला वर्ग का खिताब जीता

कोलकाता। इथियोपिया की सुतूम केबेडी ने टाटा स्टील वर्ल्ड 25के (25 किलोमीटर की दौड़) के नौवें सत्र में महिलाओं का ताज बरकरार रखा तो वहीं युगांडा के स्टीफन किस्सा ने रविवार को यहां पुरुषों की दौड़ में गत चैंपियन कीनिया के डेनियल एबेन्यो पर जीत हासिल की। भारतीय एलीट धावकों ने भी इस दूरी की पहली विश्व एथलेटिक्स गोल्ड स्तर के रेस में शानदार प्रदर्शन किए। गुलवीर सिंह ने नए मीट रिकॉर्ड के भारतीय पुरूषों का खिताब जीता। महिला वर्ग में संजीवनी शीर्ष भारतीय रहीं।विभिन्न श्रेणियों में 20,500 से अधिक लोगों ने इस आयोजन में भाग लिया। केबेडी ने एक घंटा 19:17 मिनट के समय के साथ अपने खिताब का बचाव किया।कीनिया की विओला चपेंगेन दूसरे और बहरीन की दिसी जिस्सा महिलाओं में तीसरे स्थान पर रही।किस्सा ने एक घंटा 12.55 मिनट के साथ पुरुषों में शीर्ष स्थान हासिल किया। जबकि गत चैम्पियन डेनियर एबेन्यो उनसे चार सेकेंड पीछे दूसरे स्थान पर रहे। एंथोनी किपचिरचिर ने कांस्य पदक जीता।भारतीयों में 26 साल के गुलवीर ने एक घंटा 14:10 मिनट के साथ नया रिकॉर्ड कायम किया।

मेरा शतरंज खेलने का कारण पैसा नहीं :गुकेश

करोड़पति बनने पर कहा

भाषा। सिंगापुर

नए विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए करोड़पति बनने का तमगा बहुत मायने रखता है लेकिन वह भौतिक लाभ के लिए नहीं खेलते बल्कि इसका आनंद उठाने के लिए खेलते हैं और वह इस लगाव को तब से बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं जब शतरंज बोर्ड उनके लिए सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था। चेन्नई के 18 वर्षीय गुकेश अब 11.45 करोड़ रुपए अधिक अमीर हो गए हैं जो उन्हें फाइनल में चीन के डिंग लिरेन को हराने के लिए फिडे से पुरस्कार राशि के रूप में मिलेगा। गुकेश के पिता रजनीकांत ने अपने बेटे के साथ सर्किट पर जाने के लिए ईएनटी सर्जन के तौर पर अपना करियर छोड़ दिया जबकि उनकी मां पद्मकुमारी एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं जो परिवार की एकमात्र कमाने वाली बन गईं। यह पूछे जाने पर कि करोड़पति होना उनके लिए क्या मायने रखता है तो गुकेश ने एक साक्षात्कार के रूप में फिडे को बताया, यह बहुत मायने रखता है। जब मैं शतरंज में आया तो हमें एक परिवार के रूप में कुछ मुश्किल फैसले लेने पड़े। मेरे माता-पिता वित्तीय और भावनात्मक कठिनाइयों से गुजरे थे। अब, हम अधिक सहज हैं और मेरे माता-पिता को उन चीजों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं पैसे के लिए शतरंज नहीं खेलता। वह हमेशा याद रखने की कोशिश करते हैं कि जब उसे अपना पहला शतरंज बोर्ड मिला था तो उन्होंने यह खेल क्यों खेलना शुरू किया था। नए विश्व चैम्पियन बने गुकेश ने कहा, मैं अब भी वही बच्चा हूं जिसे शतरंज पसंद है। यह सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था। मितभाषी विश्व चैंपियन के पिता उनके प्रबंधक की भूमिका निभाते हैं, उनकी सभी ऑफ-बोर्ड गतिविधियों का ध्यान रखते हैं और उसे खेल पर ध्यान केंद्रित करने देते हैं जबकि उनकी मां भावनात्मक और आध्यात्मिक शक्ति का स्तंभ है।

तारिक क्रिकेट क्लब की 7 विकेट से जीत

लखनऊ। मैन ऑफ द मैच गोपाल यादव 51 के तूफानी आतिशी अर्धशतक की बदौलत तारिक क्रिकेट क्लब ने तृतीय अधीर दुबे स्मारक टी.20 क्रिकेट टूर्नामेंट में केएसीसी को 7 विकेट से पराजित कर पूरे अंक जुटाए।पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर केएसीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट पर 139 रन बनाए। मध्य क्रम में इस्लाम ने 28 गेंदों पर 5 चौके व 2 छक्के से सर्वाधिक 45 रन बनाए। उनके अलावा गुरबिंदर सिंह ढिल्लो ;23द्ध व सबीर ;18द्ध ही टिक कर खेल सके। तारिक क्लब से हनी जाफरी व तेज नारायण ने 2.2 विकेट की सफलता पाई। फिरोज खान व गोपाल यादव को 1.1 विकेट की सफलता मिली।जवाब में तारिक क्रिकेट क्लब ने 13ण्2 ओवर में 3 विकेट पर 141 रन बनाकर मैच जीत लिया। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शीर्ष दो बल्लेबाज 20 रन ही बना सके। डाण्प्रियेश ने 23 रन जोड़े।वहीं विनोद सिंह ने 34 गेंदों पर 8 चौके से नाबाद 50 रन व गोपाल यादव ने 16 गेंदों पर 5 चौके व 4 छक्के से नाबाद 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेल टीम को जीत दिलाई।

इंग्लैंड को 143 रन समेटने के बाद न्यूजीलैंड ने 340 रन की बढ़त कायम की

हैमिल्टन। मैट हेनरी (48 रन पर चार विकेट), विलियम ओ राउरकी (33 रन पर तीन विकेट) और मिचेल सेंटनर (सात रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की श्रृंखला के आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को यहां इंग्लैंड की पहली पारी को 143 रन पर समेटने के बाद दूसरी पारी में तीन विकेट पर 136 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इससे पहले न्यूजीलैंड की पहली पारी 347 रन पर सिमटी थी।पहली पारी में 204 रन की बढ़त हासिल करने वाले न्यूजीलैंड के पास अब 340 रन की बढ़त है और उसके सात विकेट शेष है। दूसरे दिन स्टंप्स से ठीक पहले दिग्गज केन विलियमसन (50) ने अपना 38वां अर्धशतक पूरा किया। क्रीज पर उनके साथ रचिन रवींद्र (दो) मौजूद है। हेनरी और ओ राउरकी ने 82 रन तक इंग्लैंड की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया था। कप्तान बेन स्टोक्स (27) और ओली पोप (24) ने छठे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी कर मैच में वापसी की कोशिश की। सेंटनर ने हालांकि तीन रन के अंदर दोनों को चलता किया जिससे इंग्लैंड ने 10 रन के अंदर आखिरी के पांच विकेट गंवा दिए। टीम के लिए जो रूट ने सबसे ज्यादा 32 रन का योगदान दिया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने नौ विकेट पर 303 रन से आगे से दिन की शुरुआत की। सेंटनर (76) और ओ राउर की की आखिरी जोड़ी ने दिन की शुरुआत में 15 ओवर से ज्यादा बल्लेबाजी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों को परेशान किया। शुरूआती नौ टेस्ट में महज 13 रन बनाने वाले ओ राउरकी ने इस दौरान गस एटकिंसन के खिलाफ अपने करियर का पहला चौका जड़ा। मैथ्यू पॉट्स ने इस साझेदारी को तोड़कर न्यूजीलैंड की पारी को 347 रन पर खत्म किया। सेंटनर और ओ राउरकी ने 44 रन की साझेदारी की। ओ राउरकी ने इसके बाद इंग्लैंड की पहली पारी को 35.5 ओवर में समेटने में अहम योगदान दिया। उन्होंने लगातार गेंदों पर जैकब बेथेल (12) और हैरी ब्रूक (शून्य) को चलता करने के बाद अपने अगले ओवर में रूट को पवेलियन की राह दिखाई।

क्विक न्यूज

सिंह फिर से आईजीयू के अध्यक्ष चुने गए, प्रतिद्वंद्वी गुट के शेट्टी ने भी अध्यक्ष पद का दावा किया

नई दिल्ली। बृजिंदर सिंह को रविवार को यहां वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान लगातार दूसरी बार भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) का अध्यक्ष चुना गया। साल 2024 से 2026 के कार्यकाल के लिए आईजीयू पदाधिकारियो और संचालन परिषद के चुनाव निर्विरोध हुए क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या उपलब्ध पदों के बराबरी थी। सिंह अध्यक्ष पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे, जबकि एस के शर्मा और संजीव रतन क्रमशः सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने गए। संचालन समिति के लिए चुने गए नौ सदस्यों में फरजान आर हीरजी (झारखंड), हरपुनीत सिंह संधू (चंडीगढ़), हरीश कुमार (उत्तराखंड), नागेश सिंह (असम), डॉ परम नवदीप सिंह (राजस्थान), समीर सिन्हा (गुजरात), शशांक संदू (महाराष्ट्र), सिमरजीत सिंह (उत्तर प्रदेश), और वीरेन सिंह घुम्मन (पंजाब) है। बृजिंदर सिंह ने कहा, नई टीम का मुख्य फोकस पिछले कुछ वर्षों में किए गए अच्छे काम को जारी रखना है। अधिकांश सदस्य पछली संचालन समिति का हिस्सा रहे है और अनुभवी गोल्फर हैं। हम अपने विकास पथ को लेकर स्पष्ट है और उस दिशा में काम करना जारी रखेंगे। इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित चुनाव न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रामेश्वर सिंह मलिक की देखरेख में आयोजित किया गया था। न्यायमूर्ति मलिक को दिल्ली उच्च न्यायालय ने चुनाव अधिकारी (आरओ) के रूप में चुनाव की निगरानी करने की अनुमति दी है। वह न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ओपी गर्ग और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली के बाद तीसरे इस पद पर नियुक्त व्यक्ति हैं।

भारत अगले साल 10 अगस्त को पहली बार विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर कार्यक्रम की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। भारत अगले साल 10 अगस्त को भुवनेश्वर में पहली बार विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर प्रतियोगिता (कांस्य स्तर की वैश्विक प्रतियोगिता) की मेजबानी करेगा। यह जानकारी राष्ट्रीय महासंघ ने रविवार को दी।भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2025 के प्रतियोगिता कैलेंडर को जारी करते हुए यह घोषणा की। कॉन्टिनेंटल टूर विश्व एथलेटिक्स के तत्वावधान में आयोजित ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं की वार्षिक श्रृंखला है। यह प्रतिष्ठित डायमंड लीग के बाद अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय प्रतियोगिताओं का दूसरा टीयर है। एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने कहा, कॉन्टिनेंटल टूर भारतीय टीम के लिए सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले घरेलू सरजमी पर अपनी क्षमता दिखाने का अच्छा अवसर होगा। यह प्रतियोगिता भारतीय एथलीटों के लिए 13 से 21 सितंबर तक तोक्यो में होने वाली 2025 विश्व चैंपियनशिप के लिए घरेलू परिस्थितियो मे विश्व रैंकिंग अंक (श्रेणी सी) अर्जित करने का अवसर होगा।कांस्य स्तर की टूर प्रतियोगिताएं स्तर के मामले में स्वर्ण और रजत स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद आती हैं। भारत में 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक की शुरुआत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय परमिट मीट के बाद यह पहली वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी।भारत ने 2004 में नई दिल्ली में विश्व हाफ मैराथन चैंपियनशिप की भी मेजबानी की है।एएफआई के एक अधिकारीने पीटीआई को बताया, 80 और 90 के दशक मे परमिट मीट और 2004 मे विश्व हाफ मैराथन के बाद यह सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिता होगी जो पहली बार यहां होगी। यह एक बड़ी उपलब्धि है और इससे देश में एथलेटिक्स को प्रगति करने में मदद मिलेगी। उन्होने कहा कि भारत अगले साल एक वैश्विक स्तर की भाला फेंक की बड़ी प्रतियोगिता की मेजबानी भी कर सकता है।

सिराज पर निशाना साधने को गावस्कर ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पंडितों का दोहरा चरित्र करार दिया

ब्रिस्बेन। भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने एडीलेड में दिन रात्रि टेस्ट में ट्रेविस हेड के साथ विवाद मे मोहम्मद सिराज पर निशाना साधने को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पंडितो के दोहरे चरित्र की आलोचना की है। पांच मैचो की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट मे बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने शतक पूरा करने के बाद डीप स्कायर लेग पर छक्का लगाया जिसके बाद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया और ड्रेसिंग रूम की ओर जाने का इशारा किया था।हेड ने दावा किया कि उन्होंने आउट होने के बाद सिराज से कहा था कि अच्छी गेंदबाजी की लेकिन भारतीय गेंदबाज ने इस दावे से इनकार किया।सिराज पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और हेड को फटकार लगाई गई जबकि दोनो खिलाड़ियो को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक-एक डिमेरिट अंक भी दिया।गावस्कर ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड मे कटाक्ष करते हुए लिखा, सिराज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के पंडितो से कड़ी प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसी प्रतिक्रिया वही दे रहे जिन्हें मैदान पर इस तरह के व्यवहार के लिए जाना जाता है। उन्होने लिखा, इससे ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक नाराज हो सकते है कि सिराज ने शानदार शतक बनाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को आक्रामक इशारा किया। गावस्कर ने दोहरे चरित्र पर कटाक्ष किया कि कैसे यही लोग अपने खिलाड़ियों के असभ्य व्यवहार का समर्थन करते है।उन्होने लिखा, यह लोग हालांकि अगले सत्र मे की एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया के किसी तेज गेदबाज की इंग्लैड के बल्लेबाज के खिलाफ इस तरह की हरकत का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, मीडिया में कुछ सुझाव थे कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को को फिर से पहले की तरह बेहद आक्रामक रवैया अपनाना चाहिए।

विवादास्पद चुनावों में बृजिंदर सिंह को निर्विरोध आईजीयू अध्यक्ष चुना गया

नई दिल्ली। बृजिंदर सिंह को रविवार को यहां वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान लगातार दूसरी बार भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) का अध्यक्ष चुना गया। साल 2024 से 2026 के कार्यकाल के लिए आईजीयू पदाधिकारियो और संचालन परिषद के चुनाव निर्विरोध हुए क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या उपलब्ध पदों के बराबरी थी।सिंह अध्यक्ष पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे, जबकि एस के शर्मा और संजीव रतन क्रमशः सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुने गए। संचालन समिति के लिए चुने गए नौ सदस्यो मे फरजान आर हीरजी (झारखंड), हरपुनीत सिंह संधू (चंडीगढ़), हरीश कुमार (उत्तराखंड), नागेश सिंह (असम), डॉ परम नवदीप सिंह (राजस्थान), समीर सिन्हा (गुजरात), शशांक संदू (महाराष्ट्र), सिमरजीत सिंह (उत्तर प्रदेश), और वीरेन सिंह घुम्मन (पंजाब) है।बृजिंदर सिंह ने कहा, नई टीम का मुख्य फोकस पिछले कुछ वर्षों में किए गए अच्छे काम को जारी रखना है। अधिकांश सदस्य पछली संचालन समिति का हिस्सा रहे है और अनुभवी गोल्फर है। हम अपने विकास पथ को लेकर स्पष्ट है और उस दिशा में काम करना जारी रखेंगे। इंडिया हैबिटेट सेंटर मे आयोजित चुनाव न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रामेश्वर सिंह मलिक की देखरेख में आयोजित किया गया था। न्यायमूर्ति मलिक को दिल्ली उच्च न्यायालय ने चुनाव अधिकारी (आरओ) के रूप में चुनाव की निगरानी करने की अनुमति दी है।वह न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ओपी गर्ग और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) प्रमोद कोहली के बाद तीसरे इस पद पर नियुक्त व्यक्ति है।दिलचस्प बात यह है कि आईजीयू महासचिव हरीश शेट्टी के नेतृत्व मे एक प्रतिद्वंद्वी गुट भारतीय ओलंपिक संघ के मुख्यालय ओलंपिक भवन में एक समानांतर वैकल्पिक एजीएम आयोजित कर रहा है,।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।